THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 73 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.13 2083 शनिवार, 13 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोन

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी एसएमपीपी ने सेना को 106 टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें 'पीसकीपर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है।

यह ड्रोन 180किमी की रेंज तक हमला कर सकते हैं। साथ ही 450किमी की रफ्तार पकड़ सकते हैं। यानी इसकी रफ्तार दुनिया में सबसे तेज उड़ने वाले पेरेग्रिन फाल्कन पक्षी की रफ्तार 320किमी से भी ज्यादा है। इतना ही नहीं इन पर न जैमिंग का असर होगा, न कोई स्पूफिंग के जरिए इन्हें टारगेट से भटका सकेगा। कंपनी ने कहा है कि उसने 100 ऑपरेशनल और 6 ट्रेनिंग ड्रोन सेना को सौंप दिए हैं।

## ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

### चुनाव के समय भड़काऊ बयान देने का आरोप

कोलकाता, 12 जून (एजेंसियां)। कोलकाता की हेयर स्ट्रीट पुलिस ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई लिखित शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उन पर चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने का आरोप लगाया गया।

>14

# फिर ईरान पर भड़के ट्रंप : कहा भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

वाशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने ईरान के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने मीडिया में जो शर्तें लीक की हैं, उनका लिखित समझौते से कोई लेना-देना नहीं है।

ट्रंप के मुताबिक ईरान का यह बयान सच्चाई से कोसों दूर है। उन्होंने ईरान को बेहद गैर-भरोसेमंद देश बताया है। ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान के साथ ईमानदारी से बात करना मुमकिन ही नहीं है।

**भारतीय जहाजों पर हमला बिल्कुल मंजूर नहीं :**

ट्रंप ने ईरान की एक बड़ी हरकत का खुलासा किया है। बीती रात ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन से हमला किया था। हालांकि, इस ड्रोन हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया गया। ट्रंप ने ईरान की इस सैन्य कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि भारतीय जहाजों पर यह ड्रोन हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। अमेरिका इस तरह की किसी भी हरकत को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।

**लीक की गई शर्तें पूरी तरह से मनगढ़ंत :**

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के दावों पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मीडिया में जो बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह झूठ हैं। लिखित में जो तय हुआ था, ईरान की बातें उसके बिल्कुल उलट हैं। ट्रंप ने ईरान के समझौते वाले बयान को बेहद कमजोर और दयनीय बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के बयानों का सच से कोई वास्ता नहीं है। ट्रंप ने ईरान के साथ किसी भी सौदे को बेहद मुश्किल काम बताया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को हैरान करने वाला कहा है।

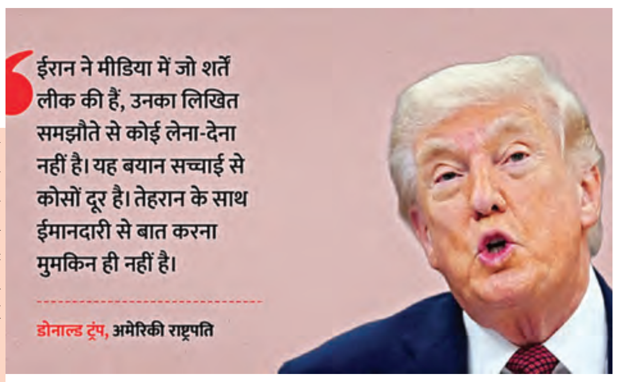


# मीनाक्षी को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका

## फैसले के बाद नटराजन बोली : पहले वोट चोरी होती थी अब सीट चोरी

**नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके नॉमिनेशन पेपर खारिज किए जाने को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इसे खारिज किया जाता है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदुरकर की बेंच ने आर्टिकल 329 के तहत संवैधानिक रोक का हवाला देते हुए अपनी रिट अधिकार-क्षेत्र का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया। इसलिए, रिट याचिका को सुनवाई के लायक न मानते हुए खारिज कर दिया गया।

**चुनावी प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकते :**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी उम्मीदवार का नामांकन निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरस्त किए जाने के बाद उसके पास राहत पाने के लिए भारत के निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई अन्य उपाय नहीं होता। अदालत ने नटराजन से यह भी पूछा कि क्या वह ऐसा कोई फैसला दिखा सकती हैं, जिसमें अदालत ने इस प्रकार के मामलों में हस्तक्षेप किया हो।

नटराजन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि किसी उम्मीदवार को केवल वही आपराधिक मामला घोषित करना होता है, जिसमें न्यूनतम दो वर्ष की सजा का प्रावधान हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान मामले में केवल समन जारी हुए थे। सिंघवी ने कहा कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए नटराजन का नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एक आपराधिक मामले का खुलासा न करने के आरोप में गलत तरीके से खारिज कर दिया।

बता दें कि राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा के आदेश में कहा गया कि उपलब्ध दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि नटराजन ने अपने नामांकन के साथ दाखिल फॉर्म-26 में एक न्यायालयीन शिकायत का उल्लेख नहीं किया और इस प्रकार अधूरा शपथपत्र प्रस्तुत किया।

मध्य प्रदेश विधानसभा के एक अधिकारी के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की थी कि नटराजन ने अपने शपथपत्र में तेलंगाना में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले का उल्लेख नहीं किया है। >14

## 'पहले इस्तीफा दें फिर भाजपा के टिकट पर लड़ें चुनाव'

### महुआ मोइत्रा ने 19 बागी सांसदों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को पार्टी के बागी सांसदों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह संविधान की गलत व्याख्या कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने संसद में एक अलग गुट के रूप में मान्यता मांगने का उनके पास कोई कानूनी आधार नहीं हैं।

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में मोइत्रा ने लिखा 'गद्दार टीएमसी सांसदों को कानून का ज्ञान नहीं है। संविधान के 91वें संशोधन 2003 ने विभाजन/अलग गुट बनाने के प्रावधान को हटा दिया है। सांसदों की संख्या मायने नहीं रखती। मूल राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्यों को किसी अन्य दल में विलय करना होगा। सभी 19 गद्दारों को इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहिए।

## नये एनएससीएस बने राजीव घई

### एनएससीएस का मिलिट्री एडवाइजर, ऑपरेशन सिंदूर में अहम रोल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। आर्मी स्टाफ के डिप्टी चीफ (स्ट्रेटेजी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट का नया मिलिट्री एडवाइजर नियुक्त किया गया है। इस पद पर नियुक्त होने वाले वे पहले सेवारत अधिकारी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मिलिट्री ऑपरेशन्स के डायरेक्टर जनरल थे।

**सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाया था पाक :**

इससे पहले भी उनके काम को देखते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्हें डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। बतौर उप सेना प्रमुख उन्हें रणनीति के मामलों को देखने की जिम्मेदारी मिली थी। सैन्य अधिकारी राजीव घई ही वह भारतीय सेना के अधिकारी हैं, जिनके सामने पाकिस्तान सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाया था। उनसे पाकिस्तान की बातचीत के बाद ही भारत ने सीजफायर किया था।

>14

## भारतीय नाविकों पर हमले

# राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर भारत ने अमेरिका के सामने कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने एक हफ्ते में दूसरी बार अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत जेसन मीक्स को तलब कर ऐसे हमले रोकने और भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। नाविकों की मौत पर नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है और पूछा कि भारतीयों की मौत पर पीएम चुप क्यों हैं? विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार, होर्मुज जलमार्ग में निर्बाध और सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने दोहराया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कमर्शियल जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं।

यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब गिनी-बिसाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर 'एमटी जलवीर' पर कार्रवाई की खबरें सामने आईं। इस जहाज पर 20 भारतीय नागरिक सवार थे। इससे पहले पलाऊ गणराजय के झंडे वाले जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। पिछले एक सप्ताह में भारतीय क्रू वाले तीन वाणिज्यिक जहाज प्रभावित हुए हैं। हमले को लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि तेल टैंकर एमटी सेट्टेबेलो ओमान तट के पास होर्मुज जलमार्ग के बाहर अमेरिकी नाकाबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश कर रहा था। इसके चलते ही उसे निशाना बनाया गया।

**भारतीयों की मौत पर पीएम चुप क्यों :**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय जल में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे कमजोर स्थिति वाला प्रधानमंत्री? एक शब्द तक नहीं।

उन्होंने कहा कि जब किसी विदेशी ताकत की कार्रवाई में भारतीयों की जान जाती है तो प्रधानमंत्री को खुलकर बोलना चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अगले सप्ताह जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी विश्व नेताओं से मुलाकात करेंगे। लेकिन भारतीय नाविकों की मौत पर अब तक उनकी ओर से कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं आई है। >14

## ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में धधकी आग, धुआं पूरी इमारत में फैला; तीन की जान गई

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुर के तुगलकाबाद इलाके में शुक्रवार तड़के एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में लगी भीषण आग में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच महिलाएं झुलस गईं। 70 साल की एक महिला समेत दो की गंभीर रूप से घायल हैं। बचाव अभियान चलाकर कुल आठ लोगों को इमारत से बाहर निकाला और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, रात करीब 2:31 बजे तुगलकाबाद की गली नंबर-1 स्थित नया तारा अपार्टमेंट के पास एक मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके बाद धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया और कई लोग अंदर फंस गए। दमकल विभाग के अनुसार, संबंधित इमारत ग्राउंड प्लस पांच मंजिला है

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की नारीशक्ति की सराहना

## बोले- महिलाएं बदल रही हैं भारत की तस्वीर

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की नारीशक्ति की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, अंतरिक्ष और नए आविष्कारों जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता देखकर उन्हें बहुत खुशी होती है। ड्रोन तकनीक जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से देश के विकास की तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव प्रगति के नए रास्ते खोल रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से सहयोग दे रही है।

इन समूहों की मदद से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बन रही हैं। पिछले 12 वर्षों के दौरान एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को प्राथमिकता दी है। आज इसका असर समाज के हर छोटे-बड़े क्षेत्र में साफ दिखाई देता है। पीएम ने आगे

कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास और खेल जैसे क्षेत्रों में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही व्यापार, विज्ञान और शासन में भी उनकी भागीदारी बढ़ी है। सरकार की कोशिशों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, अवसर और मजबूती देना है। इससे एक ऐसा माहौल बना है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री ने अपनी नियमित पोस्ट 'सुभाषितम' में एक श्लोक साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा:'नारी त्रैलोक्यजननी, नारी त्रैलोक्यरूपिणी। नारी त्रिभुवनाधारा, नारी शक्तिस्वरूपिणी॥' साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से माँ भारती का गौरव बढ़ा रही हैं। सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

## स्टील प्लांट में धमाका मामला

### एनएचआरसी ने 2 हफ़्ते में मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी

विशाखापत्तनम, 12 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में हुए धमाके का स्वतः संज्ञान लिया है। इस घटना में 8 जून को नौ मज़दूरों की मौत हो गई थी और कई अन्य बुरी तरह झुलस गए थे। मीडिया रिपोर्टों के आधार पर, आयोग ने पाया कि अगर बताई गई बातें सच हैं, तो यह घटना मज़दूरों के अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं पैदा करती है।आयोग ने आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो हफ़्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

एनएचआरसी ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह घायल मज़दूरों की हालत, उन्हें दिए जा रहे इलाज और घायल मज़दूरों व हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि (मुआवजे) के बारे में जानकारी दे। खबरों के मुताबिक, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) द्वारा संचालित वीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप में पिघले हुए स्टील से भरा एक लैडल (बड़ा बर्तन) फट गया, जिससे धातु फैल गई और कई लोग हताहत हुए। इस त्रासदी ने प्लांट में औद्योगिक सुरक्षा के तरीकों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मज़दूर यूनियनों ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा के तय नियमों का ठीक से पालन नहीं किया गया और मैनेजमेंट संभावित ऑपरेशनल जोखिमों को दूर करने में नाकाम रहा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आयोग ने कहा कि घटना में हुई जान-माल की भारी क्षति को देखते हुए इस मामले की जांच ज़रूरी है। एनएचआरसी का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मज़दूर संगठन भारी उद्योगों में जवाबदेही और सुरक्षा के कड़े उपायों की मांग कर रहे हैं।

## मंत्री नारा लोकेश ने अपना वादा निभाया

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। मंत्री नारा लोकेश ने अपना वादा पूरा किया। पलनाडू जिले के गुंडलापाडु के रहने वाले टीडीपी नेता थोटा चंद्रय्या की वाईसीपी नेताओं ने हत्या कर दी थी। चंद्रय्या के परिवार को न्याय मिला और 'कार्यकर्ता ही सर्वोपरि हैं' वाली बात सच साबित हुई। थोटा चंद्रय्या के बेटे वीरंजनेयुलु को सरकारी नौकरी दी गई है।

काउंसिल में रुकावटें पैदा करने के बावजूद, आखिरकार सरकारी नौकरी के लिए मंज़ूरी मिल गई और उन्हें आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और मंत्री लोकेश का विशेष धन्यवाद किया। अपने परिवार को न्याय मिलने पर वे भावुक हो गए।इससे पहले, वाईसीपी सरकार के दौरान पलनाडू जिले के वेल्दुरथी मंडल के एमपीपी शिवरामैया, उनके बेटे आदिनारायणुलु और टीडीपी नेता थोटा चंद्रय्या ने गैर-कानूनी कामों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इसी वजह से, 13 जनवरी 2022 को जब चंद्रय्या गांव में दोपहिया वाहन से जा रहे थे, तो नदी के किनारे वाली सड़क पर चाकू से गला रेतकर उनकी हत्या कर दी गई।

इस घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी। सरकार ने थोटा चंद्रय्या के बेटे को नौकरी देने का फैसला किया, लेकिन वाईसीपी ने इसका विरोध किया और काउंसिल में बिल को रोक दिया। राजनीतिक रंजिश में मारे गए थोटा चंद्रय्या के बेटे को नौकरी देने के लिए सरकार को कानून में संशोधन करना पड़ा। न्याय विभाग का गजट जारी होने के साथ ही चंद्रय्या के बेटे वीरंजनेयुलु को नौकरी देने में आ रही बाधाएं दूर हो गईं और उन्हें सरकारी नौकरी देने का आदेश (गो) जारी कर दिया गया।

## आंध्र प्रदेश में मॉनसून के आगे बढ़ने पर एपीएसडीएमए ने अलर्ट जारी किया

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में मॉनसून के आगे बढ़ने पर एपीएसडीएमए ने अलर्ट जारी किया। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने घोषणा की है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून राज्य में और आगे बढ़ गया है।

एमडी प्रखर जैन ने कहा कि अनुकूल स्थितियों के कारण अगले दो से तीन दिनों में अस्त्र, मन्यम, विजयनगरम और श्रीकाकुलम जिलों में बारिश होने की उम्मीद है। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तटीय आंध्र के ऊपर एक सतही परिसंचरण बना हुआ है, जबकि एक अन्य परिसंचरण दक्षिणी तटीय आंध्र के ऊपर सक्रिय है।इन प्रणालियों के कारण पोलावरम, अनाकापल्ले, काकीनाडा, पलनाडू, मरकापुरम, प्रकाशम, नेल्लोर और रायलसीमा में हल्की से मध्यम बारिश और आंधी-तूफान आने की संभावना है। अन्य जिलों में छिटपुट बारिश, बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

## शराब मामला: आंध्र कोर्ट ने वासुदेव रेड्डी और राज केसीरेड्डी को 25 जून तक हिरासत में भेजा

अमरावती, हैदराबाद, 12 जून (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शराब के ट्रांसपोर्टेशन में कथित गड़बड़ियों की ईडी की जांच में एक अहम घटनाक्रम के तहत, नामपल्ली कोर्ट ने केसीरेड्डी राजशेखर रेड्डी (जिन्हें राज केसीरेड्डी के नाम से भी जाना जाता है) और आंध्र प्रदेश बेवरेजेज कॉर्पोरेशन के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर डी। वासुदेव रेड्डी को 25 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दोनों को चंचलगुडा सेंट्रल जेल भेज दिया गया। ईडी ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच के आधार पर एक एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। एसआईटी 2019 और 2024 के बीच शराब के ट्रांसपोर्टेशन और शराब नीति को लागू करने में हुई गड़बड़ियों की जांच कर रही है। हैदराबाद में राज केसीरेड्डी, वासुदेव रेड्डी, विजया नरसिम्हा रेड्डी, वल्लू संदीप, पूर्व मंत्री करुमुरी नागेश्वर राव और उनके बेटे से जुड़ी पांच जगहों पर तलाशी ली गई। जांचकर्ताओं का आरोप है कि गलत तरीके से किए गए कॉन्ट्रैक्ट्स के कारण राज्य के खजाने को 195.33 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जांच से पता चलता है कि गैर-कानूनी तरीके से कमाए गए पैसे को हवाला नेटवर्क और मनी लॉन्ड्रिंग के ज़रिए इधर-उधर किया गया।

पूर्व एमएलए चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, रिटायर्ड आईएएस अधिकारी धनंजय रेड्डी, ऑडिटर बालाजी गोविंदप्पा और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के पूर्व ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) कृष्णा मोहन रेड्डी से जुड़ी जगहों पर भी तलाशी ली गई। ईडी को शक है कि सिग्मा सप्लाई चेन सॉल्यूशंस ने टेंडर प्रक्रिया में एक 'फ्रंट कंपनी' (मुखौटा कंपनी) के तौर पर काम किया और लगभग 96 प्रतिशत रेवेन्यू एक सिंडिकेट को ट्रांसफर कर दिया।

## आने वाले सालों में बिजली की दरें बढ़ेंगी: मंत्री गोट्टीपति रविकुमार

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। बिजली विभाग के मंत्री गोट्टीपति रविकुमार ने कहा कि पिछली सरकार ने चंद्रबाबू के नेतृत्व में बिजली व्यवस्था को बर्बाद कर दिया था। जगन ने 'ट्रू-अप' पॉलिसी लागू करके इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में बिजली की दरों में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने साफ किया कि आने वाले सालों में भी बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। उन्होंने वाईसीपी सरकार के दौरान 9 बार बिजली की दरें बढ़ाने की आलोचना की। मंत्री ने कहा कि यह एकमात्र ऐसी सरकार है जिसने बिजली की दरें 13 पैसे कम की हैं। पीएम सूर्यघर योजना का मकसद एससी और एसटी समुदायों को 6 लाख मुफ्त सोलर कनेक्शन देना है।

उन्होंने बिजली उत्पादन बढ़ाने और बाहरी लागत को काफी कम करने की बात कही। हम गैर-पारंपरिक ईंधन से 160 गीगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। आरडीएसएस के जरिए ग्रामीण इलाकों में बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना बनाई जा रही है।

## आंध्र प्रदेश में एससी स्टेटस की जांच होनी चाहिए, डिप्टी स्पीकर रघुरामकृष्ण राजू ने डीजीपी को पत्र लिखा

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के डिप्टी स्पीकर रघुरामकृष्ण राजू ने डीजीपी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कोई मामला दर्ज किया जाता है, तो शिकायत करने वाले व्यक्ति के एससी स्टेटस की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने डीजीपी से राज्य के सभी ज़िला एसपी को इस संबंध में आदेश जारी करने का अनुरोध किया। साथ ही, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के अनुसार उचित कार्रवाई करने को कहा। यह कदम एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने और ईसाई धर्म अपनाने वाले लोगों द्वारा इसका गलत इस्तेमाल न करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के अनुसार, ईसाई धर्म अपनाने वाले लोगों को एससी का दर्जा नहीं मिलता है। उन पर अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कोई अधिकार लागू नहीं होता है। इसलिए, रघुराम ने कहा कि एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने से पहले पुलिस को शिकायतकर्ता के एससी स्टेटस की तुरंत जांच करनी चाहिए। उन्होंने डीजीपी से अनुरोध किया कि वे ऐसे मामलों को बिना जांचे स्वीकार न करें।डिप्टी स्पीकर रघुराम ने पहले भी डीजीपी को पत्र लिखे हैं। उन्होंने पूजा स्थलों पर अनधिकृत लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के मुद्दे पर भी पत्र लिखा था और राज्य में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों को सख्ती से लागू करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर लाउडस्पीकर से होने वाले तेज़ शोर से छात्रों, बुजुर्गों और मरीज़ों को परेशानी होती है।

## मंत्री लोकेश ने 6 करोड़ रुपये की मंदिर जीर्णोद्धार योजना की समीक्षा की

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। मंगलगिरि में स्थित ऐतिहासिक श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और विकास किया जाएगा। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने उंडावल्ली स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के ज़रिए विस्तृत प्रस्ताव पेश किए गए। मंजूर किए गए मुख्य कार्यों में श्री कृष्णदेवराय मंडपम का जीर्णोद्धार, यज्ञशाला और घंटा मंडपम का पुनर्निर्माण और एक नई वाहनशाला का निर्माण शामिल है। लोकेश ने निर्देश दिया कि जीर्णोद्धार के सभी काम मंदिर की परंपराओं के अनुसार ही किए जाएं। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि मंदिर के आसपास बाहरी विकास कार्यों की योजना बहुत सावधानी से बनाई जानी चाहिए ताकि तीर्थयात्रियों की संतुष्टि बढ़ाई जा सके। मंत्री ने कहा कि ऐसे पवित्र तीर्थस्थल के विकास का मौका जीवन में एक बार ही मिलता है, इसलिए उन्होंने अधिकारियों से एक व्यापक योजना के साथ आगे बढ़ने को कहा। 6 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना की शुरुआत 3 जुलाई को आधारशिला समारोह के साथ औपचारिक रूप से होगी। बैठक में इस पहल के लिए दानदाताओं से योगदान जुटाने पर भी चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में एंडोमेंट्स कमिश्नर के। रामचंद्र मोहन, मंदिर के ईओ कोगंती सुनील कुमार, एंडोमेंट्स के मुख्य अभियंता जी। शेखर, कार्यकारी अभियंता डी। श्रीनिवास राव,

## पिछले 10 दिनों में एफसीवी तंबाकू की नीलामी में सकारात्मक रुझान दिखा: कृषि मंत्री अच्चन्नायडू

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडू ने कहा कि पिछले दस दिनों में एफसीवी (फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया) तंबाकू की नीलामी में उत्साहजनक सुधार हुआ है। मंत्री गोट्टीपति रवि कुमार, अनाम राम नारायण रेड्डी, डोला बाला वीरंजनेय स्वामी और तंबाकू उगाने वाले जिलों के विधायकों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खरीदारों की बढ़ती भागीदारी, बाजार में बेहतर नकदी प्रवाह और अस्वीकृति में भारी कमी ने बाजार की सकारात्मक स्थितियां बनाई हैं। 11 जून तक, तंबाकू बोर्ड के नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 15.65 मिलियन किलोग्राम एफसीवी तंबाकू का विपणन किया गया था। 16 नीलामी केंद्रों पर लगभग 8,000 गांठें पहुंच रही हैं, जिससे कामकाज सुचारू रूप से चल रहा है। अस्वीकृति और 'कोई बोली नहीं' के मामले, जो 30 से 37 प्रतिशत के बीच थे, अब घटकर लगभग 20 प्रतिशत हो गए हैं।तंबाकू बोर्ड बाजार की स्थितियों को समझने और नकदी प्रवाह में सुधार के लिए व्यापारियों, निर्यातकों, खरीदारों और किसानों के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। सभी हितधारक तंबाकू के सभी ग्रेड की संतुलित आपूर्ति और खरीदारों की बेहतर भागीदारी की आवश्यकता पर सहमत हुए। बोर्ड खरीद करने वाली कंपनियों के साथ समन्वय कर रहा है और व्यवस्थित विपणन सुनिश्चित कर रहा है।

## विकास गर्ग से जुड़े मामलों की सुनवाई स्थगित प्रधान जिला न्यायाधीश ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। तीस हजारी स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पीडीजे) की अदालत ने विकास गर्ग और उनसे संबद्ध कंपनियों से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित करते हुए तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी-01) की अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अदालत ने संबंधित ट्रांसफर याचिकाओं पर अंतिम निर्णय होने तक मामलों में आगे की सुनवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया है।

विकास गर्ग और उनसे जुड़ी कंपनियों की ओर से दायर ट्रांसफर याचिकाओं में कहा गया था कि जिन परिस्थितियों में विभिन्न कार्यवाहियां ट्रायल कोर्ट में संचालित की जा रही हैं, उनसे निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंकाएं उत्पन्न हुई हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि मामलों को एक मंच पर स्थानांतरित कर समेकित रूप से सुना जाना न्यायहित में होगा और इससे मामलों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण में भी सहायता मिलेगी।

याचिकाओं में यह भी उल्लेख किया गया कि विकास गर्ग और संबंधित कंपनियों से जुड़े मामलों को बार-बार एक ही ट्रायल कोर्ट के समक्ष सूचीबद्ध किया जा रहा है, जिससे उनके मन में निष्पक्षता को लेकर आशंका उत्पन्न हुई है। इसी आधार पर उन्होंने मामलों के स्थानांतरण की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने नोटिस जारी करते हुए ट्रायल कोर्ट का पूरा रिकार्ड तलब किया है। साथ ही संबंधित पीठासीन अधिकारी को सीलबंद लिफाफे में अपनी टिप्पणियां और उपस्थिति दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

## 'पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने वाली महिला को नहीं मिलेगी फैमिली पेंशन'

### पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का अहम फैसला

चंडीगढ़, 12 जून (एजेंसियां)। पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करने वाली महिला को मृत सरकारी कर्मचारी की फैमिली पेंशन का अधिकार नहीं मिल सकता। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि दूसरा विवाह नियमों और कानून के विपरीत किया गया है तो ऐसी महिला को मृत कर्मचारी की 'विधवा' नहीं माना जा सकता और वह राज्य से पारिवारिक पेंशन की मांग भी नहीं कर सकती।

जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने मोहाली निवासी प्रिया की ओर से दायर अपील एलपीए को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के तहत दूसरी शादी तभी मान्य हो सकती है जब वह कानूनन वैध हो। पहली पत्नी के जीवित रहते किया गया दूसरा विवाह शून्य माना जाएगा और उससे किसी प्रकार का पेंशन संबंधी अधिकार पैदा नहीं होता।

मामले के अनुसार, मेजर हरि सिंह की मृत्यु के बाद उनकी पहली पत्नी मोहिंदर कौर और प्रिया के बीच सेवानिवृत्ति लाभों तथा अन्य अधिकारों को लेकर विवाद शुरू हुआ था। मोहिंदर कौर ने दीवानी अदालत में मुकदमा दायर कर खुद को मेजर हरि सिंह की वैध पत्नी बताते हुए सेवानिवृत्ति लाभों पर अधिकार मांगा था। ट्रायल कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया और उन्हें कानूनी पत्नी माना।

## कनाडा एयरपोर्ट से लौटाए गए अकाली नेता बंटी रोमाणा, पंजाब में दर्ज केसों के कारण रोकी गई एंट्री

फरीदकोट, 12 जून (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता एवं फरीदकोट के हलका इंचार्ज परमबंस सिंह बंटी रोमाणा को कनाडा में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली है। टोरंटो एयरपोर्ट पर रोके जाने के बाद रोमाणा को वापस भारत लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार, कनाडाई अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर उनकी एंट्री रोक दी।

इसके बाद रोमाणा ने दावा किया कि कनाडा के इमिग्रेशन विभाग को उनके खिलाफ एक शिकायत भेजी गई थी, जिसमें पंजाब में उनके खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों और उनसे संबंधित अदालती कार्यवाही का उल्लेख किया गया था। रोमाणा का कहना है कि जिन मामलों का जिक्र शिकायत में किया गया, वे राजनीतिक गतिविधियों और विरोध प्रदर्शनों से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि शिकायत में उन्हें राजनीतिक उद्देश्य से कनाडा पहुंचने वाला बताया गया था, जिसके आधार पर उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

इस घटनाक्रम के बाद रोमाणा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ की गई शिकायत राजनीतिक प्रेरित है और इसका उद्देश्य उनकी गतिविधियों को प्रभावित करना है।

## आतंकी-तस्कर नेटवर्क पर अमृतसर पुलिस की कार्रवाई, ग्रेनेड मामले में दो संदिग्ध गिरफ्तार

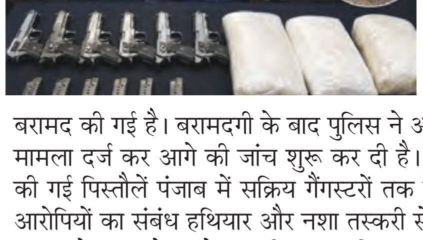

अमृतसर, 12 जून (एजेंसियां)। ग्रेनेड बरामदगी मामले की जांच के दौरान अमृतसर देहात पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पहले गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों के दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से छह पिस्तौल और करीब तीन किलो हेरोइन बरामद की गई है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद की गई पिस्तौलें पंजाब में सक्रिय गैंगस्टरों तक पहुंचाई जानी थीं। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों का संबंध हथियार और नशा तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क से हो सकता है। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया था। उस गिरफ्तारी के बाद से ही जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई थीं। ताजा गिरफ्तारी को उसी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस का मानना है कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। बरामद किए गए ग्रेनेडों का इस्तेमाल कहां किया जाना था। यह भी रहस्य बना हुआ है कि किन पुलिस इमारतों या अन्य संवेदनशील ठिकानों को संभावित निशाना बनाने की योजना तैयार की गई थी। इस संबंध में सुरक्षा एजेंसियां अलग-अलग पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

## मुंबई एयरपोर्ट पर बड़ा खुलासा! मॉडल और बैंक मैनेजर के बैग से 11 करोड़ की ड्रग्स बरामद

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। बैंकॉक से मुंबई पहुंची एक 29 साल की युवती हर्षा सनी को करीब 11.824 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा नामक महंगे मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 11 करोड़ 82 लाख रुपये है। कस्टम्स अधिकारियों ने बताया कि युवती को संदेह के आधार पर रोका गया था। जांच के दौरान उसके सामान से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद हुआ, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। जानकारी के मुताबिक, हर्षा सनी एक निजी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इसके अलावा वह मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया से भी जुड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उसने पिछले वर्ष एक प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट में रनर-अप का खिताब भी हासिल किया था।

# नादिर शाह मर्डर केस

## लेडी डॉन जोया खान को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के कारोबारी नादिर शाह हत्याकांड में आरोपित गैंग्स्टर हाशिम बाबा की पत्नी और लेडी डान जोया खान को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया वह हत्या की साजिश, शूटरों की व्यवस्था और हत्या के बाद सुबूत छिपाने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर ने नौ जून को पारित आदेश में कहा कि मामला बेहद गंभीर है। यह एक सुनियोजित हत्या की साजिश थी, जिसके तहत नादिर शाह की सार्वजनिक स्थान पर गोली मारकर हत्या की गई थी।

अदालत ने कहा कि जोया खान के खिलाफ मौजूद आरोप केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह साजिश का सक्रिय हिस्सा दिखाई देती है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित ने गवाहों को शूटरों के संबंध में निर्देश दिए, हत्या की योजना पर हुई चर्चाओं में भाग लिया और हत्या के बाद मामले को छिपाने के प्रयास किए। इसके अलावा उसके घर से एक हथियार भी बरामद हुआ है, जो उसके खिलाफ आरोपों को और मजबूत करता है। कोर्ट ने यह भी माना कि जोया खान पिछले 15 माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में है, लेकिन हत्या की साजिश और संगठित अपराध से जुड़े इस मामले में केवल हिरासत की अवधि को जमानत का आधार नहीं बनाया जा सकता।

अदालत ने कहा कि अभी भी गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका बनी हुई है। वहीं, जोया खान की ओर से पेश अधिवक्ता एमएम खान और तरुण राणा ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष के गवाह प्लांटेड हैं और मुकदमे की सुनवाई अभी शुरू भी नहीं हुई है। ऐसे में उसे जेल में रखने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शनिवार, 13 जून, 2026


सुविचार: कोई आपको बार-बार काम बता रहा है या आपको तलब कर रहा है तो, आप नकारे नहीं, आप उस काम के काबिल हैं।

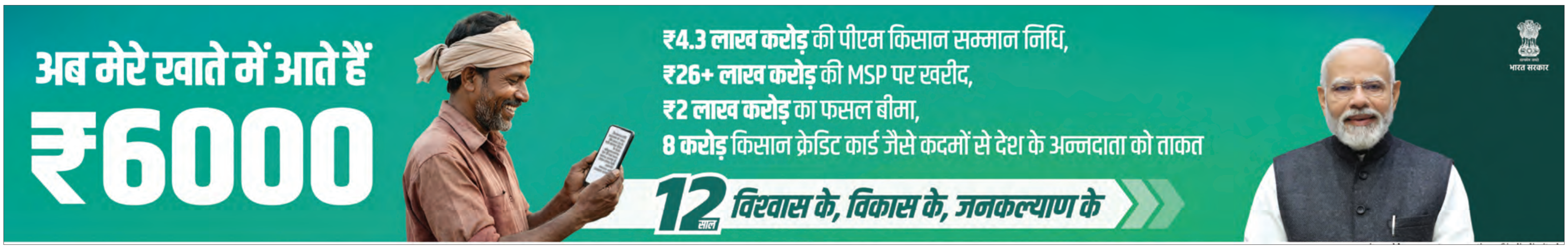


## वोट हटाने की साजिश लोकतंत्र पर हमला : पोंगुलेटी

### मंत्री ने कांग्रेस के बीएलए शिविर को संबोधित किया

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया है कि केंद्र की भाजपा सरकार विपक्षी दलों और गैर-भाजपा शासित राज्यों को निशाना बनाकर लोकतंत्र विरोधी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां मजबूत है, वहां मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रची जा रही है। शुक्रवार को एदुलापुरम नगरपालिका क्षेत्र के नायडूपेट क्रॉस रोड स्थित पीवीआर गार्डन्स में आयोजित कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर कांग्रेस समर्थक क्षेत्रों में 30 से 35 प्रतिशत मतों को फर्जी बताकर हटाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया

कि मतदाताओं की आयु में मामूली अंतर या नामों की वर्तनी में छोटी त्रुटियों को आधार बनाकर उनके नाम सूची से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में अपनाई गई इसी पद्धति को अब तेलंगाना में लागू करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इस प्रक्रिया पर सतर्क निगाह रखने और प्रत्येक मतदाता के अधिकार की रक्षा करने का आह्वान किया। राज्यसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के पास पर्याप्त समर्थन होने के बावजूद तकनीकी आधार पर उनका नामांकन खारिज कर दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को मिलने वाली एक राज्यसभा सीट को अनुचित तरीके से छीन लिया गया। उन्होंने बताया कि 25 जून से 24 जुलाई तक चलने वाली मतदाता सत्यापन प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। बाहर रह रहे मतदाताओं को समय पर गांव बुलाकर उनके नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रखने की व्यवस्था करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस को फर्जी वोट नहीं चाहिए, बल्कि प्रत्येक वैध वोट की रक्षा करना ही पार्टी का उद्देश्य है। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूति सत्यानारायण गौड़, पीसीसी प्रतिनिधि सुधाकर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में बूथ स्तरीय एजेंटों ने भाग लिया।

## बंद घरों को निशाना बनाकर नकदी और जेवरात चोरी

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुंडीगल क्षेत्र में चोरों ने दो बंद घरों में चोरी कर लाखों रुपये की नकदी और सोने के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बौरामपेट बस स्टेशन के पास रहने वाले एन. रवि अपनी पत्नी के साथ घर में ताला लगाकर निजामपेट स्थित अपनी बेटी से मिलने गए थे। उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चोरों ने घर का ताला तोड़ दिया और करीब साढ़े तीन तोला सोने के आभूषण तथा 50 हजार रुपये नकद चुरा लिए।

एक अन्य घटना में चोरों ने उसी क्षेत्र में रहने वाले एल. भूमैया गौड़ के घर को निशाना बनाया। आरोपी घर में घुसकर अलमारी में रखे लगभग 1.30 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, चोरों ने आसपास के दो अन्य घरों में भी चोरी का प्रयास किया, लेकिन वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके।

## मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मोहर्रम 2026 की तैयारियों की समीक्षा की

### बीबी का आलम जुलूस के लिए परंपरागत हाथी से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सार्वजनिक उद्यम एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मोहर्रम 2026 के शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर राज्य सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टीआईएमआरआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव बी. शफीउल्लाह, निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण, हैदराबाद, रंगारेड्डी एवं मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के जिलाधिकारियों सहित महानगर नगर निगम, साइबराबाद एवं मलकाजगिरी आयुक्तालय के पुलिस आयुक्तों, तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी, हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं मलजल मंडल तथा तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही तेलंगाना वक्फ मंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री ने मोहर्रम की तैयारियों, विशेषकर ऐतिहासिक

बीबी का आलम जुलूस के आयोजन की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता, सड़क मरम्मत, मलजल व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, सार्वजनिक परिवहन, यातायात नियंत्रण, चिकित्सा सेवाओं एवं कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने अधिकारियों को आशूरखानों की स्वच्छता, सड़कों की मरम्मत, चिकित्सा दलों की तैनाती, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सभी आवश्यक प्रबंध समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण सुनिश्चित करने को कहा गया, जबकि राज्य सड़क परिवहन निगम को अतिरिक्त बस सेवाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए। बीबी का आलम जुलूस के लिए परंपरागत हाथी से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई तथा सभी आवश्यक अनुमति समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वक्फ मंडल को आशूरखानों एवं सबीलों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। मंत्री ने कहा कि पूर्व बैठकों में जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर संबंधित विभाग गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मोहर्रम की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय, योजना एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित क्षेत्र निरीक्षण करने तथा तैयारियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही मोहर्रम अवधि के दौरान किसी भी स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर बल दिया। मंत्री ने राज्य सरकार की ओर से मोहर्रम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सरकार शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

## तेलंगाना का लक्ष्य वैश्विक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभरना है: श्रीधर बाबू

### मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य को वैश्विक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए काम कर रही है। इसके लिए सरकार एक ऐसे भविष्य-तैयार पारिस्थितिकी तंत्र का विकास कर रही है जो इस क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और अवसरों का सामना करने में सक्षम हो। शुक्रवार को हैदराबाद के एचआईसीसी में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) द्वारा आयोजित शिपिंग और लॉजिस्टिक्स 2026 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य के दीर्घकालिक विजन दस्तावेज, तेलंगाना राइजिंग-2047 में उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने में लॉजिस्टिक्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। तेलंगाना के निर्यात प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि निर्यात तत्परता सूचकांक में राज्य देश में आठवें स्थान पर और भूमि से घिरे राज्यों में दूसरे स्थान पर है।

उन्होंने आगे कहा कि औद्योगिक विकास को दर्शाते हुए तेलंगाना राष्ट्रीय स्तर पर माल निर्यात में सातवें स्थान पर है। मंत्री जी ने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे पर आधारित विकास के माध्यम से तेलंगाना की भौगोलिक स्थिति को रणनीतिक लाभ में बदल रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित लॉजिस्टिक्स नीति 2.0 के तहत, सरकार मेगा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, ड्राई पोर्ट, बॉन्डेड वेयरहाउसिंग सुविधाएं और एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब के विकास को बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इस क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल कार्यबल की आवश्यकता पर जोर देते हुए, शीधर बाबू ने कहा कि सरकार रसद संचालन में दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डेटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार कर रही है।

उन्होंने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, रेल-लिंक्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, एयर कार्गो, कोल्ड-चेन नेटवर्क, ग्रेड-ए वेयरहाउसिंग, ऑटोमेशन, डिजिटल लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म और ग्रीन मोबिलिटी सॉल्यूशंस में निवेश आमंत्रित करते हुए, उद्योग के हितधारकों को अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने में सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.के. माहेश्वरी, उपाध्यक्ष श्रीनिवास गरिमेला और शिपिंग एवं लॉजिस्टिक्स कमेटी के अध्यक्ष कमल जैन सहित कई लोग उपस्थित थे।

## सेक्सवर्कर के ग्राहक पर मानव तस्करी का केस नहीं चलेगा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी यौनकर्मी (सेक्स वर्कर) के ग्राहक पर केवल यौन सेवाएं लेने के आधार पर मानव तस्करी (ट्रैफिकिंग) का मामला नहीं चलाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि मानव तस्करी से संबंधित कानून का उद्देश्य तस्करों को सजा देना है, न कि केवल ग्राहकों को। न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण और न्यायमूर्ति बी.आर. मधुसूदन राव की खंडपीठ ने कहा कि यदि यह साबित हो जाए कि संबंधित यौनकर्मी मानव तस्करी की शिकार थी और ग्राहक को इसकी जानकारी थी या उसे इस बात का अंदाजा होना चाहिए था, तभी ग्राहक के खिलाफ आईपीसी की धारा 370ए(2) के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

अदालत ने यह भी कहा कि किसी वेश्यालय या ऐसे परिसर में केवल मौजूद होने भर से किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। अभियोजन पक्ष को यह साबित करना होगा कि संबंधित महिला मानव तस्करी की शिकार थी और ग्राहक को इसकी जानकारी थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के बुद्धदेव कर्मस्कर मामले का भी उल्लेख किया। अदालत ने दोहराया कि यदि दो वयस्कों के बीच सहमति से यौन संबंध या यौन कार्य हो रहा है, तो इसे अपने आप में अवैध नहीं माना जा सकता। केवल इसी आधार पर यौनकर्मियों और उनके ग्राहकों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। अदालत के इस फैसले को मानव तस्करी और यौन कार्य से जुड़े मामलों में कानून की स्पष्ट व्याख्या के रूप में देखा जा रहा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

मैं, करण उपाध्याय, पुत्र दीपक चंद उपाध्याय, निवासी 14-3-159/1, जोशीवाड़ी, गोशामहल, मेरा मूल विक्रय-पत्र (Sale Deed) दस्तावेज़ संख्या 2203/1988 S.R.O हैदराबाद (R.O.) 1607, मंगलहाट से अपने घर जाते समय खो गया है। यदि किसी को यह मिले, तो कृपया इस नंबर पर कॉल करें: 7842970535

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## नाबालिगों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर बीआरएस ने जताई चिंता

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार ने राज्य में नाबालिगों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने मौजूदा सरकार पर बच्चों से जुड़े मामलों में पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रवीण कुमार ने खम्मम में हाल ही में सामने आए एक मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शिकायत दर्ज कर उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार किया, जो सराहनीय है।

हालांकि उन्होंने पेट बशीराबाद में दर्ज एक अन्य मामले की जांच की प्रगति पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी जांच में अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने मामले से जुड़े सभी पक्षों से पूछताछ करने की मांग की। बीआरएस नेता ने कहा कि बच्चों और अभिभावकों के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने अच्छे और बुरे स्पर्श की जानकारी, बच्चों की सुरक्षा संबंधी शिक्षा तथा बाल सहायता हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 के व्यापक प्रचार पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से भी सतर्क रहने की अपील की और कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए परिवार और समाज दोनों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। प्रवीण कुमार ने कहा कि बच्चों से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बच्चों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे कदम अपराधों की रोकथाम में सहायक हो सकते हैं।

## टीजी आईसीईटी परिणाम में छात्राओं का दबदबा

### ऐश्वर्या रेड्डी को शीर्ष स्थान

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटीग्रेटेड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी आईसीईटी) 2026 के घोषित परिणामों में छात्राओं का दबदबा देखने को मिला। छात्राओं ने न केवल उत्तीर्णता प्रतिशत में छात्रों को पीछे छोड़ा, बल्कि परीक्षा में शीर्ष दो स्थान भी हासिल किए। हैदराबाद की अनुगु ऐश्वर्या रेड्डी ने 165.68 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। वहीं हैदराबाद की ही कोप्पोअल लिखिता ने 157.38 अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर हैदराबाद के श्री चरण रेड्डी मन्ने रहे। परिणामों की घोषणा तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकिस्ता रेड्डी, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय नालगोंडा के कुलपति प्रोफेसर ख्वाजा अल्ताफ हुसैन तथा परीक्षा संयोजक प्रोफेसर ए. रवि ने की।

आंकड़ों के अनुसार, 27,793 छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए 91.62 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की, जबकि 23,353 छात्रों की सफलता दर 90.74 प्रतिशत रही। परीक्षा में कुल 51,146 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 91.22 प्रतिशत सफल घोषित किए गए। प्रोफेसर बालकिस्ता रेड्डी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राज्य के 287 प्रबंधन महाविद्यालयों में उपलब्ध 40,601 सीटों में से 35,141 सीटों पर प्रवेश हुआ था। वहीं 80 कंप्यूटर अनुप्रयोग महाविद्यालयों में उपलब्ध 9,360 सीटों में से 5,420 सीटें भरी गई थीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न नियामक संस्थाओं के पास सीटों की स्वीकृति की प्रक्रिया अभी जारी है और आगामी शैक्षणिक सत्र में सीटों की संख्या में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

## यातायात कांस्टेबल से मारपीट का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में यातायात नियम उल्लंघन को लेकर हुए विवाद के दौरान एक यातायात कांस्टेबल से कथित मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यातायात कांस्टेबल श्रीशैलम ने गलत दिशा में वाहन चलाने के आरोप में एक कार को रोका था। कार में एक सहायक अभियंता और एक स्वास्थ्य अधिकारी के सहायक के सवार होने की बात कही जा रही है। बताया गया कि यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर पूछताछ के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में विवाद में बदल गई। कांस्टेबल का आरोप है कि विवाद के दौरान संबंधित व्यक्तियों ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और शारीरिक रूप से भी हमला किया। घटना के बाद कांस्टेबल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## खम्मम दुष्कर्म प्रयास पीड़िता से मिलीं मंत्री कोंडा सुरेखा

### परिवार को हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वन, पर्यावरण एवं धर्मादाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने गुरुवार को निम्स अस्पताल पहुंचकर खम्मम में दुष्कर्म के प्रयास का शिकार हुई नाबालिग पीड़िता का हालचाल जाना। गंभीर रूप से घायल बालिका का अस्पताल में उपचार चल रहा है। मंत्री ने पीड़िता के परिजनों से मुलाकात कर घटना के संबंध में जानकारी ली और परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि इस अमानवीय घटना के दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

कोंडा सुरेखा ने निम्स के निदेशक डॉ. राहुल देवराज से भी बातचीत कर बालिका के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों

को पीड़िता की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने पीड़िता के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की तथा भविष्य में किसी भी आवश्यकता के लिए सीधे संपर्क करने को कहा। साथ ही परिवार के सदस्यों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़िता और उसके परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है तथा न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

## निजाम सागर परियोजना में पिता और दो बच्चों के डूबने की आशंका

संगारेड्डी, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले की निजाम सागर परियोजना में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों के डूबने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने जलाशय में तलाश अभियान शुरू कर दिया है। लापता लोगों की पहचान जी कृष्ण (32), उनके नौ वर्षीय पुत्र रक्षित और छह वर्षीय पुत्री अनन्या के रूप में हुई है। कृष्ण कुछ वर्ष पहले पाटनचेरू में बस गए थे, लेकिन गर्मी की छुट्टियों में अपने माता-पिता के पास निजामपेट आया करते थे। बताया गया कि गुरुवार सुबह कृष्ण अपने दोनों बच्चों को लेकर निजाम सागर परियोजना घूमने गए थे। उन्होंने बच्चों के साथ एक पेड़ के नीचे बैठकर भोजन किया और कई तस्वीरें भी खिंचवाईं। बाद में बच्चों

के जलाशय के किनारे खेलने के दौरान उन्होंने उनके साथ कुछ सेल्फी भी लीं।

कृष्ण ने ये तस्वीरें अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को भी भेजी थीं। शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और वे उनकी तलाश में परियोजना स्थल पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर परिजनों को जलाशय के किनारे चप्पल, दोपहिया वाहन और अन्य सामान मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जलाशय में खोज अभियान शुरू कराया। समाचार लिखे जाने तक तीनों का पता नहीं चल सका था और उनकी तलाश जारी थी।

## राजा बाजार में बीच सड़क पर भिड़े पुलिसकर्मी और युवक,जांच में जुटी पुलिस

पटना, 12 जून (एजेंसियां)। राजा बाजार में बीच सड़क पर एक पुलिसकर्मी और युवक के बीच हुई तीखी झड़प और उठा-पटक का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। सामने आए इस वीडियो में घटना के दौरान लोग मूकदर्शक बने रहे। वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक खाकी वर्दीधारी और एक आम युवक के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में तब्दील हो गई। दोनों के बीच सड़क के बीचों-बीच काफी देर तक धक्का-मुक्की चलती रही।

इस हंगामे के चलते लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि, लोग मूकदर्शक बनकर पूरी घटना को देखते रहे और कुछ लोग इसका वीडियो बनाते नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जब स्थानीय पुलिस प्रशासन से संपर्क किया गया, तो शास्त्री नगर और हवाई अड्डा थाना के थानाध्यक्षों ने इस तरह के किसी भी विवाद की जानकारी होने से साफ इनकार कर दिया।

# जेवर एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी होगी बेहतर

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने 45 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लोकल कनेक्टिविटी को मजबूती प्रदान की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास से 45 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इन बसों से जेवर एयरपोर्ट तक सुविधा मिलेगी। गौतमबुद्ध नगर के लिए इलेक्ट्रिक बसों के फ्लैग ऑफ एवं नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नए भारत के नए उत्तरप्रदेश में आपको परिवर्तन देखने को मिल रहा होगा।

2017 के पहले प्रदेश में टूटी सड़कें,अराजकता पूर्ण माहौल, सुरक्षा का कोई पुरसाहाल नही,प्रदेश में चारो ओर अराजकता के वातावरण में नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ था। तब निवेश की बात उत्तरप्रदेश के लिए एक दिवास्वप्न था। 2017 के बाद का उत्त रप्रदेश वर्ल्ड क्लास रोड कनेक्टिविटी, एयर कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। आज उत्तर प्रदेश के 4 लाख

किलोमीटर का रोड नेटवर्क मौजूद है। यह परिवर्तन नौ वर्ष में डबल इंजन की सरकार ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी भगवान श्रीराम पुष्पक विमान से अयोध्या आये होंगे, लेकिन इसके बाद कभी अयोध्या वासियों को वायुसेवा प्राप्त नही हो पाई।

राम नगरी अयोध्या तो हजारों वर्षों तक उपेक्षित थी। देश की आजादी के बाद भी लगातार अयोध्या अपमानित थी। आज अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि को समर्पित एयरपोर्ट संचालित हो रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 45 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इनमें से 11 इलेक्ट्रिक बस लखनऊ में और 34 बस नोएडा में चलेंगी। पहले चरण में कुल 30-35 बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी। यूपीएसआरटीसी की 45 नई इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन को मजबूती देंगी। इनसे गौतमबुद्ध नगर में स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने प्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। सरकार का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण के साथ बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है नोएडा में इलेक्ट्रिक बस की सुविधा जेवर एयरपोर्ट तक मिलेगी। नोएडा के ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में भी इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ किया गया। सरकार का प्रयास शोर और धुएं से राहत देने के साथ स्वच्छ परिवहन की ओर बढ़ने का है। नोएडा में इलेक्ट्रिक बस डिपो के शुभारंभ से परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और दयाशंकर सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ थे।

## कोचिंग के दौरान छात्र गुटों के बीच बवाल, चाकूबाजी में एक छात्र ने तोड़ा दम

चंदौली, 12 जून (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र के प्रतापपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में कोचिंग पढ़ने आए किशोर सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया। इस बीच कोचिंग में अफरा - तफरी मच गई। आसपास के लोग जिला चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं छात्र की मौत के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इस बाबत पुलिस ने बताया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई चल रही थी। इसी बीच दो किशोर आपस में भीड़ गए।

लोग बीच बचाव करते कि एक किशोर चाकू निकालकर वार कर दिया। जानकारी होते ही पुलिस अस्पताल पहुंच गई। वहीं परिजनों को जानकारी होने के बाद रो रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जबकि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

# बिहार के उपमुख्यमंत्री को फोन पर मिली धमकी

## अपशब्द भी कहा; साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज

पटना, 12 जून (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर धमकी दी है। इसके दौरान उसने अपशब्द का भी प्रयोग किया है। इस घटना के संबंध में उपमुख्यमंत्री के आप्त सचिव की शिकायत पर पटना के साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री के मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री के नाम से एक पार्सल बुक किया गया है। जब उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने किसी भी पार्सल का ऑर्डर नहीं दिया है और वह इससे इनकार किए तो कॉल करने वाला शख्स उन्हें उलूलजुलूल बोलने लगा। उपमुख्यमंत्री विजेंद्र यादव लगातार यही कहते रहे कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार के सामान की बुकिंग नहीं की गई है, लेकिन फोन करने वाला व्यक्ति लगातार उग्र भाषा में बोलता रहा। तब उपमुख्यमंत्री ने बुकिंग की बात से इनकार करते हुए कहा कि वह कोई बुकिंग रिसीव नहीं करेंगे, तब कॉल करने वाला शख्स उपमुख्यमंत्री को गाली गलौज करने लगा। साथ ही उसने उपमुख्यमंत्री विजेंद्र यादव को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने लगा।

इस घटना के बाद सुरक्षा और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी देते हुए साइबर डीएसपी नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि आप्त सचिव के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उस संदिग्ध मोबाइल नंबर के तकनीकी इनपुट्स और सीडीआर को खंगाल रही है। डीएसपी ने बताया कि सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## अहमदाबाद से दिल्ली वाया लखनऊ जाने वाली उड़ान में बम की सूचना, एयरपोर्ट पर अलर्ट; यात्रियों को उतारा

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद से दिल्ली होते हुए लखनऊ आने वाली एक उड़ान में बम होने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियातन विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई और यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतारा जा रहा है। एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों, सीआईएसएफ और बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की गहन जांच की जा रही है। मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत विमान को अलग स्थान पर खड़ा कर निरीक्षण किया जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी भी जांच की जाती है।

फिलहाल बम की सूचना की सत्यता को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुटी हैं और जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए हैं। मामले में आगे की जानकारी आधिकारिक बयान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

# यूपी चुनाव पर पल्लवी पटेल की बड़ी भविष्यवाणी

## किस ओर इशारा? कहा- '2022 से ज्यादा बुरे नतीजे'

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहल सिराथू विधानसभा से विधायक डॉ। पल्लवी पटेल ने सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि बीजेपी ने सत्ता में बने रहने के लिए एसआईआर का सहारा लिया था, लेकिन इससे बीजेपी को ही बड़ा नुकसान हुआ है। पल्लवी पटेल का कहना है, उनका मकसद था कि एसआईआर के माध्यम से सत्ता में बने रहेंगे के लेकिन यह दांव यूपी में उल्टा पड़ गया। जानकारी के मुताबिक, युवा सपा नेता और गौती निवासी अब्दुल राफे के आवास पर आयोजित बैठक में पल्लवी पटेल ने क्षेत्रीय राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की मजबूती और जन समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। बैठक में गौती पुल से टांडा मार्ग के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। यह मार्ग कौशांबी जनपद की सिराथू विधानसभा और फतेहपुर जनपद की हुसैनगंज विधानसभा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने 2027 के चुनाव को लेकर कहा, यूपी से सीधा रास्ता दिल्ली का खुलता है। अन्य राज्यों में चुनाव जीतने की बीजेपी की जो भी नीति और प्रणाली रही हो, लेकिन उत्तर प्रदेश में 2022 में बीजेपी को बड़ी विफलता देखने को मिली। बीजेपी कोई भी ढोल बजा ले लेकिन उन्हें उत्तर प्रदेश में कोई लाभ नहीं मिलेगा, यहां एक बड़ा बदलाव आएगा। यूपी चुनाव 2027 में अपना दल (क) गठबंधन में लड़ेगी या अकेले? इस सवाल के जवाब में पल्लवी पटेल ने कहा कि इसका निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व लेगा। वह एक कार्यकर्ता के रूप में जनता के बीच में कार्य कर रही हैं। पल्लवी पटेल ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए यह दावा किया है कि बीजेपी सत्ता में बने रहने के अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए एसआईआर को हथियार बना रही थी।

## 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी 4 घंटे में दबोचा गया

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सादतगंज क्षेत्र में 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोपी 16 वर्षीय किशोर को घटना की सूचना दिए जाने के 4 घंटों के भीतर पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इस कथित दुष्कर्म के बारे में सूचना आपातकालीन हेल्पलाइन के जरिए प्राप्त हुई। पीड़िता की मां की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सादतगंज थाना पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के बयान के मुताबिक, पीड़िता को महिला पुलिसकर्मियों की निगरानी में तत्काल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी का पता लगाने के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। खोज अभियान के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि किशोर वजीरबाग नाले के पास है और भागने की फिराक में है। पुलिस ने कहा कि इस सूचना पर पुलिस ने वजीरबाग नाले के पास पहुंची और आरोपी किशोर को हिरासत में लिया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा।

## भांजे के हत्यारे मामा को मिली फांसी की सजा

गाजीपुर, 12 जून (एजेंसियां)। यूपी के गाजीपुर जिले में भांजे की हत्या मामले में कोर्ट ने 5 साल बाद मृतक के सगे मामा को मौत की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई के दौरान कुल 9 गवाह पेश किए गए। खास बात यह रही कि आरोपी अमजद की तीन बहनों और एक भाई ने भी अदालत में उसके खिलाफ गवाही दी। घटना अक्टूबर 2021 में जिले के गहमर थाना क्षेत्र के बारा गांव में हुई थी। अमजद खान ने 21 अक्टूबर 2021 को अपनी बहन के चार वर्षीय बेटे दानियाल की गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना के दिन अमजद कथित तौर पर नशे की हालत में घर पहुंचा था। उसकी बहन और भांजा पिछले करीब एक साल से उसके घर पर रह रहे थे। अमजद ने घर के आंगन में खेल रहे अपने भांजे दानियाल को कमरे में बुलाया और उसे पलंग पर लिटाने के बाद धारदार हथियार से उसका गला काट दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीणों ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया था। मामले में दानियाल के चाचा अरबाज खान की तहरीर पर 22 अक्टूबर 2021 को गहमर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। सहायक शासकीय अधिवक्ता अखिलेश सिंह ने बताया कि मामले की सुनवाई के दौरान कुल 9 गवाह पेश किए गए।

# रौशन आनंद की बेल पर टली सुनवाई

## खान सर के बॉडीगार्ड्स पर भी कोर्ट ने सुरक्षित रखा आदेश, अब इस दिन आएगा फैसला

पटना, 12 जून (एजेंसियां)। सिविल कोर्ट में शुक्रवार को खान सर फायरिंग मामले से जुड़े दो अहम मामलों पर सुनवाई हुई। एक तरफ ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद की जमानत याचिका पर बहस होनी थी, वहीं दूसरी ओर खान सर के दोनों निजी सुरक्षा गार्डों की बेल पर भी सुनवाई हुई। हालांकि दोनों मामलों में अंतिम फैसला नहीं हो सका। अब दोनों मामलों की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। रौशन आनंद की ओर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां जमानत याचिका दाखिल की गई थी। बाद में यह मामला ट्रांसफर होकर एडीजे-33 की अदालत में पहुंचा।

सुनवाई के दौरान विरोधी पक्ष की ओर से बहस नहीं की गई। उनके वकील ने टाइम पीटिशन दाखिल कर अतिरिक्त समय की मांग की। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई सोमवार के लिए तय कर दी। खान सर के दोनों निजी सुरक्षा गार्डों की जमानत याचिका पर मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अनुराग वर्मा की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पक्षकारों की दलीलें सुनी गईं। इसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जानकारी के मुताबिक, एक पक्ष के वकील की तबीयत अचानक खराब हो गई थी, जिसके कारण समय मांगा गया। अब इस मामले में भी सोमवार को स्थिति स्पष्ट हो सकती है। आर्म्स एक्ट और

हत्या के प्रयास के आरोपी फैसल खान उर्फ खान सर को कोर्ट से पहले ही राहत मिल चुकी है। पटना सिविल कोर्ट की ओर से उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई है। पटना सिविल कोर्ट से 'कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं' का आदेश दिया गया है। इसका मतलब यह होता है कि अदालत के अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाए। खान सर के वकील अरविंद कुमार मऊआर ने दावा किया है कि पूरे मामले में खान सर की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा है कि जो आरोप लगाए गए हैं, वे सुरक्षा गार्डों से जुड़े हुए हैं। उनके मुताबिक, हवाई फायरिंग से संबंधित जिस धारा के तहत कार्रवाई की गई है, वह जमानती प्रकृति की है। वकील ने कहा कि मामले को वास्तविकता से अधिक गंभीर बनाकर पेश किया जा रहा है। अरविंद मऊआर ने कहा कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी। उन्होंने दावा किया कि खान सर का नाम बाद में जोड़ा गया। साथ ही यह भी कहा कि गिरफ्तार गार्डों ने कहीं भी यह नहीं कहा कि उन्होंने खान सर के निर्देश पर फायरिंग की थी। वकील के अनुसार, जो बातें सामने आ रही हैं, वे केवल डिस्क्लोजर स्टेटमेंट का हिस्सा हैं।

# पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से स्मृति इरानी का नाम गायब

अमेठी, 12 जून (एजेंसियां)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद गड़बड़ियों के मामले सामने आने लगे हैं। गौरीगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत मेदन मवई में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन इरानी का नाम सूची में शामिल नहीं है, जबकि कई मृतकों के नाम अब भी दर्ज बताए जा रहे हैं। शाहगढ़ क्षेत्र की पनियार ग्राम पंचायत में 870 से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से गायब होने का मामला सामने आया है। मेदन मवई ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि तीरथराज मिश्र ने बताया कि स्मृति इरानी का नाम पंचायत मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए सभी आवश्यक अभिलेख समय से बीएलओ को उपलब्ध कराए गए थे।

इसके पर बावजूद उनका नाम सूची में नहीं जोड़ा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रभान सिंह, देवीबख्श, शिवमोहन, शिव बहादुर, मालती देवी, रामदुलारे, सुमन, राधा, रामकृपाल, रामपति और संतोष समेत कई मृतकों के नाम सूची में शामिल हैं, जबकि उनके नाम हटाने संबंधी दस्तावेज पहले ही जमा किए जा चुके थे एसडीएम प्रीति तिवारी ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित खंड विकास अधिकारी को जांच कर आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए गए हैं।

दावा-आपत्ति के आधार पर पात्र मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे और अपात्र व मृतक मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ल ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी का नाम विधानसभा मतदाता सूची में दर्ज है।

पंचायत मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवश्यक अभिलेख बीएलओ को दिए गए थे। इस संबंध में एसडीएम से वार्ता की गई है। उन्होंने आवश्यक सुधार का आश्वासन दिया है। शाहगढ़ की पनियार ग्राम पंचायत में भी मतदाता सूची को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछली सूची में 3,419 मतदाता थे, जबकि नई सूची में संख्या घटकर 2,546 रह गई है। करीब 870 मतदाताओं के नाम गायब हो गए हैं।

# ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, 3 एसएचओ समेत 4 लोगों की मौत

बेगूसराय, 12 जून (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। हादसे में कार में सवार सभी चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पर सवार तीन थाना प्रभारी और एक गाड़ी चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद अफरातफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार एवं सदर डीएसपी आनंद पांडेय सहित भारी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच 31 के पास की है। मृतकों की पहचान साजन पासवान रतवारा थाना प्रभारी, नीरज कुमार बेलारी थाना प्रभारी, ज्ञानेंद्र अमरेंद्र आरर थाना प्रभारी एवं ज्योतिष कुमार प्राइवेट कार चालक के रूप में की गई है। सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। बताया जा रहा है कि पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण लेकर एक ही गाड़ी पर सवार होकर मधेपुरा जिला लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गया और ट्रक से पीछे से टकरा गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि दो थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमर एवं नीरज कुमार और ड्राइवर नीरज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

जबकि एक थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में उसे जगह से उठाकर आनन फानन में सदर अस्पताल बेगूसराय लाया, जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर के बाद मौत हो गई। तीन पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों कि मौत की खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई।

## गनप्वाइंट पर बहू से कई बार रेप पति ने फोन पर दिया तीन तलाक

बहराइच, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक गंभीर मामला सामने आया है। लखनऊ की रहने वाली एक महिला ने अपने ससुर पर देशी तमंचे के बल पर कई बार रेप करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि जब उसने इसका विरोध किया तो ससुराल पक्ष ने उसका साथ देने के बजाय उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, विवाद बढ़ने के बाद उसके पति ने फोन पर तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी वर्ष 2023 में हुई थी।

शादी के बाद उसका पति काम के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहता था। इसी दौरान उसके ससुर ने उसका फायदा उठाया और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि आरोपी ससुर उसे देशी तमंचा दिखाकर डराता था और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था।

# जूनियर के अंडर तैनाती मिलने से खफा इंस्पेक्टर ने दिया इस्तीफा

कानपुर, 12 जून (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट में ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर विभाग में अब असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। विभाग के भीतर लंबे समय से चल रही नाराजगी उस समय सार्वजनिक हो गई जब साइबर थाने में तैनात एक इंस्पेक्टर ने कथित तौर पर अपने जूनियर अधिकारी के अधीन काम करने पर आपत्ति जताते हुए इस्तीफा सौंप दिया। इस घटना के बाद कानपुर कमिश्नरेट पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है और ट्रांसफर पोस्टिंग की प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक साइबर थाने में तैनात इंस्पेक्टर विनय शर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उनकी तैनाती विभागीय नियमावली के अनुरूप नहीं की गई है। उनका दावा है कि जिस थाना प्रभारी के अधीन उन्हें कार्य करना पड़ रहा है, वह सेवा में उनसे जूनियर हैं। ऐसे में उन्हें एक वरिष्ठ अधिकारी होते हुए जूनियर के अधीन काम करना पड़ रहा है, जो नियमों और परंपराओं के विपरीत है, और वो ऐसे में अपना ड्यूटी कर्तव्य निभाने में असमर्थ है । इंस्पेक्टर विनय शर्मा का कहना है कि वह वर्ष 2005 बैच के अधिकारी हैं, जबकि साइबर थाने के वर्तमान प्रभारी वर्ष 2010-13 बैच से जुड़े हैं। उनका तर्क है कि विभागीय व्यवस्था में वरिष्ठता का सम्मान होना चाहिए और पोस्टिंग करते समय सेवा क्रम का ध्यान रखा जाना चाहिए। इंस्पेक्टर विनय शर्मा ने ऐसे में सवाल उठाया कि जब वह वरिष्ठ हैं तो जूनियर अधिकारी के आदेशों का पालन कैसे कर सकते हैं। इस मामले के सामने आने के बाद विभाग के अन्य पुलिसकर्मियों की नाराजगी भी अब खुलकर सामने आने लगी है। कुछ अन्य अधिकारियों ने भी लिखित रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा है कि उन्हें ऐसी जगहों पर तैनात किया गया है जहां उन्हें अपने जूनियर अधिकारियों के अधीन कार्य करना पड़ रहा है। कई पुलिसकर्मियों ने खुद को वर्तमान तैनाती स्थल से हटाकर अन्यत्र नियुक्त किए जाने की मांग की है।

## अखिलेश यादव की बेटी अदिति पर अभद्र टिप्पणी: घोसी में भड़के सपाई, ट्रोल्स के खिलाफ दी कड़ी कार्रवाई की तहरीर

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। मऊ जिले की घोसी कोतवाली में सपा नेता सुजीत सिंह ने तहरीर देते हुए सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र से दिवंगत सपा विधायक स्व। सुधाकर सिंह के पुत्र व घोसी ब्लॉक के पूर्व ब्लाक प्रमुख सुजीत सिंह द्वारा घोसी कोतवाली में तहरीर दी गई।

इस तहरीर में सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## हाईवे पर कार से उतरे केंद्रीय मंत्री के रिश्तेदार को बस ने रौंदा

इंदौर, 12 जून (एजेंसियां)। गुरुवार की देर रात को एक बड़ा हादसा हो गया। जब कार से उतरे एक युवक को बस में रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह हादसा गुरुवार देर रात 11 बजे शिप्रा थाना क्षेत्र में हुआ। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले तीन युवक कार से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान प्रशांत सिंह नामक युवक शिप्रा थाना क्षेत्र में कार से उतरा, तभी तेज रफ्तार से आ रही यात्री बस ने उसे टक्कर मार दी।

हादसे के बाद युवक को को टक्कर मारने वाला चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है ।

शिप्रा थाना क्षेत्र में हुए हादसे में मारे गए प्रशांत सिंह के केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह का रिश्तेदार होने की जानकारी मिलते ही भाजपा के तमाम नेता और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और तमाम वैधानिक कारवाइयां जारी है। वहीं, पुलिस मामला दर्ज कर वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है।

# अमरनाथ यात्रा से पहले हाई अलर्ट

## बाबा बर्फानी के दर्शन होंगे सुरक्षित, गृह मंत्री शाह ने की उच्चस्तरीय बैठक

जम्मू, 12 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और संचालन संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है, जिसके मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासन व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, सीआरपीएफ महानिदेशक जीपी। सिंह सहित कई वरिष्ठ सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। 57 दिनों तक चलने वाली यह पवित्र यात्रा हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा तक पहुंचती है।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे और कठिन बालटाल मार्ग का उपयोग करेंगे। अधिकारियों के अनुसार यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए आधुनिक निगरानी तकनीक, खुफिया तंत्र और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत किया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अत्याधुनिक जांच और एंटी-सबोटाज उपकरण तैनात किए हैं। इनमें पोर्टेबल आरसीआईईडी जैमर, डीप सर्च मेटल डिटेक्टर, विस्फोटक पहचान उपकरण, सीसीटीवी सिस्टम और अन्य विशेष सुरक्षा उपकरण शामिल हैं। यात्रा मार्ग पर काम करने वाले श्रमिकों और विक्रेताओं के सत्यापन के लिए पुलिस ने क्यूआर कोड आधारित 'पहचान ऐप' भी शुरू किया है।

इस ऐप के जरिए कर्मचारियों और व्यापारियों का डिजिटल सत्यापन किया जाएगा जिससे सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, किरायेदार सत्यापन अभियान, आवास केंद्रों की जांच और खुफिया जानकारी जुटाने की गतिविधियों को भी तेज कर दिया गया है।

सीआरपीएफ जो अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है, वे अपनी तैयारियों की व्यापक समीक्षा की है। सीआरपीएफ महानिदेशक जी।पी। सिंह ने हाल ही में कश्मीर घाटी का दौरा कर बालटाल मार्ग और बेस कैंप की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए सुरक्षा बलों, प्रशासन और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच लगातार समन्वय स्थापित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

## पूर्व विधायक राममूर्ति गमांगो का निधन, पत्नी की हत्या में काट रहे थे उम्रकैद

भुवनेश्वर, 12 जून (एजेंसियां)। रायगढ़ा जिले के गुणुपुर के पूर्व विधायक राममूर्ति गमांगो का निधन हो गया है। निधन के समय उनकी आयु 76 वर्ष थी। वह वर्ष 1990 से 1995 तक जनता दल के टिकट पर विधायक रहे थे। इसके बाद बीजद-भाजपा गठबंधन के दौर में वर्ष 2000 से 2005 तक भाजपा से विधायक निर्वाचित हुए थे। बाद के वर्षों में उन्होंने कई बार दल बदला और अंततः बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हो गए। पत्नी हत्या मामले में भुवनेश्वर की विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

राममूर्ति गमांगो उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे। मधुमेह की गंभीर स्थिति के कारण उन्हें दो दिन पहले एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को उन्हें कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थानांतरित किया गया। परिजनों के अनुसार शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे अस्पताल में उनका निधन हो गया।

# तेजस फाइटर जेट प्रोजेक्ट में फर्जीवाड़ा

## हैदराबाद की सप्लायर कंपनी को किया गया ब्लैकलिस्ट, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे महत्वपूर्ण स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम 'तेजस एमके1ए' फाइटर जेट को लेकर बेहद गंभीर मामला सामने आया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने हैदराबाद की एक सप्लायर कंपनी पर लड़ाकू विमान के पार्ट्स से जुड़ी 199 फर्जी टेस्ट रिपोर्ट जमा करने का बड़ा आरोप लगाया है। मामले का खुलासा होने के बाद एचएएल ने कंपनी के खिलाफ एक्शन लेते हुए एफआईआर दर्ज कराई है,

साथ ही उसे 3 साल के लिए ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के मुताबिक, हैदराबाद स्थित 'टीईसी एयरो डिवाइसेस' कंपनी को मार्च 2022 से तेजस फाइटर जेट प्रोग्राम के लिए अलग-अलग पार्ट्स (कंपोनेंट्स) की सप्लाई के लिए 18 परचेज ऑर्डर दिए गए थे। कंपनी ने इन पार्ट्स की क्वालिटी साबित करने के लिए सैंपल और टेस्ट रिपोर्ट भी जमा करवाई थी। इसके आधार पर ही उसे 35 तरह के पार्ट्स बनाने की मंजूरी दी गई। कंपनी की यह धोखाधड़ी तब पकड़ में आई जब एचएएल ने एक नियमित क्वालिटी वेरिफिकेशन के दौरान कंपनी से टेस्ट रिपोर्टों की ओरिजिनल कॉपियां मांगी।

एचएएल ने पार्ट्स की मजबूती और क्वालिटी से जुड़े कई अहम टेस्ट (जैसे- टेन्साइल स्ट्रेंथ, हार्डनेस, और शियर टेस्ट) से जुड़ी मूल रिपोर्ट मांगी थी, जिसे सप्लायर कंपनी दे नहीं सकी। बाद में, एचएएल ने जब थर्ड-पार्टी टेस्टिंग एजेंसी 'एक्सिस इंस्पेक्शन सॉल्यूशंस' का ऑडिट किया, तो बड़ा सच सामने आया। जांच के दौरान पता चला कि फरवरी 2023 से सितंबर 2023 के बीच जमा की गई सभी 199 रिपोर्ट फर्जी थीं। टेस्टिंग एजेंसी के नाम और लेटरहेड का गलत इस्तेमाल करके ये जाली दस्तावेज तैयार करवाए गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड हरकत में आई और उसने देश की सुरक्षा और 'मेक इन इंडिया' अभियान के साथ खिलवाड़ करने वाली इस कंपनी के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। पहला, सप्लायर कंपनी 'टीईसी एयरो डिवाइसेस' को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। साथ ही कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराते हुए एफआईआर कराई गई है। राहत की बात यह रही कि एचएएल की ओर से इस सप्लायर कंपनी को अब तक कोई भी भुगतान नहीं किया गया था।

तेजस एमके1ए भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का सबसे आधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान है। रक्षा के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद ही अहम माना जाता है। यही वजह है कि वायुसेना के विमानों की सुरक्षा और गुणवत्ता से जुड़े किसी भी फर्जीवाड़े को रक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती माना जा रहा है।

## जज ने टिंडर पर किया राइट स्वाइप, गंवाए 52 लाख; न्यायिक अधिकारी के आचरण पर अदालत ने किए तीखे सवाल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने टिंडर के जरिए हुई दोस्ती और 52.81 लाख रुपये की ठगी के एक मामले में बड़ा खुलासा किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने न केवल आरोपी दीपक वत्स की जमानत याचिका खारिज कर दी, बल्कि मामले की जांच एजेंसी और हरियाणा में तैनात एक महिला न्यायिक अधिकारी के आचरण पर भी तीखे सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि ई-एफआईआर घरेलू सहायिका के नाम पर दर्ज कराई गई थी, जबकि वास्तविक पीड़िता हरियाणा की न्यायिक अधिकारी हैं। कोर्ट ने टिप्पणी की कि एक न्यायिक अधिकारी, जिससे कानून के प्रति पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है, ने खुद सामने आने के बजाय अपनी घरेलू सहायिका के नाम से शिकायत दर्ज कराई। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा, रिकॉर्ड से दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ संबंधों के संकेत मिलते हैं और यह मामला उन साइबर अपराधों जैसा प्रतीत होता है जिन्हें आमतौर पर हनी ट्रैप कहा जाता है। सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी जताई।

## केरलम की दुर्दशा राज्य सरकार के लिए आत्मचिंतन का विषय : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम, 12 जून (एजेंसियां)। केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए प्रदेश की आर्थिक दुश्वारियों का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि एक तरफ जहां हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बता रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ केरल में आर्थिक चुनौतियां अपने चरम पर पहुंच चुकी है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि अब इस सरकार को समझ नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए।

इस सरकार की कार्यशैली से यह साफ जाहिर हो रहा है कि राज्य सरकार को सूबे की जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मुझे एक बात समझ नहीं आ रही है कि जब राज्य सरकार को पता है कि हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, तो फिर ये लोग क्यों जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं। मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि सिर्फ वादे करने से काम नहीं चलता है, आपको इन वादों को धरातल पर उतरकर पूरा करना होगा, तभी जाकर स्थिति सामान्य हो पाएगी।

केरलम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि जब मैं 2025 में केरल आया था, तो मैंने मीडिया से अपील की थी कि आप लोग इन राजनीतिक दलों के ड्रामेवाजी को कवर करने में अपनी समय और ऊर्जा लगाते हैं। लिहाजा, आप लोगों से अपील है कि आप लोग उन मुद्दों को कवर करने में थोड़ा समय लगाइए, जो सीधे पर जनता के हितों को प्रभावित करते हैं, जिसमें प्रमुख रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषय शामिल हैं, क्योंकि आज की तारीख में सच्चाई यह है कि सूबे की जनता की विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझ रही है।

लेकिन, अफसोस की बात है कि इन समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त नहीं किया जा रहा है। इस वजह से प्रदेश की स्थिति ऐसी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमारे मुख्यमंत्री ने सभी क्षेत्रों का निजीकरण करने पर बल दिया है। ऐसी स्थिति में मेरा सीधा सा सवाल है कि अगर आप सभी का निजीकरण कर देंगे, तो ऐसी स्थिति आम लोगों का क्या होगा? उन लोगों का क्या होगा, जो आर्थिक रूप से उतने सक्षम नहीं है कि वो अपने खर्चे का वहन कर सके।

# ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

## पुलिस को देखकर चौथी मंजिल से कूदी विदेशी महिला, मौत

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के स्वरूप नगर में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड (एएनएस) ने अवैध मेथामफेटामाइन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और ड्रग्स के कच्चे माल के गोदाम का खुलासा किया है। इस कार्रवाई के दौरान एक विदेशी महिला की चौथी मंजिल से कूदने के कारण मौत हो गई। नॉर्थ जिले के डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई बुराड़ी थाने में दर्ज एक एफआईआर की जांच के दौरान मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर की गई। जांच में पुलिस ने फ्रैंक डैशमंड नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम स्वरूप नगर स्थित एक इमारत तक पहुंची।

सबसे पहले पुलिस ने इमारत की तीसरी मंजिल पर छापेमारी कर रोमियो उर्फ स्काई को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 30 ग्राम एमडीएमए और 1.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस टीम इमारत की चौथी मंजिल पर पहुंची, जहां दो अलग-अलग फ्लैटों में अफ्रीकी मूल के नागरिक रह रहे थे। पुलिस जब चौथी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में पहुंची, तो वहां स्टेला पीयूस नाम की विदेशी महिला मौजूद थी। पुलिस टीम को देखकर वह घबरा गई और अचानक फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गई। गंभीर रूप से घायल महिला को बुराड़ी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसी दौरान पुलिस ने चौथी मंजिल के दूसरे फ्लैट में रहने वाले मार्टिन आरोन नामक अफ्रीकी नागरिक की तलाशी ली। उसके पास से एक चाबी बरामद हुई। जांच के दौरान पता चला कि यह चाबी मृतका स्टेला पीयूस के फ्लैट के एक बंद कमरे की थी। जब पुलिस ने उस कमरे का ताला खोला तो अंदर का दृश्य देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। कमरे में भारी मात्रा में केमिकल, बीकर, पाइप, इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग मशीनें, बोरियां और अन्य उपकरण रखे हुए थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि इस स्थान का उपयोग मेथामफेटामाइन और एमडीएमए टैबलेट बनाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस को मौके से तैयार ड्रग्स, कच्चा माल और ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले हैं।

## 'देश को बचाने के लिए कांग्रेस जरूरी', नाना पटोले की दो टूक- यह बात सभी को समझ आ गई है

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्र सरकार पर दिल्ली दौरे से पहले निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है। देश को कांग्रेस ही बचा सकती है और ये बात विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दलों को समझ आ गई है इसलिए वो कांग्रेस के साथ आ रही हैं। दिल्ली में कांग्रेस की सभी राज्य इकाइयों के प्रमुखों की बैठक चल रही हैं।

पार्टी आलाकमान ने राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख नाना पटोले को इस बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया है। इस बुलावे के बाद नाना पटोले दिल्ली जाने वाले हैं, लेकिन उनके इस दौरे से पहले उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए। नाना पटोले से सवाल किया गया कि तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) के कांग्रेस पार्टी में विलय की खबरें हैं और ऐसा ही कुछ एनसीपी को लेकर भी चर्चा है। इसपर नाना पटोले ने कहा, एनसीपी की ओर से यह प्रस्ताव पहले से ही मौजूद था। पहले ही सबको लगता है कि जिस तरह से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है,

## अजित पवार की विरासत से आगे बढ़ीं सुनेत्रा पवार

# एनसीपी नेताओं को दी स्पष्ट चेतावनी

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 27वें स्थापना दिवस पर सुनेत्रा पवार का भाषण केवल एक औपचारिक संबोधन नहीं था, बल्कि पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व की नई दिशा का संकेत भी माना जा रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में संकेत दिया कि अब संगठन में जवाबदेही तय होगी और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजनीतिक हलकों में उनके इस रुख को पार्टी के भीतर अपनी पकड़ मजबूत करने और नेतृत्व को अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

यह भी माना जा रहा है कि वह अब केवल एक भावनात्मक चेहरे के रूप में नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली नेता के रूप में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। एनसीपी के स्थापना दिवस समारोह में सुनेत्रा पवार ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए काम करने वालों को परिणाम देने होंगे और संगठन के हितों के खिलाफ जाने वाले कदमों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनके भाषण से यह स्पष्ट संकेत मिला कि पार्टी के भीतर

प्रदर्शन और अनुशासन को प्राथमिकता दी जाएगी। इसे नेतृत्व शैली में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अपने संबोधन में सुनेत्रा पवार ने कहा कि वह संगठन के हित में कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगी।

उन्होंने अजित पवार की कार्यशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत रखने के लिए कई बार कड़े निर्णय आवश्यक होते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बयान के जरिए उन्होंने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब संगठनात्मक अनुशासन से समझौता नहीं किया जाएगा। सुनेत्रा पवार ने अपने भाषण में विभाजनकारी राजनीति और जातिगत खेमेबंदी के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली सार्वजनिक बयानबाजी या अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनके इस बयान को पार्टी के भीतर संभावित असंतोष और गुटबाजी को नियंत्रित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अब तक वह संगठन की परिस्थितियों को समझ रही थीं, लेकिन आगे नेतृत्व को चुनौती देने वाली गतिविधियों पर सख्त रुख अपनाया जाएगा। अपने भाषण में सुनेत्रा पवार ने शहरी क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से शहरों में पार्टी का ढांचा मजबूत करने की अपील की। माना जा रहा है कि बदलते राजनीतिक और जनसंख्या समीकरणों को देखते हुए एनसीपी अब केवल ग्रामीण आधार पर निर्भर रहने के बजाय शहरी मतदाताओं के बीच भी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। यह पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

## 'सयोनी घोष के बागी होने पर महुआ मोइत्रा इमोशनल कहा- 'वो मेरी बच्ची जैसी, बेवफा नहीं हो सकती'

कोलकाता, 12 जून (एजेंसियां)। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर मची राजनीतिक उथल-पुथल को लेकर ममता बनर्जी की करीबी और सांसद महुआ मोइत्रा का दर्द छलका है। जादवपुर से पार्टी की युवा सांसद सयोनी घोष के बागी गुट में शामिल होने को लेकर महुआ बेहद भावुक दिखीं और अब वो घोष के बचाव में उतरी हैं। महुआ ने सयोनी का जिक्र करते हुए कहा कि उनके जाने से मुझे व्यक्तिगत तौर पर बहुत गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि योग्यता और कड़ी मेहनत मायने रखती है, लेकिन वफादारी बहुत जरूरी है। कुछ चीजों ने मुझे बहुत आहत किया है। वो (सयोनी) मेरी बच्ची जैसी है, मेरी बहन जैसी है। अगर कोई और पार्टी छोड़ता तो मुझे कोई दर्द नहीं होता। वह मेरी बेटी की उम्र की है और मैं उसी तरह उसे प्यार करती हूं। महुआ ने सयोनी को सब से अलग बताया। उन्होंने कहा कि मैं इस बात की गारंटी ले सकती हूं कि वह कोई बेवफा या फायदा उठाने वाली इंसान नहीं है। उसे पैसों में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि वह काफी सादा जीवन जीती है और हमेशा काम करती रहती है।

महुआ ने सयोनी की काबिलियत की तारीफ करते हुए कहा कि वह जीरो से उठकर यहां तक पहुंची है। वो बेहद दयालु इंसान है। सयोनी के टीएमसी से बगावत पर महुआ ने कहा कि इसके पीछे डर एक बड़ी वजह हो सकती है। शायद यह डर और अन्य चीजों का मिला-जुला परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे नहीं पता कि असल बात क्या है, लेकिन ऐसे लोगों को मेरी सलाह यही है कि मैं जानती हूं कि आप डरे हुए हैं, लेकिन जब तक हम डर पर जीत हासिल नहीं करते, हम कुछ नहीं जीत सकते। सबकी अपनी किस्मत होती है, लेकिन मेरी उसे यही सलाह होगी कि डर पर काबू पाओ, आगे अभी बहुत जिंदगी पड़ी है।

# पहले बच्चे को मारा फिर खुद की आत्महत्या की कोशिश

## केरल हाईकोर्ट ने पलटा फैसला, महिला को किया बरी

कोच्चि, 12 जून (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने एक महिला को बड़ी राहत दी है। दरअसल महिला को 2016 में अपने 15 महीने के बच्चे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली थी। अदालत ने कहा कि घटना के समय महिला गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही थी और उसने आत्महत्या की भी कोशिश की थी। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम को लागू करते हुए बरी कर दिया है। यह कानून आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति को मानसिक तनाव की स्थिति में मानता है और सजा से सुरक्षा भी देता है।

यह अधिनियम, 2018 में लागू हुआ था, पहले केरल उच्च न्यायालय द्वारा पूर्वव्यापी प्रभाव वाला माना गया था। मौजूदा मामले में, उच्च न्यायालय ने कहा कि जब 2021 में मुकदमा शुरू हुआ था तब यह अधिनियम लागू था और इसलिए, सत्र न्यायालय को इसे ध्यान में रखना चाहिए था। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और केवी जयकुमार की पीठ ने कहा कि महिला ने पैरासिटामोल की गोलियों की काफी मात्रा का सेवन करके आत्महत्या करने का प्रयास किया था। उसने अपनी कलाई पर किसी नुकीली वस्तु से चोटें पहुंचाई थीं। इसके साथ ही इस काम को

अंजाम देने से पहले एक आत्महत्या नोट भी लिखा था जिससे पता चलता है कि वह गंभीर मानसिक तनाव में थी। अदालत ने कहा, 'पहली नजर में यह परिस्थितियां आत्महत्या के प्रयास के आरोप से संबंधित ठोस सबूत थीं। हालांकि, अभियोजन पक्ष को ज्ञात कारणों से आईपीसी की धारा 309 (आत्महत्या का प्रयास) के तहत आरोप को साबित करने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया।'

अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि आरोपी को आईपीसी की धारा 309 के तहत अपराध से बरी कर दिया गया था, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 की धारा 115 के तहत परिकल्पित वैधानिक अनुमान वर्तमान मामले के तथ्यों पर लागू नहीं होगा। उच्च न्यायालय ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि निचली अदालत के समक्ष बहस के दौरान अभियोजन पक्ष ने स्वयं आईपीसी की धारा 309 के तहत आरोप को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाया था। कोर्ट ने कहा 'हम आगे पाते हैं कि आईपीसी की धारा 309 के तहत अपीलकर्ता की रिहाई इस सकारात्मक निष्कर्ष पर आधारित नहीं थी कि आत्महत्या का प्रयास नहीं किया गया था। इसमें कहा गया है, 'हमारे विचार में, ऐसा दृष्टिकोण कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।' पीठ ने कहा कि सत्र न्यायाधीश द्वारा अपनाया गया यह तर्क कि आईपीसी की धारा 309 के तहत अपराध केवल इसलिए लागू नहीं होता क्योंकि कलाई और कोहनी पर लगी चोटें मौत का कारण बनने के लिए पर्याप्त नहीं थीं।

यह मान्य नहीं किया जा सकता। इसमें कहा गया है, 'आईपीसी की धारा 309 का फोकस प्रयास और उसे अंजाम देने के लिए किए गए कृत्यों पर है, न कि चोटों की अंतिम गंभीरता या घातक क्षमता पर।' उच्च न्यायालय ने महिला की अपील स्वीकार कर ली और उसकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया। उस महिला ने सत्र न्यायालय के नवंबर 2023 के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें उसे फरवरी 2016 में अपने बच्चे की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

## दलाई लामा के हेल्थ को लेकर बड़ा अपडेट, बाएं घुटने की सर्जरी रही सफल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की सफल रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी मिल गई है। दलाई लामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ। राजेश मल्होत्रा के अनुसार, दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार (8 जून) को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्हें शुक्रवार, यानी 12 जून को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

## थाईलैंड की 'स्लीपिंग प्रिंसेज' देब्यावती नहीं रहीं, 47 साल की उम्र में ली आखिरी सांस 3 साल से कोमा में थीं

बैंकॉक, 12 जून (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजकुमारी बज्रकीतिआभा नरेंद्र देब्यावती का 47 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे पिछले तीन साल से ज्यादा समय से कोमा में थी, जिसके चलते उन्हें स्लीपिंग प्रिंसेज भी कहा जाने लगा था। दिसम्बर 2022 में अपने कुत्तों को टहलाते समय वह अचानक गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों ने बताया था कि ऐसा दिल की धड़कन के बहुत ज्यादा अनियमित होने की वजह से हुआ था। इसके बाद से वे कोमा में थीं। बज्रकीतिआभा को थाईलैंड के शाही परिवार की सबसे कामयाब और जानी-मानी सदस्य के रूप में देखा जाता था, जो उत्तराधिकार की रेस में सबसे आगे थीं। वे राजा महा वजिरालोंगकोर्न की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। उनका जन्म 7 दिसम्बर को 1978 को राजा की पहली पत्नी राजकुमारी सोमसावली से हुआ था।

# सामने आई अमेरिका-ईरान समझौते की 14 शर्तें

## युद्ध खत्म करना, फंड रिलीज और तेल प्रतिबंध हटाना

वॉशिंगटन , 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते की शर्तों का खुलासा हुआ है। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने ईरानी वार्ता टीम के करीबी सूत्र के हवाले से जानकारी दी है। हालांकि इन शर्तों की अभी तक ईरान या अमेरिका ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक, समझौते का ड्राफ्ट अभी फाइनल नहीं हुआ है, इसे ईरान के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिलना बाकी है। मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ड्राफ्ट में कुल 14 अहम पॉइंट्स शामिल हैं। सबसे पहले सभी मोर्चों पर युद्ध को तुरंत और स्थायी रूप से खत्म करने की बात कही गई है। इसमें लेबनान में चल रहा संघर्ष भी शामिल है। ड्राफ्ट के मुताबिक, अमेरिका ईरान के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देखा और उसकी संप्रभुता का सम्मान करेगा। साथ ही अमेरिका को 30 दिनों के भीतर नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और ईरान के आसपास तैनात अपनी सैन्य मौजूदगी भी कम करनी होगी।

समझौते में यह भी प्रस्ताव है कि होर्मुज स्ट्रेट को 30 दिनों के भीतर फिर से खोला जाएगा। इसका संचालन ईरान की निगरानी में होगा।

इसके अलावा ईरानी तेल पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को भी हटाने या निलंबित करने की बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ईरान के पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर की योजना तैयार करनी होगी। इसके साथ ही दोनों देश 60 दिन तक बातचीत करेंगे ताकि परमाणु कार्यक्रम और सभी आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने से जुड़े मुद्दों पर अंतिम समझौता हो सके। मसौदे में ईरान ने फिर से यह वादा किया है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। बदले में अमेरिका बातचीत के दौरान क्षेत्र में अपनी सैन्य ताकत नहीं बढ़ाएगा और ईरान पर कोई नया प्रतिबंध भी नहीं लगाएगा। समझौते के तहत ईरान के 24 अरब डॉलर का फ्रीज फंड रिलीज करने का भी प्रस्ताव है। साथ ही समझौते के पालन की निगरानी के लिए एक विशेष तंत्र बनाया जाएगा। अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दिलाने की भी योजना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतिम वार्ता तब तक शुरू नहीं होगी, जब तक ईरान के आधे फंड जारी नहीं कर दिए जाते।

तेल प्रतिबंधों को सस्पेंड नहीं किया जाता और नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाई जाती। एक अहम बात यह है कि इस मसौदे में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय सशस्त्र संगठनों को उसके समर्थन के मुद्दे को बातचीत से पूरी तरह बाहर रखा गया है। दूसरी ओर, इजराइल ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह लेबनान के दक्षिणी हिस्से में अपना सैन्य अभियान जारी रखेगा, जबकि अप्रैल में हुआ युद्धविराम लगभग बेअसर हो चुका है। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की सफलता काफी हद तक लेबनान की स्थिति पर निर्भर करेगी। हिजबुल्लाह लगातार मांग कर रहा है कि इजराइली सेना लेबनान से पूरी तरह वापस जाए।

## बाघ के बेहद नजदीक गई जिप्सी... पर्यटक सहमे वीडियो हुआ वायरल; डीएफओ ने की कार्रवाई

रामनगर, 12 जून (एजेंसियां)। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के फाटो जोन में सफारी के दौरान एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में जिप्सी चालक बाघ के काफी नजदीक जिप्सी को ले गया। इसके चलते पर्यटकों में भी डर का माहौल रहा। साथ ही बाघ भी चौंकता हुआ दिखाई दे रहा है। गनीमत रही कि बाघ ने पर्यटकों पर हमला नहीं किया। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद डीएफओ ने जिप्सी और जिप्सी चालक दोनों को बैन कर दिया है।

## महिला ड्रेस कोड को लेकर विरोध-प्रदर्शन में बल प्रयोग दो लोगों की मौत पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

जिनेवा, 12 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में महिलाओं पर लगाए गए सख्त ड्रेस कोड को लेकर हो रहे प्रदर्शनों पर बल प्रयोग को लेकर संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने चिंता जताई। इन प्रदर्शनों में एक लड़के समेत दो लोगों की मौत हो गई और बीस से ज़्यादा लोग घायल हो गए। विशेषज्ञों के अनुसार, ये प्रदर्शन इसलिए शुरू हुए क्योंकि 6 और 7 जून को अफगानिस्तान के हेरात शहर में कई महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया गया था। विशेषज्ञों ने कहा, "कानून लागू कराने के दौरान बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बहुत सीमित परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। यह तभी जायज है जब यह कानूनी हो, जरूरी हो और जितना जरूरी हो उतना ही हो, और इसमें अधिकारियों या दूसरों के लिए खतरे के अनुपात में हो।

साथ ही इसमें सावधानी, भेदभाव न होना और जवाबदेही जैसे सिद्धांतों का पालन होना चाहिए।" उन्होंने कहा, "अफगानिस्तान में मौजूदा सत्ता के तौर पर तालिबान को उन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समझौतों का पालन करना चाहिए जिनका अफगानिस्तान हिस्सा है, जैसे कि नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय अनुबंध, यातना के खिलाफ संधि और महिलाओं के खिलाफ सभी तरह के भेदभाव को खत्म करने वाली संधि।

" विशेषज्ञों ने बताया कि 9 जून को हेरात में लोग सड़कों पर उतरे और लगातार बढ़ते 'कठोर प्रतिबंधों' तथा महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिए जाने का विरोध किया। आरोप है कि तालिबान के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई और उनकी पिटाई भी की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण हिरासत में लेना बेहद चिंताजनक है और यह गैरकानूनी हिरासत हो सकती है, क्योंकि इससे उनके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लैंगिक भेदभाव से मुक्त रहने के अधिकार का उल्लंघन होता है। विशेषज्ञों ने तालिबान से मांग की कि वे इस पूरे मामले की तुरंत, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराएं, खासकर बल प्रयोग के मामलों की। उन्होंने कहा, "समानता, शांतिपूर्ण सभा, अभिव्यक्ति और आवाजाही की स्वतंत्रता, और गैरकानूनी हिरासत से सुरक्षा जैसे अधिकार बहुत जरूरी हैं।

## हैंडिकैप्ड सर्टिफिकेट बनवाने का मामला, 44 हजार की रिश्वत लेते सीएमओ कार्यालय का ड्राइवर काबू

जींद, 12 जून (एजेंसियां)। जींद में नागरिक अस्पताल में हैंडिकैप्ड (दिव्यांग) सर्टिफिकेट बनवाने की आड़ में रिश्वत लेने के आरोप में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) सिरसा की टीम ने सीएमओ कार्यालय के ड्राइवर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जगदीश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने एसीबी को शिकायत दी थी कि हैंडिकैप्ड सर्टिफिकेट बनवाने के लिए उससे 44 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के तहत शिकायतकर्ता ने नागरिक अस्पताल के मुख्य गेट के पास स्थित वीटा बूथ के नजदीक आरोपी को रिश्वत की राशि दी। राशि लेते ही शिकायतकर्ता ने टीम को संकेत दिया, जिसके बाद एसीबी अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आरोपी जगदीश को रंगे हाथों दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से रिश्वत के 44 हजार रुपये भी बरामद कर लिए गए।

## दबाव में झुका बांग्लादेश?: भगवान राम की विशाल प्रतिमा परियोजना पर लगाई रोक, धार्मिक स्वतंत्रता पर उठे सवाल

ढाका, 12 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के अधिकारियों ने भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा के निर्माण को निलंबित करने का आदेश दिया है। यह प्रतिमा गाइबांधा जिले के पलाशबारी उपजिला में स्थित श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर में लगाई जा रही थी। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, मंदिर के सलाहकार श्याममल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की। इस फैसले से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

आलोचकों का आरोप है कि परियोजना का विरोध करने वाले इस्लामी समूहों के दबाव में इसे निलंबित किया गया है। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने राम मंदिर के निर्माण के इर्द-गिर्द हो रही धमकियों, उकसावे और शत्रुतापूर्ण बयानबाजी की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस देश में कई लाख मस्जिदें मौजूद हैं और जिनका

निर्माण जारी है। वहां एक अकेले हिंदू पूजा स्थल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। नसरीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं और पूरे देश में नई मस्जिदें बनती जा रही हैं। तो फिर एक राम मंदिर या भगवान राम की मूर्ति के निर्माण का इतना विरोध क्यों हो रहा है? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सचमुच सबके लिए है, तो यह अल्पसंख्यकों पर भी समान रूप से लागू होनी चाहिए, न कि केवल बहुसंख्यकों पर।' उन्होंने आगे कहा 'पालाशबारी, गाइबांधा में निर्माणाधीन राम मंदिर के खिलाफ मिल रही धमकियां, उकसावे और नफरत भरी बयानबाजी बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति या समूह को सिर्फ इसलिए किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को गिराने का अधिकार नहीं मिल जाता क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं है। कानून के शासन वाले राज्य में धार्मिक मतभेदों का समाधान हिंसा या बर्बरता से नहीं किया जा सकता।' नसरीन ने इस बात पर जोर दिया कि पलाशबारी में हिंदू मंदिरों पर हमलों और मूर्तियों को तोड़ने के इतिहास को देखते हुए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, जिससे हिंदी भाषी अल्पसंख्यक समुदाय असुरक्षित महसूस करता है।

नसरीन ने सवाल उठाया 'दुनिया भर के कई मुस्लिम बहुल देशों में - जिनमें इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और ओमान शामिल हैं। बड़े-बड़े हिंदू मंदिर हैं। इन देशों में मंदिरों का अस्तित्व राज्य के लिए खतरा नहीं माना जाता। तो फिर बांग्लादेश में एक मंदिर के निर्माण को कुछ मुसलमानों के अस्तित्व का संकट क्यों बताया जा रहा है?'

## रूस-यूक्रेन सीमा पर फिर बढ़े हमले

## दोनों तरफ बमबारी में 3 लोगों की मौत मासूम बच्चे समेत कई घायल

कीव, 12 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से ज्यादा समय से जारी संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है, जिसने दोनों देशों के आम नागरिकों की जिंदगी को दांव पर लगा दिया है। पिछले कुछ घंटों में दोनों तरफ से हुए भीषण हमलों ने सीमा के दोनों ओर कोहराम मचा दिया है। दोनों देशों की ओर से हुए ताजा हमलों में एक 5 साल के बच्चे समेत कई लोग घायल हुए हैं, जबकि तीन लोगों की जान चली गई है।

रूस के सीमाई इलाके ब्रायंस्क में यूक्रेन की तरफ से किए गए हमलों ने भारी तबाही मचाई है। ब्रायंस्क के कार्यवाहक गवर्नर येगोर कोवलचुक ने सोशल मीडिया पर इस तबाही की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि बॉर्डर के बिल्कुल नजदीक बसे सूजेमका इलाके में यूक्रेन की तरफ से जोरदार गोलाबारी की गई। इस गोलाबारी की चपेट में आने से दो स्थानीय नागरिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि यूक्रेन का हमला यही तक नहीं रहा। यहां से करीब 110 किलोमीटर दूर स्टारोडुब इलाके में पेट्रोल पंपों को निशाना बनाकर किए गए हमले में 7 लोग जख्मी हुए हैं। इसके अलावा एक अलग ड्रोन हमले में 5 साल का एक मासूम बच्चा भी घायल हो गया है।

यूक्रेन के हमलों के बाद दूसरी तरफ रूस ने भी जोरदार पलटवार किया। यूक्रेन के अधिकारियों ने भी रूसी हमलों की पुष्टि की है। यूक्रेन के उत्तरी सुमी इलाके के गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव ने बताया कि रूसी ड्रोन हमले में 44 साल की एक महिला की मौत हो गई, जबकि 33 साल की एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल है।इसके अलावा यूक्रेन के दक्षिणी शहर मायकोलाइव में भी रूसी ड्रोन गिरे, जिसमें स्थानीय प्रशासन के मुताबिक 3 लोग घायल हुए हैं।

## पुतिन के निशाने पर आए नाटो देश बड़े पैमाने पर तैनात किए हथियार यूरोप में जंग की आहट से टेंशन

मास्को, 12 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन युद्ध के रूस ने एक बड़ा कदम उठाया है। रूस ने नाटो देशों की सीमा पर अपनी सैन्य तैयारी को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि रूस दर्जनों सैन्य अड्डों का विस्तार कर रहा है। खुफिया सेवाओं की मदद से ली गई इन तस्वीरों से पता चलता है कि मात्र 2 साल के अंदर ही रूस ने यह वस्तिार किया है जिसमें बैरक, हथियार रखने के गोदाम और सेना के वाहन शामिल हैं। रूस का आर्कटिक में एक ठिकाना पेचांगा है जो नार्वे की सीमा से मात्र 5 मील की दूरी पर है। वहीं फनिलैंड और नार्वे के पास रूस का मुरमंस्क इलाका है, वहां पर अब 17 हजार अतिरक्ति सैनिक तैनात हो सकते हैं।

सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि एक अन्य नाटो देश एस्टोनिया की सीमा के पास रूस ने बड़े पैमाने पर सैन्य वाहनों को तैनात कर रखा है। द सन ने एक पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल रिचर्ड केंप के हवाले से कहा कि रूस के हमले के खतरे को खारिज नहीं किया जा सकता है क्योंकि पुतिन वह करने में मास्टर हैं जिसकी अपेक्षा किसी को नहीं होती है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि न तो ब्रिटेन और न ही यूरोप के नाटो देश रूसी खतर से निपटने के लिए तैयार हैं।

## मेलोनी के इटली में भारतीय कामगारों का शोषण

### अमेरिकी कांसुलेट बनाने वालों को नहीं मिला पूरा वेतन

रोम, 12 जून (एजेंसियां)। इटली के मिलान शहर में बन रहे 35 करोड़ डॉलर के नए अमेरिकी कांसुलेट के निर्माण कार्य में लगे विदेशी कामगारों ने वेतन में कटौती और शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन कामगारों में ज्यादातर भारतीय और केन्याई नागरिक शामिल हैं। श्रमिकों ने कहा कि उन्हें अच्छा वेतन देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें 2 डॉलर प्रति घंटे से भी कम का भुगतान किया गया। इस मामले में इटली की जांच एजेंसियां अमेरिकी निर्माण कंपनी कैडेल कन्सट्रक्शंस की जांच कर रही हैं। कंपनी अमेरिका के कई दूतावासों और कांसुलेटों का निर्माण कर चुकी है। जांच के दौरान कंपनी के इटली स्थित दो मैनेजर्स को श्रम शोषण के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया। कंपनी का एक अफसर देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहा था, जबकि दूसरा भी फरार होने की तैयारी में था। करीब 6 महीने पहले शुरू हुई इस जांच में लगभग 70 श्रमिकों को शामिल किया गया है, जिनमें अधिकतर भारतीय हैं। आरोप है कि कंपनी ने मजदूरों के वेतन से रहने और खाने का खर्च काट लिया और उनसे रोज 10 घंटे तथा हफ्ते में 6 दिन काम कराया। जांच अधिकारियों के मुताबिक, कुछ कामगारों को सभी कटौतियों के बाद सिर्फ 500 यूरो (करीब 580 डॉलर) प्रति माह मिले। जबकि मिलान में निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 13.39 यूरो प्रति घंटा से शुरू होता है।

खाड़ी देशों में 10 साल से ज्यादा समय तक काम कर चुके एक भारतीय कामगार ने बताया कि उसे हर महीने 2,500 यूरो देने का वादा किया गया था। लेकिन उसकी सैलरी स्लिप के मुताबिक, उसे सिर्फ 500 यूरो मिले। उसके दस्तावेज में हर घंटे की मजदूरी सिर्फ 1.55 यूरो दर्ज थी। केन्या के कई श्रमिकों ने भी कहा कि उन्हें सालाना 25,000 यूरो से ज्यादा पैसे का वादा किया गया था, लेकिन असल में बहुत ही कम पैसे मिले। जब उन्होंने इस बारे में सवाल पूछे तो उन्हें कहा गया कि या तो काम करो या अपने देश वापस जाओ। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि वह इन आरोपों की जांच कर रहा है और इटली की एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

## नशा मुक्त अभियान का असर अनंतनाग में नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार 172 एफआईआर दर्ज, 156 गिरफ्तार

अनंतनाग, 12 जून (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की ओर से शुरू किए गए 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत अनंतनाग पुलिस ने पहले दो महीनों में 172 प्राथमिकी दर्ज कीं। साथ ही 156 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।अनंतनाग पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और नशाखोरी के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार विभिन्न अभियानों में 323.5 किलो से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए गए जबकि नशा तस्करी से जुड़े 26.50 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। आर्थिक नेटवर्क पर प्रहार करते हुए पुलिस ने 29 मामलों में लगभग 12.5 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां जब्त कीं।

इसके अलावा नशा तस्करी से अर्जित करीब 3.76 करोड़ रुपये मूल्य की चार संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। इस तरह कार्रवाई की गई कुल संपत्तियों का मूल्य लगभग 16 करोड़ रुपये पहुंच गया। पुलिस ने लगभग 350 मरला भूमि पर फैली अवैध नशीली फसलों को नष्ट किया तथा सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद 1,606 किलो से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया। नशा तस्करों के अवैध कब्जे से 300 मरला से अधिक सरकारी भूमि भी मुक्त कराई गई। अभियान के दौरान तीन महिला नशा तस्करों और चार महिला अवैध खेती करने वालों को गिरफ्तार किया गया।

## पाक में खौफ का माहौल, भारत ने पहली बार तैनात किए 12 परमाणु हथियार तो क्या बोला पाकिस्तान?

इस्लामाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन और सैन्य ताकत को लेकर वैश्विक हथियारों की निगरानी करने वाली प्रतिष्ठित संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट(सिप्री) की रिपोर्ट के बाद पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने इतिहास में पहली बार अपने परमाणु हथियारों को केवल स्टॉकपाइल में रखने के बजाय सीधे तौर पर ऑपरेशनल मोड में तैनात कर दिया है। इस खुलासे के तुरंत बाद पाकिस्तान सरकार और वहां के विदेश मंत्रालय की तरफ से बेहद डरा हुआ बयान सामने आया है, जिसमें इस्लामाबाद ने खुले तौर पर माना है कि भारत की परमाणु ताकत अंतरराष्ट्रीय अनुमानों से कहीं ज्यादा बड़ी और घातक हो सकती है। भारत की इस बढ़ती सैन्य और परमाणु ताकत से घबराए पाकिस्तान ने अब दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों से गुहार लगानी शुरू कर दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से भारत को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियां और आधुनिक हथियार सप्लाई करने वाले देशों से अपील की है कि वे इस पर तुरंत रोक लगाएं।

इस्लामाबाद का तर्क है कि भारत की यह आधुनिक होती सैन्य शक्ति दक्षिण एशिया में रणनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सुरक्षा के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ देगी। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान का यह बयान उसकी अपनी आंतरिक आर्थिक व राजनैतिक कमजोरियों और भारत के मुकाबले रक्षा बजट में लगातार पिछड़ने की हताशा को दर्शाता है। भारत हमेशा से नो फर्स्ट यूज की नीति पर कायम रहते हुए अपनी संप्रभुता को मजबूत कर रहा है।

## मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उड्डयन मंत्री से की मुलाकात श्रीनगर एयरपोर्ट बंदी पर पुनर्विचार की मांग की

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की और रखरखाव के काम के लिए 1 से 16 अक्टूबर तक श्रीनगर हवाई अड्डे को बंद करने के प्रस्ताव पर चिंता जताई। पर्यटन के मुख्य मौसम में घाटी के लिए बिना रुकावट हवाई संपर्क की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री से आग्रह किया कि रखरखाव के शेड्यूल की समीक्षा की जाए और अगर मुमकिन हो, तो इसे छोटा किया जाए, चरणों में किया जाए या यात्रा के कम व्यस्त समय में किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि हवाई अड्डा बंद रहने के दौरान निवासियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए संपर्क बनाए रखने के लिए अवंतीपोरा एयर बेस से सीमित संख्या में नागरिक उड़ानें संचालित की जाएं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हुई बैठक के बाद, मैंने अक्टूबर में श्रीनगर एयरपोर्ट को बंद करने के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की।

हम परेशानी को कम करने और बेसिक फ्लाइट शेड्यूल बनाए रखने के लिए संभावित विकल्पों पर काम कर रहे हैं, जैसा कि 1998 और 2010 में इसी तरह के कारणों से एयरपोर्ट बंद होने पर किया गया था। गौरतलब है कि रनवे के जरूरी रखरखाव और मरम्मत के चलते जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट 1 अक्टूबर से 15 दिनों तक उड़ानों के लिए बंद रहेगा। 1 अक्टूबर से उड़ानों का निलंबन दुर्गा पूजा की छुट्टियों के साथ ही होगा।

इस कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बंद होने से स्थानीय पर्यटन को भारी नुकसान हो सकता है। इस दौरान घाटी में पारंपरिक रूप से पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और ट्रैवल ऑपरेटरों को डर है कि इस बंदी के कारण बड़े पैमाने पर बुकिंग रद्द होंगी और भारी आर्थिक नुकसान होगा। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार, पूरी तरह से बंदी से पहले चरणबद्ध तरीके से रखरखाव का काम शुरू किया जाएगा। जुलाई से शुरू होकर हवाई अड्डे का संचालन हर हफ्ते दो दिनों (सोमवार और मंगलवार) के लिए बंद रहेगा। इसका समापन 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक पूरी 15-दिवसीय बंद के रूप में होगा। अधिकारियों ने कहा कि रनवे की मरम्मत परिचालन सुरक्षा के लिए जरूरी है।

## वॉशिंगटन के नेशनल मॉल में घास पर लिखा 8647, जन्मदिन से 2 दिन पहले ट्रंप को धमकी?

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी के मशहूर नेशनल मॉल में घास पर बड़े आकार में 8647 लिखा हुआ दिखाई दिया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब 14 जून को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मदिन पर यहां एक यूएफसी (अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप) मुकाबला होने वाला है और बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है। 8647 को अमेरिका में आमतौर पर ट्रंप विरोधी संदेश माना जाता है। रेस्तरां इंडस्ट्री में 86 शब्द का इस्तेमाल अक्सर किसी ऑर्डर या ग्राहक को हटाने के लिए किया जाता है, जबकि 47 ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होने का संकेत है।

इसी वजह से यह संख्या ट्रंप के विरोध से जोड़ी जाती है। हालांकि ट्रंप प्रशासन इसे राष्ट्रपति के खिलाफ धमकी के तौप पर भी देख रहा है। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट के ऊपर लगे लाइव वेबकैम में यह संख्या नेशनल मॉल की घास पर दिखाई दी। घास का एक बड़ा हिस्सा सूखा या पीला पड़ गया था, जिससे 8647 का आकार बनता नजर आया।

# अधिकमास की शिवरात्रि आज

## शंकर जी को प्रसन्न करने की सरल विधि

**अधिकमास की शिवरात्रि पर पूजा-पाठ संपूर्ण विधि से करने पर महादेव प्रसन्न होते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। पारिवारिक जीवन में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिलने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।**

वैसे तो हर महीने की शिवरात्रि को खास माना जाता है। लेकिन ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को सबसे शुभ माना गया है। दरअसल, अधिकमास लगभग 3 वर्ष में एक बार आता है, इसलिए इस दौरान पड़ने वाले व्रतों को अधिक महत्वपूर्ण और कई गुना फल प्रदान करने वाला माना जाता है। यही कारण है कि, इस मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते हैं। 2026 में अधिकमास की मासिक शिवरात्रि 13 जून, शनिवार को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा और अभिषेक करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आइए इस दिन की संपूर्ण पूजा विधि को जानते हैं।

**अधिकमास शिवरात्रि 2026**

**पंचांग के मुताबिक, कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि का प्रारंभः 13 जून 2026, शाम 4:07 बजे होगा।**

**चतुर्दशी तिथि समाप्तः 14 जून 2026, दोपहर 12:19 पर होगी।**

**मासिक शिवरात्रि 13 जून, शनिवार को मान्य रहेगी।**

**ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 4:02 बजे से 4:43 बजे तक**

**अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:53 बजे से दोपहर 12:49 बजे तक**

**अधिकमास शिवरात्रि पूजा विधि**

अधिक मास मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर गंगाजल और जल चढ़ाएं।

अब जल, दूध, शक्कर, दही और शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करें।

महादेव को बेलपत्र चढ़ाएं और पुष्पमाला अर्पित करें। इस दौरान 5 प्रकार के अनाज भी चढ़ाएं और सफेद मिठाई का भोग भी लगाएं।

महादेव पर चंदन लगाएं और नंदी जी को भी लगा दें।

अब घी का दीपक जलाकर ॐ नमः शिवाय₹ मंत्र का जाप करें।

शिवरात्रि व्रत कथा का पाठ करें और महादेव के भजन गाएं।

अंत में भगवान शिव की आरती करें और फल अर्पित करें।

इन फलों को बाद में प्रसाद के रूप में बांट दें।

## विश्वास में छिपी है उपचार और उपाय की वास्तविक शक्ति

प्रसिद्ध दृष्टांत अनुसार, एक बार गंभीर रूप से बीमार एक व्यक्ति को किसी ने बताया कि दूसरे गांव में एक वैद्य हैं, जिनकी दवाई से व्यक्ति शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। यह सुनकर व्यक्ति वैद्य जी को मिलने पहुंचा, उस समय वैद्य जी अपने खेत में खेती-बाड़ी का कार्य कर रहे थे। बीमार व्यक्ति उनके पास गया और अपनी बीमारी बताई। वैद्य जी के पास उस समय लिखने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए उन्होंने खेत में पड़ी एक ईंट उठाई और उस पर कोयले से दवाई का नाम लिखकर बीमार व्यक्ति को देकर कहा, ''यह दवाई बाजार से ले लेना और हर दिन इसे पानी में घोलकर पी लेना।'' मंदबुद्धि होने के कारण बीमार व्यक्ति वैद्य जी की बातें ठीक से समझ नहीं पाया। कुछ महीने बाद वह बीमार व्यक्ति फिर से वैद्य जी के पास गया और बोला, ''वैद्य जी! आपने जो औषधि दी है वह बहुत अच्छी है, उसकी वजह से मैं आधा ठीक हो गया हूं। थोड़ी सी औषधि और दे दीजिए।''

वैद्य जी ने कहा, ''मैंने तो तुम्हें दवाई का नाम लिखकर सब समझाया था।'' तब व्यक्ति ने कहा, ''हां वैद्य जी, ईंट तो मेरे घर के आस-पास भी थी लेकिन उस पर आपने जो लिखा था वह लिख दीजिए।'' वैद्य जी ने जब उससे पूरी बात पूछी तो उसने बताया कि, ''आपने जो ईंट दी थी उसे मैं पानी में घोलकर पी रहा हूं, और मुझे आराम है। ईंट पर लिखा हुआ आपका मंत्र काम कर रहा है।'' वैद्य जी आश्चर्यचकित हुए लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति को सच्चाई बताना ठीक नहीं समझा क्योंकि वह ईंट उस व्यक्ति के लिए दवाई से बेहतर काम कर रही थी। वैद्य जी ने एक और दूसरी ईंट लीं और कोयले से उस पर उसी दवाई का नाम लिखकर उसे दे दिया। कुछ माह बाद वह व्यक्ति पूरी तरह से ठीक हो गया। वैद्य और उसकी दवा पर बिना किसी शंका के सौ प्रतिशत यकीन ने ही उस व्यक्ति का असाध्य रोग छूमंतर कर दिया। डॉक्टर की दवा हो या ज्योतिषी का उपाय, अन्तर्मन जिस चीज को बिना शंका के पूर्ण विश्वास के साथ मानता है, वही फलीभूत होता है

# हनुमान जी से जुड़ी 6 रोचक और दिव्य बातें

कलियुग के देवता कहे जाने वाले राम भक्त हनुमान को मंगलवार का दिन समर्पित किया गया है। इस दिन हनुमान जी को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर अर्पित करने पर भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है और उनके हर रोग दूर हो सकते हैं। आज भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं हनुमान जी से जुड़े रोचक और दिव्य तथ्य। जो हर भक्त के लिए जानना बेहद आवश्यक है। कुछ तथ्य ऐसे हैं जो हनुमान भक्त को चौंका भी सकते हैं।

**शिव के अंशावतार-** धार्मिक ग्रंथों के अनुसार राम भक्त हनुमान को भगवान शिव के 11वें अंशावतार के रूप में जाना जाता है। यह अवतार अंजनी पुत्र ने भगवान विष्णु के पूर्ण अवतार भगवान राम की सहायता करने के मकसद से पृथ्वी पर लिया था

**हनुमद रामायण-** भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान जी वाल्मीकि की रामायण से भी पहले हनुमद रामायण की रचना की थी। यह उस समय की बात है जब भगवान राम रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे और अपना राज-पाठ संभाला। उस समय हनुमान जी हिमालय चले गए और उन्होंने भगवान शिव की तपस्या के दौरान शिला पर अपने नाखून से उस रामायण को लिखा।

**पूरे शरीर पर लगाया सिंदूर-** धार्मिक ग्रंथों के अनुसार एक बार हनुमान जी ने माता सीता को मांग में सिंदूर लगाते देख कर उनसे इसका कारण पूछा। तो माता सीता ने कहा मंग में सिंदूर लगाने से प्रभु राम की उम्र बढ़ेगी। तब हनुमान जी ने भगवान राम की लंबी उम्र के लिए अपने पूरे शरीर पर सिन्दूर लगाया था।

**पंचमुखी अवतार-** भगवान राम और भाई लक्ष्मण की रक्षा करने के लिए हनुमान जी ने पंचमुखी अवतार लिया था। रावण से युद्ध के दौरान मायावी अहिरावण ने भगवान राम और लक्ष्मण को तंत्र विद्या से मूर्छित कर दिया था। तब विभीषण ने बताया था कि अहिरावण की मायावी शक्तियों को कमजोर करने के लिए उसके द्वारा 5 दिशाओं में जलाए गए 5 दियों को एक साथ बुझाने पर उसकी शक्ति कमजोर होने लगेगी। तब हनुमान जी ने पंचमुखी अवतार लिया और पांचों दियों को एकसाथ बुझा कर प्रभु राम और लक्ष्मण की जान बचाई

**सूर्य नमस्कार का अविष्कार-** धार्मिक ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी ने अपने गुरु सूर्य से सभी वेदों का ज्ञान प्राप्त करने के बाद जब उन्हें गुरु दक्षिणा देनी चाही तो उन्होंने लेने से इनकार कर दिया। जिसके बाद बजरंगबली ने अपनी यौगिक क्रियाओं द्वारा वंदना की जिसे हम सभी सूर्य नमस्कार के नाम से जानते हैं।

**हनुमान जी का पुत्र है मकरध्वज-** जब अहिरावण से भगवान राम और लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा के लिए हनुमान जी पाताल लोक पहुंचे तो वानर जैसा दिखने वाले जीव से परिचय लिया तो उसने हनुमान जी को अपना पिता बताया। यह सुनकर हनुमान जी को क्रोध आ गया। उन्होंने कहा असंभव मैं ब्रह्मचारी हूं तुम मेरे पुत्र कैसे हो सकते हो। तब हनुमान जी के बेटे मकरध्वज ने बताया कि समुद्र पार करते समय आपके पसीने की बूंद एक मकर के मुंह में गिर गई थी जिससे वह गर्भवती हो गई थी। उशी से मेरा जन्म हुआ है।

# ये 7 शुभ संकेत तो समझिए बदलने वाली है किस्मत

कुछ दौर ऐसे होते हैं जब मेहनत के बावजूद पैसे हाथ में नहीं टिकते। खर्चे अचानक बढ़ जाते हैं, बचत घटने लगती है और आर्थिक तनाव रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। ज्योतिष शास्त्र में माना जाता है कि जैसे ग्रहों की चाल व्यक्ति के जीवन में उतार-चढ़ाव लाती है, वैसे ही कुछ संकेत ऐसे भी होते हैं जो आने वाले अच्छे समय की ओर इशारा करते हैं। कई लोग इन्हें संयोग मानते हैं, जबकि पारंपरिक मान्यताओं में इन्हें धन लाभ और आर्थिक राहत के संकेत के रूप में देखा जाता है। यदि लंबे समय से आर्थिक परेशानियां चल रही हैं, तो इन संकेतों पर ध्यान देना दिलचस्प हो सकता है। ज्योतिष के जानकारों का मानना है कि ऐसे संकेत यह दर्शाते हैं कि नकारात्मक परिस्थितियां धीरे-धीरे खत्म हो रही हैं और धन प्राप्ति के नए रास्ते खुल सकते हैं।

आर्थिक सुधार से पहले दिख सकते हैं ये शुभ संकेत

**सुबह-सुबह शुभ वस्तुओं का दिखना**

ज्योतिष शास्त्र में माना जाता है कि सुबह घर से निकलते समय गाय, नारियल, कमल का फूल या साफ जल दिखाई देना शुभ माना जाता है। यह संकेत आर्थिक अवसरों के बढ़ने और रुके हुए कार्यों के पूरे होने की ओर इशारा कर सकता है।

**बार-बार धन से जुड़े सपने आना**

यदि लगातार सपनों में सिक्के, सोना, खजाना, तिजोरी या बहता हुआ साफ पानी दिखाई दे रहा है, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। पारंपरिक ज्योतिष के अनुसार ऐसे सपने आने वाले समय में आर्थिक स्थिति बेहतर होने का संकेत दे सकते हैं।

**घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगे**

**तुलसी या पौधों का अचानक हरा-भरा होना**

कई ज्योतिषाचार्य मानते हैं कि घर में लगी तुलसी या अन्य पौधों का बिना किसी विशेष कारण के तेजी से विकसित होना सकारात्मक ऊर्जा का संकेत है। यह घर में सुख-समृद्धि और धन आगमन से भी जोड़ा जाता है।

**पूजा-पाठ में मन लगना**

जब व्यक्ति बिना किसी प्रयास के आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होने लगे, तो इसे भी शुभ माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार यह ग्रहों की स्थिति में सकारात्मक बदलाव का संकेत हो सकता है, जिसका असर आर्थिक मामलों पर भी पड़ता है।

**अचानक मिलने वाले छोटे संकेत भी हो सकते हैं खास**

**रास्ते में सिक्का मिलना**

हालांकि इसकी कोई वैज्ञानिक पुष्टि नहीं है, लेकिन ज्योतिषीय मान्यताओं में रास्ते में सिक्का मिलना या पुराना धन वापस मिलना आर्थिक सुधार का संकेत माना जाता है। इसे लक्ष्मी कृपा का प्रतीक भी कहा जाता है।

**रुके हुए पैसों का वापस आना**

अगर लंबे समय से फंसा हुआ पैसा अचानक मिलने लगे या उधार दिया गया धन वापस आने लगे, तो यह आने वाले बेहतर आर्थिक दौर की शुरुआत माना जाता है। ऐसे संकेत अक्सर वित्तीय स्थिरता की ओर इशारा करते हैं।

**शुभ समाचारों की संख्या बढ़ना**

जब लगातार अच्छी खबरें मिलने लगें, नए अवसर सामने आने लगें या काम में सकारात्मक बदलाव दिखने लगे, तो ज्योतिष के अनुसार यह ग्रहों की अनुकूलता का परिणाम हो सकता है। ऐसे समय में धन लाभ के योग भी मजबूत माने जाते हैं।

**क्या कहते हैं ज्योतिष विशेषज्ञ?**

ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि जीवन में आने वाले संकेतों को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन केवल इनके भरोसे भी नहीं बैठना चाहिए। मेहनत, सही निर्णय और वित्तीय अनुशासन के साथ यदि सकारात्मक संकेत मिल रहे हों, तो उन्हें आने वाले बेहतर समय की संभावना के रूप में देखा जा सकता है।

# बाबा नीब करौरी के थप्पड़ ने बदल दी जिंदगी

***हाथ जलने पर कंबल में दबाया, पलभर में गायब हुआ दर्द; बस हादसे में बची पूरी बारात***

कैंची धाम और बाबा नीब करौरी (आम बोलचाल में बाबा नीम करौली के नाम से भी जाने जाते हैं) से जुड़ी उनके भक्तों के जीवन में ऐसी अनेक घटनाएं दर्ज हैं, जिन्हें वे गुरु कृपा का प्रत्यक्ष अनुभव मानते हैं। ऐसी ही एक कहानी दिल्ली निवासी रवींद्र जोशी उर्फ 'रब्बू दादा' की है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन महाराजजी की सेवा में समर्पित कर दिया। विजय छाबरिया एवं डॉ. दीपक पटवर्धन की किताब 'दिव्य अनुभूति' के संस्मरण के अनुसार, रब्बू दादा न केवल बाबा के परम भक्त थे, बल्कि अमेरिका के ताओस से लेकर गुजरात के बावनिया तक कई मंदिरों के निर्माण और विग्रह स्थापना से भी जुड़े रहे। उनके अनुसार, महाराजजी से पहली मुलाकात ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी थी।

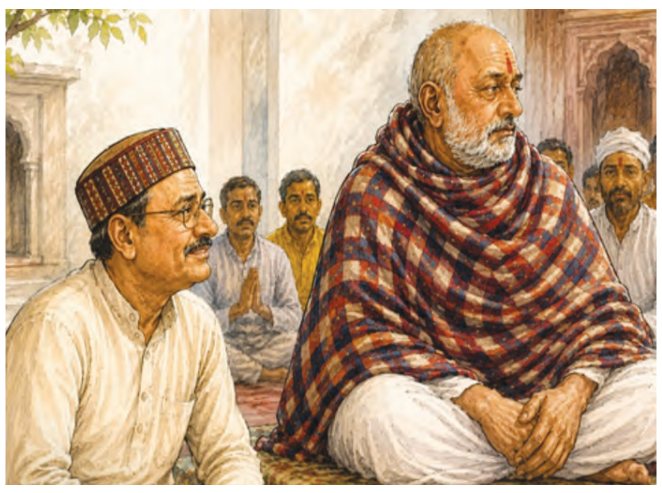

साल 1958 की गर्मियों में रब्बू दादा नैनीताल में अपने चाचा के घर छुट्टियां बिताने पहुंचे थे। वहीं, हनुमानगढ़ी में बाबा के चमत्कारों और लीलाओं की चर्चा सुनकर उनके मन में उन्हें देखने की तीव्र इच्छा जगी। मई के अंत में जब बाबा के आने की खबर मिली, तो वे भी दर्शन के लिए पहुंच गए। रब्बू दादा के अनुसार, हनुमानगढ़ी में बिताए शुरुआती तीन दिन किसी परीक्षा से कम नहीं थे। महाराजजी की नजर उन पर पड़ती, लेकिन वे तुरंत दूसरी ओर देखने लगते। न तो उनसे बात करते और न ही उन्हें वहां से जाने के लिए कहते। इस व्यवहार से रब्बू दादा के मन में कई सवाल उठने लगे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि बाबा उन्हें अनदेखा क्यों कर रहे हैं। चौथे दिन महाराजजी एक बीमार महिला भक्त से मिलने गए। अगले दिन आरती के समय उन्होंने पहली बार रब्बू दादा को अपने पास बुलाया। महाराजजी अचानक बोले, यह बच्चा सोच रहा है कि बाबा न मुझसे बात करते हैं और न मुझे जाने देते हैं। इतना कहकर उन्होंने रब्बू दादा के सिर पर जोर से थप्पड़ मारा। रब्बू दादा बताते हैं कि यह कोई साधारण थप्पड़ नहीं था, बल्कि गुरु का आशीर्वाद था। उनके अनुसार, उसी क्षण उनकी आंखों से आंसू बहने लगे, विचार शून्य हो गए और वे एक ऐसी अवस्था में पहुंच गए, जहां उन्हें अपने और गुरु के बीच कोई भेद महसूस नहीं हुआ।

**बाबा दिनभर 30-35 बार प्रसाद ग्रहण करते थे**

रब्बू दादा बताते हैं कि भक्त अक्सर अपने हाथों से बने व्यंजन लेकर आते थे। महाराजजी भक्तों की भावना का सम्मान करते हुए हर प्रसाद का थोड़ा-थोड़ा स्वाद लेते थे। कई बार वे दिनभर में 30 से 35 बार अलग-अलग भक्तों के हाथों बने प्रसाद ग्रहण करते और शेष श्रद्धालुओं में बांट देते थे। रब्बू दादा की शारदा मौसी भगवान कृष्ण की भक्त थीं, लेकिन साधु संतों पर उनका विश्वास नहीं था।

एक दिन जब उन्होंने हनुमानगढ़ी में महाराजजी को देखा तो उन्हें बाबा के स्थान पर साक्षात श्रीकृष्ण के दर्शन हुए। इसके बाद उनकी सारी शंकाएं दूर हो गईं और वे बाबा की अनन्य श्रद्धालु बन गईं। एक बार रब्बू दादा रसोई में पूड़ियां तल रहे थे। अचानक उबलता घी उनके हाथ पर गिर गया और हाथ बुरी तरह झुलस गया। उन्होंने दर्द छिपाने की कोशिश की, लेकिन महाराजजी ने तुरंत पूछ लिया, क्या हाथ जल गया? रब्बू दादा के 'हां' कहते ही बाबा ने उनका हाथ अपने कंबल के भीतर लेकर दबाया और कहा, 'ठीक हो गया, जा।' इसके बाद दर्द और जलन तुरंत गायब हो गई।

एक बार मैदानी क्षेत्रों के लिए रवाना होते समय रब्बू दादा ने पूछा कि अब दोबारा दर्शन कब होंगे। इस पर महाराजजी ने कहा, इलाहाबाद आना। एक दिन तेरा पूरा खानदान मेरे पास आएगा। रब्बू दादा बताते हैं कि आज उनका पूरा परिवार बाबा की भक्ति से जुड़ा हुआ है और उन्हें लगता है कि महाराजजी का यह वचन पूरी तरह सच साबित हुआ। इलाहाबाद में रहते हुए एक रात रब्बू दादा ने सपना देखा कि महाराजजी दादा मुखर्जी के घर की सीढ़ियों के पास खड़े हैं। अगली सुबह जब वे वहां पहुंचे तो बाबा ठीक उसी स्थान पर खड़े मिले, जैसा उन्होंने सपने में देखा था। यह घटना उनके जीवन की सबसे यादगार स्मृतियों में शामिल है। रब्बू दादा को एक समय रातभर ताश खेलने की आदत पड़ गई थी। एक दिन सेवा करते समय उनके मन में विचार आया कि क्या महाराजजी को उनकी इस आदत के बारे में पता होगा? तभी महाराजजी अचानक उनकी ओर मुड़े और बोले, अरे, मुझे तेरे बारे में सब पता है। रब्बू दादा इसे बाबा की अंतर्यामी शक्ति का प्रमाण मानते थे।

1970 में रब्बू दादा का विवाह तय हुआ। महाराजजी ने उन्हें ट्रेन से जाने की सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने निजी बस बुक कर ली। रास्ते में बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। हालांकि, किसी को गंभीर चोट नहीं आई। विवाह के बाद जब वे बाबा के दर्शन करने पहुंचे तो महाराजजी ने मुस्कराते हुए कहा, यह लड़का कभी मेरी बात नहीं सुनता। इसे क्या पता, उस बस में बैठे लोगों को बचाने के लिए मुझे क्या-क्या करना पड़ा। महाराजजी के महाप्रयाण के बाद भक्तों ने कैंची धाम में उनकी मूर्ति स्थापित करने का निर्णय लिया। मूर्ति को जयपुर से लाने और स्थापना की जिम्मेदारी रब्बू दादा और विनोद जोशी को सौंपी गई थी। 15 जून 1976 को वैदिक विधि-विधान के साथ कैंची धाम में बाबा नीब करौरी के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इसके बाद वृंदावन, लखनऊ, दिल्ली, शिमला और अन्य स्थानों पर भी बाबा के मंदिर स्थापित हुए। रब्बू दादा के अनुसार महाराजजी अपने भक्तों को कभी अकेला नहीं छोड़ते थे। उनके शब्दों में, उस एक थप्पड़ से मिला आशीर्वाद आज भी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सहारा है। और शायद इसी भावना को महाराजजी अपने शब्दों में कहा करते थे- मैं यदि एक बार किसी का हाथ पकड़ लूं, तो उसे कभी नहीं छोड़ता।

# धैर्य, सतर्कता और सही सलाह ने बदली किस्मत, पांडवों की प्रेरणादायक कथा

लाक्षागृह की कथा सिखाती है कि संकट के समय धैर्य, सतर्कता और बुद्धिमानी सबसे बड़ी ताकत होती है। पांडवों ने घबराने के बजाय सही समय का इंतजार किया और विवेक से अपने प्राण बचाए। दुर्योधन के विश्वासपात्र पुरोचन ने पांडवों के लिए एक सुंदर और आकर्षक भवन तैयार कराया था। यह महल देखने में अत्यंत मनमोहक था। उसकी सजावट और निर्माण कला सभी को प्रभावित कर रही थी। लेकिन इस भव्यता के पीछे एक खतरनाक रहस्य छिपा था, जिससे अभी अधिकांश लोग अनजान थे। महल में कुछ समय रहने के बाद युधिष्ठिर और भीम को संदेह होने लगा। उन्होंने भवन की दीवारों, लकड़ी और अन्य सामग्री की जांच की। तब उन्हें पता चला कि यह महल लाख, घी और ज्वलनशील पदार्थों से बना है। विदुर की चेतावनी अब पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी थी कि यह उनके विनाश का षड्यंत्र है। सच्चाई जानने के बाद पांडवों ने घबराने के बजाय उपाय सोचने शुरू किए। युधिष्ठिर ने कहा कि शत्रु को अपनी जानकारी का आभास नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने सामान्य व्यवहार जारी रखा ताकि पुरोचन को कोई शक न हो। साथ ही सुरक्षित निकलने का रास्ता खोजने की योजना भी बनने लगी।

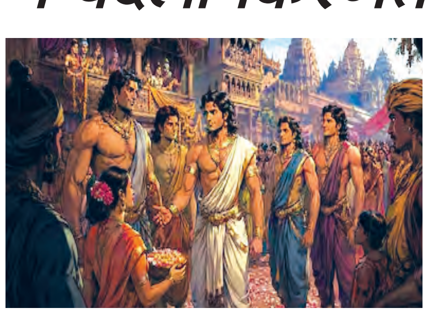

विदुर द्वारा भेजे गए विश्वसनीय व्यक्ति ने पांडवों की सहायता की। उसने महल के भीतर से बाहर तक एक गुप्त सुरंग बनानी शुरू की। यह कार्य अत्यंत सावधानी से किया गया ताकि किसी को भनक न लगे। पांडव दिन में सामान्य जीवन जीते और रात में अपने बचाव की तैयारी करते रहे।

कई दिनों तक पांडवों ने अपने मन के भय को छिपाकर रखा। वे जानते थे कि जल्दबाजी उनकी योजना को विफल कर सकती है। इसलिए उन्होंने सही समय की प्रतीक्षा की। इस कठिन दौर में युधिष्ठिर की दूरदर्शिता, भीम का साहस और सभी भाइयों का संयम उनकी सबसे बड़ी शक्ति बन गया।

वारणावत और लाक्षागृह की यह कथा सिखाती है कि संकट के समय केवल बल नहीं, बल्कि बुद्धि, धैर्य और सतर्कता भी आवश्यक होती है। विदुर की दूरदर्शिता और युधिष्ठिर की समझदारी ने पांडवों की रक्षा की। जीवन में छिपे हुए खतरों को पहचानना और समय रहते सही निर्णय लेना ही सफलता और सुरक्षा का सबसे बड़ा मंत्र है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 13 जून - 2026

# निशाने पर समुद्री व्यापार

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने अब उन देशों और लोगों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है, जिनका इस संघर्ष से कोई संबंध नहीं है। पिछले दिनों में ओमान तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में जिन वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हुए हैं, उन्होंने वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। इन हमलों का शिकार बने जहाज किसी युद्धक गतिविधि का हिस्सा नहीं थे, बल्कि सामान्य व्यापारिक कार्यों में लगे हुए थे। चिंता का विषय यह है कि इन जहाजों पर भारतीय नागरिक भी सवार थे। एक जहाज पर हुए हमले में कई भारतीय नाविकों की जान जोखिम में पड़ गई, जबकि अन्य घटनाओं में भी भारतीय नागरिक प्रभावित हुए। गनीमत है कि अधिकांश लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। फिर भी यह तथ्य चिंता बढ़ाने के लिए पर्याप्त है कि निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों को युद्ध की राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा का कार्य करते हैं। पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाले समुद्री रास्तों से बड़ी मात्रा में तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं का परिवहन होता है। यदि इन मार्गों की सुरक्षा प्रभावित होती है, तो इसका असर ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और वैश्विक महंगाई पर पड़ना स्वाभाविक है। पहले से ही अनेक देश ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना स्थिति को और गंभीर बना सकता है। इन घटनाओं ने अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि किसी देश की सैन्य कार्रवाई के परिणामस्वरूप तटस्थ देशों के जहाज और नागरिक लगातार खतरे में पड़ रहे हैं, तो यह केवल सामरिक नहीं बल्कि नैतिक और कानूनी प्रश्न भी बन जाता है। अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से नागरिक जहाजों और गैर-युद्धरत पक्षों की सुरक्षा पर जोर देता है। इसके बावजूद यदि ऐसी घटनाएं लगातार होती हैं, तो वैश्विक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी आंच आती है। भारत ने इन हमलों पर स्वाभाविक रूप से चिंता व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने समुद्री सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इन घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है। भारत जैसे देश, जिनकी ऊर्जा आवश्यकताएं और व्यापारिक हित इन समुद्री मार्गों से जुड़े हैं, उनके लिए यह केवल विदेश नीति का नहीं बल्कि आर्थिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युद्धरत पक्ष संयम बरतें और व्यापारिक जहाजों को किसी भी परिस्थिति में संघर्ष का हिस्सा न बनने दें। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। अंततः, समुद्रों में सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियादी शर्त है। यदि युद्ध की आग में तटस्थ देशों के नागरिक और व्यापारिक जहाज झुलसने लगें, तो यह पूरी दुनिया के लिए खतरे का संकेत है। इसलिए समय की मांग है कि समुद्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी प्रकार की मनमानी पर प्रभावी रोक लगाई जाए।

# हिंदू बेटियों को लील रहा लव जिहाद

अशोक भाटिया

लव जिहाद, नाम आज कल आम हो गया है अबतक आप कभी कभार देश में लव जिहाद के किस्से सुनते आए होंगे. लव जिहाद का ये जिन्न केरल में एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के के विवाह से उत्पन्न हुआ था . अब तो लव जिहाद का जाल पूरे देश में फैल चुका है, देशभर के थाने में ऐसी हजारों शिकायतें दर्ज की गई हैं, लाखों हिंदू लड़कियां इस साजिश का शिकार हो गई हैं, अपना सब कुछ खो चुकी हैं वे बैठे हैं। जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, आईएएस अधिकारी, डॉक्टर, वकील, अभिनेत्रियां शामिल हैं। प्रेम विवाह से पैदा हुआ है, जिसकी जांच देश में आतंकवादी घटनाओं की पड़ताल करने वाली नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए को सौंपी गई है. लव जिहाद दो शब्दों से मिलकर बना है. अंग्रेजी भाषा का शब्द लव यानी प्यार, मोहब्बत, इश्क और अरबी भाषा का शब्द जिहाद. जिसका मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना. यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की मतलब होता है किसी मकसद को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देना. यानी जब एक धर्म विशेष को मानने वाले दूसरे धर्म की लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उस लड़की का धर्म परिवर्तन करवा देते हैं तो इस पूरी प्रक्रिया को लव जिहाद कहा जाता है. अब अगर आप लव जेहाद का मतलब समझ गए हैं तो आपको ये भी बता दें कि अबतक लव जेहाद शब्द को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं थी. लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने मान लिया है कि लव जिहाद होता है और मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाकर लव जेहाद करते हैं. इसकी शुरुआत तब हुई जब केरल हाईकोर्ट ने 25 मई को हिंदू महिला अखिला अशोकन की शादी को रद्द कर दिया था. अखिला अशोकन ने दिसंबर 2016 में मुस्लिम शख्स शफीन से निकाह किया था. आरोप है कि निकाह से पहले अखिला ने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम हादिया रख लिया. जिसके खिलाफ अखिला उर्फ हादिया के माता-पिता केरल हाईकोर्ट पहुंचे. जिन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को आतंकवादी संगठन आईएसआईएस में फिदायीन बनाने के लिए लव जेहाद का सहारा लिया गया. जिसके बाद केरल हाईकोर्ट ने अखिला उर्फ हादिया और शफीन के निकाह को रद्द कर दिया. लेकिन अखिला उर्फ हादिया के पति शफीन ने केरल हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी .अब तो यह भी साबित हो चुका है कि लव जिहाद की शिकार लड़कियों को फिर खाड़ी देशों में बेच दिया जाता है, आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है या उनके अंगों की तस्करी की जाती है। और ऐसी ही दो फिल्में आईं और चली गईं, उनका सीक्वल। लव जिहाद की शिकार लड़कियों के कई वीडियो आज यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। लव जिहाद के खतरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सबसे पहले राज्य में लव जिहाद विरोधी कानून बनाकर कार्रवाई शुरू की। हिंदू समर्थक संगठनों के लगातार अनुनय के कारण महाराष्ट्र में भी जबरन एक कानून बनाया गया। हमने फिल्म 'द केरल स्टोरी' में देखा है कि न सिर्फ युवा लड़के बल्कि लड़कियां भी लव जिहाद नाम की एक कट्टरपंथी साजिश में शामिल हैं, अब इस बात के सबूत सामने आ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के एक करोड़पति व्यापारी के धर्मांतरण का मामला हाल ही में एक मुस्लिम जिम ट्रेनर द्वारा सामने आया है। शामली जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष देवराज मलिक जिले के एक प्रसिद्ध व्यवसायी हैं। उनके इकलौते बेटे, आयुष मलिक ने बी-फार्मा की पढ़ाई की है और अपनी खुद की मेडिकल प्रैक्टिस चला रहा है। 5 साल पहले, उन्होंने अपने निवास स्थान के पास 'कुरैशी प्लस' शुरू किया था।मैंने नाम नामक जिम में जाना शुरू कर दिया।आयुष, जो एक करोड़पति है, को स्थानीय जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी ने प्यार के जाल में फंसा दिया था। 4 साल पहले, उसने चुपके से उसे इस्लाम में परिवर्तित कर दिया और उससे शादी कर ली। आयुष के परिवार को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पिछले 6 महीनों से, आयुष को अपने व्यवहार में अचानक बदलाव का अनुभव होने लगा। उसने दाढ़ी बढ़ा ली। कुर्ता पायजामा और सिर पर गोल टोपी पहने वह न सिर्फ दुकान में बैठकर मस्जिद भी जाता था और दिन में पांच बार नमाज पढ़ता था।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों ने जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। आयुष के पिता देवराज मलिक ने शनिवार रात शामली पुलिस स्टेशन पहुंचकर चांदनी कुरैशी और उनके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन पर जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यूनानी आक्रमणकारी भारत आए, जहां सोने का धुआं बन रहा था, और उन्होंने भारत की सारी महिमा लूट ली, इसके प्राचीन मंदिरों को ध्वस्त कर दिया, उस पर मस्जिदें बनवाईं, इसकी संस्कृति के निशान मिटा दिए, तलवार से धर्मांतरण किया और महिलाओं और पिताओं को प्रताड़ित किया। उन्हें हरम में डाल दिया गया। यहां के बहादुर योद्धाओं ने यवनीस आक्रमणकारियों का कड़ा विरोध किया। जो अंग्रेज आगे आए, उन्होंने भारत के गौरव के अवशेषों को भी लूट लिया। हमारे देशभक्त क्रांतिकारियों ने उन्हें अपने परिवारों पर तुलसी के पत्ते रखकर भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया।

भारत को हर तरह की गुलामी से आजाद कराया गया है, लेकिन जो कट्टरपंथी अपने धर्म को बढ़ाना चाहते हैं, वे आज भी इस देश में घूम रहे हैं। लव जिहाद, स्पंक जिहाद, लैंड जिहाद, कॉरपोरेट जिहाद जैसे कई जिहाद विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां भी उन्हें मिलता है, वहां शिकार की तलाश में वे हिंदुओं का नरसंहार करने और अपने धर्म को बढ़ाने के लिए लव जिहाद जैसी साजिश रचे हैं। जिसके जरिए भोली हिंदू लड़कियों को फंसाया जा रहा है।

माता-पिता अपनी बेटी को प्यार से पालते हैं, उसे अच्छी शिक्षा देते हैं और चाहते हैं कि उसका भविष्य सुरक्षित और खुशहाल हो। जब वह यौवन के बाद अपना साथी चुनती है, तो कभी-कभी माता-पिता को स्वीकार करना मुश्किल होता है, लेकिन सही संचार के साथ, कई चीजें स्पष्ट हो सकती हैं। भ्रामक या गलत रिश्ते परेशानी का कारण बन सकते हैं। ऐसे में पूरा परिवार मानसिक परेशानी से जूझ रहा है। इसलिए माता-पिता और बच्चों के बीच विश्वास, संचार और समझ होना बहुत जरूरी है। आज के समय में सोशल मीडिया और अन्य मीडिया रिश्तों को तेजी से बनाते हैं, इसलिए युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे किसी भी रिश्ते में जल्दबाजी किए बिना सही सोच, सुरक्षा और आपसी सम्मान पर ध्यान दें। ऐसे मुद्दों को कानून के दायरे में देखना भी जरूरी है।

# होर्मुज़ संकट: विश्व अर्थव्यवस्था का नया मोड़

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

जून 2026 तक आते-आते विश्व अर्थव्यवस्था के सामने यक्ष प्रश्न यह है कि क्या होर्मुज़ जलडमरूमध्य से उत्पन्न संकट केवल एक क्षेत्रीय भू-राजनीतिक घटना है, या यह इक्कीसवीं सदी की सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियों में से एक बन सकता है। पिछले लगभग सौ दिनों में ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार, बीमा लागत, परिवहन व्यय और मुद्रास्फीति पर इसके प्रभाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता को उजागर कर दिया है। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों के मध्य यह प्रश्न गम्भीरता से उठने लगा है कि क्या इस संकट की तुलना 2008 की वैश्विक वित्तीय मन्दी अथवा 1930 के दशक की महामन्दीकाल से की जा सकती है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि 2008 और 2026 के संकटों की प्रकृति भिन्न है। 2008 का संकट वित्तीय क्षेत्र से उत्पन्न हुआ था। अमेरिका के आवास बाजार में सब-प्राइम ऋण संकट ने बैंकिंग व्यवस्था को हिला दिया और फिर वित्तीय संस्थानों के माध्यम से पूरी दुनिया में फैल गया। इसके विपरीत 2026 का संकट ऊर्जा, समुद्री व्यापार और भू-राजनीति से जुड़ा हुआ है। इस बार समस्या बैंकों की बैलेंस शीट से नहीं बल्कि तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखलाओं से शुरू हुई है। इसलिए दोनों संकटों की जड़ अलग है, यद्यपि दोनों का प्रभाव वैश्विक हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में भी चिंताजनक संकेत दिखाई दे रहे हैं। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट की 3 जून 2026 की प्रकाशित रिपोर्ट अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।यह रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब केवल एक क्षेत्रीय भू-राजनीतिक संकट नहीं रह गया है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला एक निर्णायक कारक बन चुका है। ओईसीडी के अनुसार यदि ऊर्जा आपूर्ति में वर्तमान व्यवधान लम्बे समय तक बने रहते हैं, तो वैश्विक विकास दर 2026 में घटकर 2.1 प्रतिशत और 2027 में मात्र 1.8 प्रतिशत तक सिमट सकती है। यह केवल आर्थिक आँकड़ों में गिरावट का संकेत नहीं है, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था के समक्ष उभरती चुनौती का प्रतीक भी है, जिसकी आधारशिला पिछले कई दशकों से मुक्त व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक परस्पर निर्भरता पर टिकी रही है। दूसरे शब्दों में, होर्मुज़ संकट ने वैश्वीकरण की उन अन्तर्निहित कमजोरियों को उजागर कर दिया है, जिन्हें लम्बे समय तक आर्थिक एकीकरण की सफलता के पीछे छिपा हुआ माना जाता रहा था।यह स्थिति 2008 जैसी पूर्ण वित्तीय जड़ता तो नहीं है, किन्तु वैश्वीकरण की गति पर स्पष्ट दबाव का संकेत अवश्य है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन ने चेतावनी दी है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में जारी व्यवधान का सबसे गम्भीर प्रभाव दुनिया की कमजोर और ऊर्जा-आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। यूएनसीटीएडी के अनुसार 75 संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं, जिनमें अल्पविकसित देश और लघु द्वीपीय विकासशील देश शामिल हैं, में से 65 शुद्ध तेल आयातक हैं। इन देशों में लगभग एक अरब लोग निवास करते हैं, जिनकी आजीविका ऊर्जा आयात पर निर्भर है। यदि तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो इन देशों के तेल आयात बिल में प्रतिवर्ष लगभग 20.4 अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। बढ़ती ऊर्जा कीमतें केवल ईंधन लागत को नहीं बढ़ातीं, बल्कि परिवहन, माल ढुलाई और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि करती हैं, जिससे मुद्रास्फीति का दबाव तीव्र हो जाता है। इसके साथ ही सरकारों पर राजकोषीय दबाव बढ़ता है और उन्हें नागरिकों को राहत देने तथा विकास कार्यक्रमों को जारी रखने के बीच कठिन सन्तुलन बनाना पड़ता है। इस प्रकार होर्मुज़ संकट केवल ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि विकासशील देशों की आर्थिक स्थिरता, सामाजिक कल्याण और सतत विकास के लिए भी एक गम्भीर चुनौती बनता जा रहा है।बावजूद इसके यह कहना जल्दबाज़ी होगी कि 2026 का संकट 2008 से अधिक भयावह हो चुका है। 2008 में विश्व वित्तीय प्रणाली स्वयं संकट में आ गई थी। कई बड़े बैंक दिवालिया हुए, ऋण व्यवस्था ठप पड़ गई, निवेश सिकुड़ गया और वैश्विक अर्थव्यवस्था ने वास्तविक संकुचन का अनुभव किया। आईएमएफ के अनुसार 2009 में विश्व अर्थव्यवस्था ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार नकारात्मक वृद्धि का सामना किया था। वित्तीय संस्थानों को खरबों डॉलर के नुकसान हुए और वैश्विक मांग में तीव्र गिरावट आई।

वर्तमान स्थिति में अभी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, भले ही धीमी गति से। एआई, सेमीकंडक्टर, डिजिटल अवसंरचना और तकनीकी निवेश कई अर्थव्यवस्थाओं को सहारा दे रहे हैं। ओईसीडी ने भी संकेत दिया है कि अमेरिका, चीन और एशिया के कुछ क्षेत्रों में तकनीकी निवेश आर्थिक गतिविधि को समर्थन दे रहा है। इसलिए 2026 की स्थिति को अभी पूर्ण वैश्विक मन्दी नहीं कहा जा सकता। जहाँ तक 1930 के महामन्दी काल की तुलना का प्रश्न है, वहाँ सावधानी आवश्यक है। 1929-33 के बीच विश्व व्यापार में लगभग दो-तिहाई तक गिरावट आई थी, अनेक देशों में बेरोज़गारी 20 से 30 प्रतिशत तक पहुँच गई थी और वित्तीय तथा औद्योगिक उत्पादन दोनों ध्वस्त हो गए थे। आज की स्थिति उससे अभी बहुत दूर है। आधुनिक केन्द्रीय बैंक, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ, रणनीतिक तेल भंडार, वैश्विक वित्तीय समन्वय और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सुरक्षा तंत्र 1930 के दशक में उपलब्ध नहीं थे।

इसलिए वर्तमान संकट को सीधे महामन्दी के समकक्ष रखना उचित नहीं होगा। हालांकि एक समानता अवश्य हैदोनों स्थितियाँ वैश्विक परस्पर निर्भरता की कमजोरियों को उजागर करती हैं। वास्तव में 2026 का संकट एक नए प्रकार का संकट है। यह वित्तीय नहीं बल्कि भू-राजनीतिक, ऊर्जा एवं आपूर्ति-श्रृंखला आधारित संकट है। होर्मुज़ संकट केवल तेल और गैस आपूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चीन सहित अनेक देशों की क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी प्रभावित कर सकता है। सल्फर, लिथियम, कोबाल्ट तथा अन्य खनिजों का प्रसंस्करण आधुनिक बैटरी उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित ऊर्जा संक्रमण के लिए अत्यन्त आवश्यक है। इस दृष्टि से होर्मुज़ केवल ऊर्जा चोकपॉइंट नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की तकनीकी प्रतिस्पर्धा और हरित अर्थव्यवस्था का भी एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र बन गया है।

# एआई की बढ़ती भूख, पानी-बिजली पर मंडराता वैश्विक संकट

सुरेश गांधी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चकाचौंध के पीछे छिपा है पानी, बिजली और पर्यावरण पर बढ़ता दबाव. सवाल यह है कि तकनीक और प्रकृति के बीच संतुलन कैसे बनेगा? बेशक, कभी मानव ने पहिए का आविष्कार किया, फिर भाप के इंजन ने औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया। कंप्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को एक क्लिक की दूरी पर ला खड़ा किया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को मानव सभ्यता की अगली सबसे बड़ी छलांग माना जा रहा है। यह तकनीक हमारी भाषा समझती है, चित्र बनाती है, बीमारियों का निदान करती है और जटिल समस्याओं के समाधान भी सुझाती है। लेकिन हर क्रांति अपने साथ कुछ अनकहे प्रश्न भी लेकर आती है। आज एआई के बढ़ते विस्तार के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम तकनीकी प्रगति की कीमत प्रकृति से वसूल रहे हैं? दुनिया इस समय एआई की अभूतपूर्व दौड़ में शामिल है। कंपनियां नए-नए मॉडल विकसित कर रही हैं, सरकारें इसे विकास का नया इंजन मान रही हैं और आम लोग इसे अपने दैनिक केवल मशीनों के तापमान को नियंत्रित करने में खर्च कर रहे हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर मानवता जल संरक्षण के नारे लगा रही है और दूसरी ओर तकनीकी विकास की दौड़ पानी की मांग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रही है। यही कारण है कि अब एआई का विरोध केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहा। अमेरिका और यूरोप के कई क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय डेटा सेंटरों के विस्तार के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। उनकी चिंता यह है कि उद्योगों और तकनीकी कंपनियों की बढ़ती मांग स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ा रही है। लोगों को डर है कि विकास का लाभ कुछ कंपनियों तक सीमित रहेगा, जबकि उसकी पर्यावरणीय कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि एआई की ऊर्जा खपत केवल उसके निर्माण तक सीमित नहीं है। आम धारणा है कि ऊर्जा सबसे अधिक एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने में लगती है, जबकि वास्तविकता यह है कि उसकी सबसे बड़ी खपत रोजमर्रा के उपयोग में होती है। हर बार जब

जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। किंतु इस चमकदार दुनिया के पीछे ऐसे विशाल डेटा सेंटर खड़े हैं, जो चौबीसों घंटे बिजली और पानी की अथाह खपत कर रहे हैं। यह खपत इतनी बड़ी है कि आने वाले वर्षों में एआई उद्योग अकेले कई देशों की कुल ऊर्जा आवश्यकता के बराबर संसाधन इस्तेमाल कर सकता है।

बिजली की खपत का अनुमान ही चौंकाने वाला है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक दुनिया के डेटा सेंटर लगभग उतनी बिजली खपत कर सकते हैं, जितनी आज जापान जैसा विकसित देश पूरे वर्ष में करता है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि भविष्य की उस तस्वीर का संकेत है जिसमें ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा मशीनों की बुद्धिमत्ता बनाए रखने में खर्च होगा।

ऐसे समय में जब दुनिया कार्बन उत्सर्जन कम करने और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है, एआई की बढ़ती ऊर्जा मांग नई चुनौती बनकर उभर रही है। लेकिन बिजली से भी अधिक गंभीर चिंता पानी को लेकर है। एआई मॉडल चलाने वाले सर्वर अत्यधिक गर्म होते हैं और उन्हें ठंडा रखने के लिए विशाल मात्रा में पानी की आवश्यकता पड़ती है। दुनिया के अनेक हिस्सों में जहां लोग पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं डेटा सेंटर लाखों-करोड़ों लीटर पानी कोई व्यक्ति एआई से सवाल पूछता है, चित्र बनवाता है या वीडियो तैयार करता है, तब दुनिया के किसी न किसी डेटा सेंटर में हजारों सर्वर सक्रिय हो जाते हैं। यानी एआई का बढ़ता उपयोग सीधे-सीधे संसाधनों की बढ़ती मांग से जुड़ा हुआ है। निस्संदेह, एआई मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, उत्पादक और ज्ञानसमृद्ध बना सकता है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में इसकी संभावनाएं असाधारण हैं। लेकिन किसी भी तकनीक की सफलता केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि उसके स्थायित्व से भी मापी जाती है। यदि विकास का यह मॉडल जल, ऊर्जा और पर्यावरण पर असहनीय दबाव डालता है, तो इसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ सकती है। इसलिए आवश्यकता एआई के विरोध की नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण और जिम्मेदार उपयोग की है। तकनीकी कंपनियों को हरित ऊर्जा, जल पुनर्चक्रण और ऊर्जा-कुशल प्रणालियों में अधिक निवेश करना होगा। सरकारों को भी ऐसे मानक विकसित करने होंगे, जो नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। आखिरकार, सभ्यता की असली पहचान केवल नई मशीनें बनाने में नहीं, बल्कि प्रकृति और प्रगति के बीच सामंजस्य स्थापित करने में है।

# बदहाल बिहार से बदलते बिहार तक

अशोक कुमार झा

बिहार को लेकर देशभर में अनेक तरह की धारणाएं रही हैं। कुछ लोग बिहार को आज भी उसी नजर से देखते हैं, जैसी तस्वीर तीन या चार दशक पहले हुआ करती थी लेकिन जो लोग बिहार की धरती पर रहे हैं, जिन्होंने इसके संघर्ष, अभाव, गरीबी और बदहाली को अपनी आंखों से देखा है, वे जानते हैं कि आज का बिहार और 1990 के दशक का बिहार दो बिल्कुल अलग वास्तविकताएं हैं।

मैं वर्ष 1990 से लगातार बिहार को देख रहा हूं। मैंने वह बिहार देखा है जहां सरकारी स्कूल तो थे, लेकिन शिक्षक नहीं थे। विद्यालयों की इमारतें थीं, लेकिन उनमें पढ़ाई नहीं होती थी। कई विद्यालयों में वर्षों तक नियुक्तियां नहीं हुईं। शिक्षक रिटायर होते रहे लेकिन उनकी जगह नए शिक्षक नहीं आए। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे दम तोड़ती चली गई। मैंने वह बिहार भी देखा है जहां अस्पताल तो थे, लेकिन डॉक्टर नहीं थे। सरकारी अस्पतालों की इमारतें खड़ी थीं, मगर उनमें मरीजों के इलाज की व्यवस्था नहीं थी। कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टरों की कमी के कारण खंडहर में तब्दील होते जा रहे थे। गरीब आदमी इलाज के लिए या तो झोलाछाप डॉक्टरों पर निर्भर था या फिर बड़े शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर था।

मुझे वह दौर भी याद है जब विद्यालयों की छतें बारिश में टपकती थीं। कई जगहों पर कक्षाएं पेड़ के नीचे लगती थीं। स्कूल भवनों की मरम्मत वर्षों तक नहीं होती थी। गांवों के अनेक विद्यालयों को लोगों ने मवेशियों के बथान के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। शिक्षा का मंदिर पशुओं का आश्रय स्थल बन चुका था। ग्रामीण बिहार का जीवन और भी कठिन था। घरों में शौचालय नहीं थे। महिलाएं और बच्चे खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर थे। गांवों के तालाब, पोखर और खेत ही शौच के स्थान हुआ करते थे। कई बार मासूम बच्चे पोखरों में डूब जाते थे और परिवार हमेशा के लिए उजड़ जाता था। यह केवल सुविधा का अभाव नहीं था, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का भी प्रश्न था।

सड़क और परिवहन की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं थी। दरभंगा से कुशेश्वरस्थान की यात्रा, जो आज अपेक्षाकृत कम समय में पूरी हो जाती है, कभी पांच-पांच घंटे में पूरी होती थी। सड़कें टूटी हुई थीं, पुल-पुलियों का अभाव था और बरसात के दिनों में कई गांवों का संपर्क पूरी तरह कट जाता था।

बिजली की स्थिति तो और भी विचित्र थी। गांवों में बिजली के खंभे तो दिखाई देते थे, लेकिन बिजली नहीं आती थी। कई जगहों पर केवल खंभे खड़े कर दिए गए थे और वर्षों तक उनमें तार नहीं जुड़े। जहां तार लगे भी, वहां बिजली का दर्शन दुर्लभ था। लोग बिजली के तारों का उपयोग घरेलू सामान बनाने में करने लगे थे। बिजली के खंभे घरों के निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने लगे थे। यह किसी व्यंग्य से कम नहीं था कि बिजली व्यवस्था स्वयं लोगों के लिए अनुपयोगी हो चुकी थी।

यह वही बिहार था जिसकी चर्चा राष्ट्रीय मंचों पर पिछड़ेपन, अपराध, पलायन और अव्यवस्था के उदाहरण के रूप में होती थी। लाखों युवाओं को रोजगार, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की तलाश में दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था। बिहार का नाम सुनते ही लोगों के मन में एक नकारात्मक छवि बन जाती थी। लेकिन क्या आज भी बिहार वैसा ही है? यदि कोई ईमानदारी से इस प्रश्न का उत्तर खोजे तो उसे स्वीकार करना पड़ेगा कि बिहार में परिवर्तन आया है। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि सारी समस्याएं समाप्त हो गई हैं लेकिन यह कहना भी अन्याय होगा कि कुछ बदला ही नहीं।

आज अधिकांश गांवों तक सड़कें पहुंच चुकी हैं। बिजली की उपलब्धता पहले की तुलना में कहीं बेहतर हुई है।

# चित मैं जीता.... पट तुम हारे...

डॉ टी महादेव राव

बास के कहे अनुसार फिर एक संवाद के लिए निकल पड़ा। लॉन में धूप तापते हुए कुर्सी पर आंखें मूंदे बिराजे थे भैया, जिनसे बातचीत करनी थी मुझे।

अभिवादन से वे उठे, संभले। बोले अभी फोटो मत खींचना। मैंने कैमरेवाले को रोका। धूप सेंक रहे थे या फिर सपनों में ख्यालों में उन्हें याद कर रहे थे? मैंने पूछा। किन्हें? किसे याद करूंगा मैं अकेला जीव। अकेला आया हूं। अकेले ही जाऊंगा। वही, जिनके बिना जैसा कि कहा जाता है और आपने कई बार सिद्ध भी किया है छाया की तरह उनकी बातें, करतूतें, यादें आपको छोड़ती नहीं हैं। पहेलियां न बुझाओ भाई। बताओ किसके बारे में कह रहे हो? जिनके वंशवाद के आप कट्टर विरोधी हैं। वे अगर न होते तो देश बहुत पहले विकसित हो गया होता। कश्मीर का टुकड़ा अपने पास होता। वंदे मातरम गीत पूरी तरह राष्ट्रगीत के रूप में हमारे पास होता। न चाचा होते, न उनकी बेटी का इमरजेंसी होता, न आप उस इमरजेंसी का स्वर्ण जयंती मनाते और न आपकी प्रिय सांसद उस पर फ्लॉप फिल्म बनाकर पैसे लुटाती। अच्छा तुम नेहरू के बारे में बोल रहे हो। सच ही तो है। सरदार पटेल पहले आम चुनाव जीते थे और उनको ही प्रधानमंत्री बनना था। नेहरू बने और बंटाधार हो गया। पटेल जी कैसे बनते बताइए। उनका निधन 1950 में हो गया था। भारत का पहला आम चुनाव 1951-52 में हुआ था। सरदार पटेल चुनाव में थे ही नहीं।

वे चुप लगा गए। फिर पास खड़े नौकर को चाय नाश्ता लाने का आदेश देकर धूप के लिए सूरज की ओर निहारने लगे। मैने फिर कहा आपको अपने हर भाषण में नेहरू जी के जिक्र के बिना मज़ा नहीं आता। ऐन केन प्रकारेण उनका संदर्भ और उनका जिक्र आ ही जाता है। विपक्षी कहते हैं आपको नेहरूफोबिया हो गया है। विपक्ष की तो आदत है बखिया उधेड़ने की। केंचुआ से मिलकर हमने धांधलियां की हैं, ऐसा भी कहते हैं। आप सांप, बिच्छू, केकड़े, केंचुओं से भी दोस्ती निभाते हैं? कमाल है। इस बात का तो हमें पता ही नहीं। हम तो यही जानते हैं कि आई टी, ईडी, सीआईडी, पुलिस से ही आपकी साठ गांठ है, जो हर जगह आपके विश्वासपात्र की तरह लगे रहते हैं विपक्ष को डराने, धमकाने में। यह केंचुआ मेरी समझ में नहीं आया? सेंट्रल इलेक्शन कमिश्नर को हिंदी में क्या कहते हैं? केंद्रीय चुनाव आयुक्त? लेकिन? उसी का संक्षिप्त रूप है केंचुआ। हां। कमाल है साहब। आपन ईश्वर प्रदत्त ज्ञान देकर ज्ञानेश्वर हो गए। उसी केंचुआ से मिलकर वोटों की अफरा तफरी, इधर उधर करने का भी आरोप है आप पर?वे लोग कहते है कि बंगाल में भी वोटों की चोरी हुई है। तो मेरा कहना है कि उस समय क्यों नहीं उठा मुद्दा? अब जब इतना वक्त बीत गया तब मामला उठाने का क्या तुक है?

देखिए! चोरी का पता जब चले तभी न मामला बनेगा? अब आज पता चले किसी चोरी और चोर का तो क्या पुलिस रपट नहीं लिखेगी? वे फिर शून्य में ताकने लगे। मैंने कहा वन्देमातरम के जिन अंशों को काटा गया है उन्हें तो इस डेढ़ शताब्दी वर्ष में जोड़कर उसे पूरा राष्ट्र गीत तो बना सकते हैं। उसके लिए इतनी चिल्लपों किसलिए? आप सुधारक बनें, संशोधक बनें तभी तो। जैसे आप आए और दो साल बाद नोटों में परिवर्तन किया। आप आए सारे टैक्स मिलाकर सिंगल विंडो टैक्स जीएसटी बना दिया। इस बीच उसे कम करने का जश्न भी हुआ न?

इमरजेंसी का क्या? हम गलत स्वर्ण जयंती कह रहे हैं या इमरजेंसी में उन्होंने गलत नहीं किया? लोग कहते हैं पचास साल पहले का इमरजेंसी तो कुछ समय का था लेकिन आपका शासनकाल तो अघोषित इमरजेंसी है। क्या कहेंगे आप? लोगों को अनुशासन में रखना, गलत निर्माणों पर बुलडोजर चलाना, खुद को बिहार का कहना क्या इमरजेंसी है? आप तो किसी और प्रांत के हैं। बिहार के कैसे हो गए? इस तरह भारत के सभी राज्यों के आप हो गए तो आपकी असली पहचान का क्या होगा?

# रोहित शर्मा मैदान पर रखेंगे पैर और टूट जाएगा 37 साल पुराना रिकॉर्ड

## सचिन-विराट जैसे खिलाड़ी भी नहीं आस-पास

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। रोहित पहले वनडे मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही खास उपलब्धि हासिल कर लेंगे।

दरअसल, धर्मशाला के मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ अगर रोहित शर्मा पहला वनडे मुकाबला खेलते हैं तो वह भारत की ओर से वनडे क्रिकेट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित 37 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करेंगे जो अभी मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है।

**रोहित तोड़ने वाले हैं बड़ा रिकॉर्ड**

मोहिंदर ने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे मुकाबला खेला था। वहीं शनिवार (13 जून) को रोहित की उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो वनडे क्रिकेट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के नोलन क्लार्क रहे हैं जिन्होंने एकदिवसीय मुकाबला 47 साल और 257 दिन की उम्र में खेला था।

**न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था मुकाबला**

रोहित ने आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में खेली थी। तीन मुकाबलों की सीरीज में रोहित का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान से फैंस को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 50 ओवर के फॉर्मेट में रोहित का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है।

**अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड**

3 मुकाबलों में रोहित 75 की औसत और 127 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 150 रन बना चुके हैं। रोहित इस दौरान एक शतक भी लगा चुके हैं।

विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में रोहित पर अधिक जिम्मेदारी भी होगी। कोहली और हार्दिक इंजरी की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। विराट हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं जबकि हार्दिक के बाएं पैर में निगल (हल्की चोट) है। विराट के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

# बेन स्टोक्स के भविष्य पर फैसले में कोई जल्दबाजी नहीं है: रॉब की

इंग्लैंड पुरुष टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाड़ी के तौर पर बेन स्टोक्स के भविष्य पर फैसला लेने की कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने स्टोक्स के कप्तान बने रहने के बारे में भी कोई पक्की बात नहीं कही, और साथ ही यह भी कहा कि वे टीम में शराब पर पूरी तरह रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं। स्टोक्स और गस एटकिंसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले सप्ताह 'द ओवल' में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए नहीं चुना गया। लॉर्ड्स में सीरीज के पहले मैच में टीम की 115 रन से जीत के बाद, सोमवार को ये दोनों खिलाड़ी एक नाइटक्लब में झगड़े में शामिल थे और उन्होंने आधी रात के कर्फ्यू का उल्लंघन किया था। इस झगड़े में सारासेंस रग्बी यूनियन के खिलाड़ी टोटोआ औवा भी शामिल थे। स्टोक्स की कप्तानी पर रॉब की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि हमें अभी चीजों को आगे बढ़ने देना चाहिए। फैसला इस बात पर होगा कि टीम के लिए क्या बेहतर है और बेन के लिए भी क्या

बेहतर है। अभी मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। यह मामला बेन, ब्रेंडन, मेरे और ईसीबी के लिए अभी बहुत ताजा है।

उन्होंने कहा, बेन कई तरह की भावनाओं से गुजरे हैं। कई लोगों को फोन कॉल आए, पहले तो यकीन ही नहीं होता, फिर गुस्सा आता है। बहुत सी बातें हैं, और मुझे पक्का नहीं पता कि मैं अभी उन सब से उबर पाया हूं या नहीं। शायद हम सबके लिए समय ही सबसे अच्छी चीज है। कोई भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेना चाहता, चाहे वह बेन की तरफ से हो या दूसरी तरफ से। जब हम उस स्थिति में पहुंचेंगे, तब अगला कदम उठाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर शराब पर बैन पर की ने कहा, मैं खुद को थोड़ा समय देने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन क्या हमें यह देखने और सोचने की जरूरत है कि क्या नियम सच में काफी सख्त रहे हैं? यहां तक कि जब वे क्रिकेट मैच जीतते हैं, तो क्या अब ऐसा समय आ गया है जब किसी भी समय और किसी भी स्टेज पर शराब बिल्कुल न हो? खिलाड़ियों को अब जनता को यह दिखाना होगा कि उन पर भरोसा किया जा सकता है। अभी यह कहना मुश्किल है कि ऐसा हो सकता है।

उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रोटोकॉल की बात नहीं है। नौकरी की शर्तों में, एक इंग्लैंड क्रिकेटर के तौर पर आपसे कई तरह से व्यवहार करने की उम्मीद की जाती है। हम नहीं चाहते कि हमारे खिलाड़ी देर रात शराब से जुड़ी घटनाओं में शामिल हों। मुझे नहीं लगता कि वे देश के लिए शर्मिंदगी का कारण बने हैं। मुझे लगता है कि स्टोक्स और मैकुलम हमारी सबसे सफल कोच और कप्तान जोड़ियों में से एक हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ज्यादा कड़ा शब्द है।

रूट को कप्तानी देने पर की ने कहा, हमने बस यही सोचा कि इस स्टेज पर हैरी के लिए यह बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी होगी। जब इंग्लिश क्रिकेट मुश्किल में होता है, तो जो रूट ही वह व्यक्ति हैं जिनसे हम हमें उससे बाहर निकालने के लिए कहते हैं, चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि वे हमारे साथ हैं। जब मैंने उनसे इस बारे में बात की कि क्या वे इस पर विचार करेंगे, तो उन्होंने जरा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई।

# भारत के लिए असली चिंता बैटिंग नहीं, बल्कि बॉलिंग कॉम्बिनेशन है: नासिर हुसैन

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 12 जून से होने जा रही है, जिसमें 12 टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के लिए चिंता की बात बैटिंग की ताकत नहीं है। चिंता का विषय यह है कि वे अपने बॉलिंग कॉम्बिनेशन को कैसे मजबूत करते हैं और बनाए गए स्कोर का बचाव कैसे करते हैं। भारत 14 जून को एजबेस्टन में पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच के साथ अपना अभियान शुरू करेगा। कप्तान हरमनप्रीत कौर के पास कई विकल्प होंगे। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर अमनजोत कौर और काशवी गौतम की गैर-मौजूदगी में, बॉलिंग कॉम्बिनेशन तय करना भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, अरुंधति रेड्डी और रेणुका सिंह ठाकुर का चुना जाना लगभग तय लग रहा है, जबकि राधा यादव, श्रेयांका पाटिल और नंदिनी शर्मा भी दौड़ में हैं।

आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के एक्सपर्ट हुसैन ने कहा कि भारत की बैटिंग में कोई समस्या है। मुझे लगता है कि यहां अपने पूरे दौरे पर उन्होंने काफी अच्छी बैटिंग की है। बॉलिंग के मामले में उनका फॉर्मूला... वे 170 रन का बचाव नहीं कर पा रहे हैं या विरोधी टीम 170-180 रन बना रही है, जिससे वे थोड़े दबाव में आ जाते हैं। इसलिए, मुझे उनकी निडर बैटिंग और बैटिंग में गहराई पसंद है। मुझे ऋचा घोष का फिनिशर के तौर पर खेलना पसंद है।

इसलिए, मुझे लगता है कि असली चुनौती फील्डिंग और बॉलिंग में है। वे कैसे खेलते हैं? क्या वे शेफाली का इस्तेमाल छठे या पांचवें बॉलर के तौर पर करते हैं? वे नई गेंद किसे देंगे? मुझे लगता है कि ये सबसे अहम मुद्दे हैं। चिंता की बात नहीं है, लेकिन अगर आप मुझसे पूछें कि टीम मीटिंग में क्या हो रहा है, तो वे सबसे ज्यादा गेंदबाजी के कॉम्बिनेशन के बारे में सोच रहे होंगे। भारतीय टीम इस वर्ल्ड कप अपनी मजबूत बैटिंग लाइन-अप पर भरोसा करेगी। कप्तान हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष सभी तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं।

मैंने चेम्सफोर्ड में टी20 सीरीज का पहला मैच कवर किया था, और पहली ही गेंद से, उन्होंने शुरुआत में ही कुछ विकेट गंवा दिए। मुझे लगता है कि उन्होंने पहले ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए थे, और फिर आमतौर पर जेमिमा संभलकर खेलती हैं, लेकिन वह जोरदार शॉट लगाने लगीं, और यास्तिका ने भी जोरदार शॉट लगाए।

वे निश्चित रूप से इसे महसूस करने की कोशिश कर रहे हैं। टी20 क्रिकेट का चलन ही ऐसा है। यह बस ऐसा ही है। अगर आपके पास बैटिंग में गहराई है- जैसा कि हमने आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' के साथ देखा, क्योंकि अब लोगों को एहसास हो गया है कि वे बाउंड्री पार शॉट मार सकते हैं और डब्ल्यूपीएल में भी अब बहुत सारे बाउंड्री हिटर्स हैं, तो मुझे लगता है कि वे इसी तरह खेल रहे हैं।

नासिर हुसैन को यह भी लगता है कि ऋचा पाकिस्तान को हराने और अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने की भारत की कोशिशों में अहम भूमिका निभाएंगी। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऋचा का स्ट्राइक रेट 163 रहा है, जो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली और उस दौरान 350 रन बनाने वाली बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है।

उन्होंने कहा, ऋचा भारत के लिए बेहद अहम हैं। हमने देखा कि साउथ अफ्रीका में दीप्ति की बल्लेबाजी थोड़ी लड़खड़ा गई थी, तो सारा दारोमदार ऋचा पर आ गया था। ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे उन पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। लेकिन उनके जैसा फिनिशर होना (बहुत बड़ी बात है) - किसी भी बेहतरीन T20 टीम में, चाहे वह पुरुषों की हो या महिलाओं की, बेहतरीन फिनिशर होते हैं। आपके पास ओपनर्स होते हैं, जैसे स्मृति मंधाना या कोई और, लेकिन आपको एक ऐसे फिनिशर की जरूरत होती है जो 20 गेंदों में 40 रन बना सके, और ऋचा निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। हुसैन ने यह भी माना कि ऋचा का रोल ऐसा है जिसमें रिस्क और उतार-चढ़ाव दोनों हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी बैटिंग में मैच जिताने की काबिलियत उन्हें भारतीय बैटिंग लाइन-अप में बहुत जरूरी बनाती है।

# बांग्लादेश ने हमसे बेहतर खेल दिखाया, वे जीत के हकदार: ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस

बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज जीत ली है। गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह पहली वनडे सीरीज जीत है। बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दूसरा वनडे गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के कप्तान जोश इंग्लिस ने कहा, जब इतनी जल्दी तीन विकेट गिर जाते हैं, तो उससे उबरना हमेशा मुश्किल होता है। मार्नस और जेवियर के बीच की साझेदारी शानदार थी। वे हमें ऐसे स्कोर तक ले गए जो शायद औसत से कम था, लेकिन कम से कम इसने हमें गेंदबाजी करने के लिए कुछ तो दिया। उन्होंने हमें मुकाबले की स्थिति में लाने का बेहतरीन काम किया। हमने मैदान पर कड़ी कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश की ओर से आखिर में हुई साझेदारी बहुत अहम थी। मुझे लगा कि उन्होंने वाकई बहुत

अच्छा खेला। उन्होंने कहा, पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत नहीं था। अगर हम बिना विकेट गंवाए शुरुआती कुछ ओवर निकाल लेते, तो भी यह बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी पिच लग रही थी। यह पहले मैच जितनी तेज या उछाल वाली नहीं थी, लेकिन निश्चित रूप से रन बनाए जा सकते थे। व्यक्तिगत रूप से, मुझे अच्छी शुरुआत मिली लेकिन मैं अहम मोड़ पर आउट हो गया, जिससे मदद नहीं मिली। मार्नस और जेवियर ने हमें सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का शानदार काम किया, लेकिन आखिरकार वह काफी नहीं था।

187 के स्कोर को डिफेंड करने के सवाल पर इंग्लिस ने कहा, आपको हमेशा विश्वास रखना होता है। आपको अपना सब कुछ झोंक देना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। मुझे लगा कि नई गेंद के साथ पिच में अभी भी काफी कुछ था। अगर हम शुरुआती तीन या चार विकेट ले पाते, तो हम मुकाबले में बने रहते। मुझे लगा कि हमने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की और विकेट लेते रहे, जिससे हमें एक वास्तविक मौका मिला। लेकिन उस आखिरी साझेदारी ने हमसे मैच छीन लिया। हमें बस खेल के तीनों पहलुओं में और बेहतर होने की जरूरत है। हमारे खिलाड़ियों को अच्छी शुरुआत तो मिली है, लेकिन किसी ने भी कोई बड़ा योगदान नहीं दिया है। यह एक ऐसी चीज है जिसमें हम खुद को निराश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश ने अब तक सीरीज में हमें बेहतर खेल से हराया है, इसलिए उन्हें जीत का पूरा श्रेय जाता है। हम फिर से एकजुट होंगे, मजबूती से वापसी करेंगे और सीरीज का समापन सकारात्मक अंदाज में करने की कोशिश करेंगे।

मैच पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। ऑस्ट्रेलिया 42 ओवर में 8 विकेट पर 187 रन पर थी, जब बारिश की वजह से पारी आगे नहीं बढ़ सकी। बांग्लादेश को डीएलएस नियम के तहत 41 ओवर में 192 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया। बांग्लादेश ने 35 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। रहमान ने 7 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

# मैक्सिकन गर्ल ने किया किस तो कोरियन पत्रकार का ऐसा रिएक्शन

## फीफा वर्ल्ड कप में गजब का मोमेंट हुआ कैप्चर

मेक्सिको सिटी, 12 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मैदान पर जहां एक ओर फुटबॉल का रोमांच अपने चरम पर है वहीं मैदान के बाहर से भी कुछ बेहद दिलचस्प और मजेदार खबरें सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों मेक्सिको से एक ऐसा ही वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें लाइव रिपोर्टिंग कर रहे दक्षिण कोरियाई टीवी पत्रकार को एक महिला फैन ने अचानक गाल पर चूम लिया। लाइव कैमरे के सामने घटी इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

**पत्रकार को कर दिया किस**

यह वाक्या उस समय का है जब यह दक्षिण कोरियाई पत्रकार वर्ल्ड कप के जश्न में डूबे एक खचाखच भरे फैन जोन से सीधे दर्शकों से मुखातिब था। पत्रकार पूरी तरह से कैमरे पर ध्यान केंद्रित कर अपनी रिपोर्ट दे रहा था और वहां के माहौल के बारे में बता रहा था। इसी दौरान पीछे से एक युवा महिला फैन दौड़ती हुई आई पलक झपकते ही पत्रकार के गाल पर सरप्राइज किस किया और मुस्कुराते हुए भीड़ में गायब हो गई।

**पत्रकार भी गया चौंक**

अचानक हुए इस मजेदार वाकये से पत्रकार पूरी तरह से हैरान रह गया। वह कुछ सेकेंड के लिए चौंक गया और अपनी बात रोक दी लेकिन तुरंत ही खुद को संभालते हुए उसके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान आ गई। सबसे खास बात यह रही कि इस अचानक आई रुकावट के बावजूद पत्रकार ने अपना आपा नहीं खोया और बेहद पेशेवर अंदाज में अपनी लाइव ब्रॉडकास्टिंग को जारी रखा।

**सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है क्लिप**

यह छोटी सी क्लिप सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर आग की तरह फैल गई है और अब तक इसे लाखों लोग देख चुके हैं। इंटरनेट यूजर्स पत्रकार के इस बर्ताव की जमकर तारीफ कर रहे हैं कि कैसे उसने इतनी असहज स्थिति में भी अपने काम को प्रभावित नहीं होने दिया।

# रियल मैड्रिड के हेड कोच बने जोस मोरिन्हो की 13 साल बाद हुई क्लब में वापसी

स्पेन के फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने जोस मोरिन्हो को टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। क्लब ने मोरिन्हो के साथ तीन साल का करार किया है, जो जून 2029 तक चलेगा। मोरिन्हो की रियल मैड्रिड में 13 साल बाद वापसी हुई है। इससे पहले वह क्लब के साथ सफल कार्यकाल बिता चुके हैं, जिसमें उन्होंने ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे बड़े खिताब जीते थे। उस वक्त उनका मुकाबला मुख्य रूप से पेप गार्डियोला की बार्सिलोना टीम से माना जाता था, जिसने यूरोप में फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया था। रियल मैड्रिड ने एक बयान में कहा, ऱरियल मैड्रिड सीएफ के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने फ्लोरेंटिनो पेरेज की अध्यक्षता में मीटिंग की, जिसमें जोस मोरिन्हो को अगले तीन सीजन के लिए 30 जून, 2029 तक फर्स्ट टीम का हेड कोच नियुक्त करने पर सहमति जताई गई है। जोस मोरिन्हो 13 जुलाई को रियल मैड्रिड से जुड़ेंगे।इस बार मोरिन्हो एसएल बेनफिका छोड़कर रियल मैड्रिड में आए हैं। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड क्लब ने उनके लिए लगभग 15 मिलियन यूरो की कम्पनसेशन फीस दी है। बेनफिका में उनका हालिया कार्यकाल अच्छा रहा, जहां टीम ने कई मैचों में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि उनकी अगुवाई में क्लब कोई खिताब जीतने में नाकाम रहा। बेनफिका में अपने दूसरे कार्यकाल के एकमात्र सीजन के दौरान मोरिन्हो ने दो बार के यूरोपियन कप विजेताओं को लीगा पुर्तगाल में बिना हारे अभियान तक पहुंचाया।

बेनफिका ने मोरिन्हो की जगह फुलहम के पूर्व मैनेजर मार्को सिल्वा को अपना कोच नियुक्त किया है। मोरिन्हो की वापसी को क्लब के बड़े बदलावों का हिस्सा माना जा रहा है। रियल मैड्रिड क्लब अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज ने अपने चुनाव अभियान में मजबूत टीम बनाने और बड़े खिलाड़ियों को साइन करने का वादा भी किया था। इसी योजना के तहत आने वाले समय में कई बड़े ट्रांसफर की भी उम्मीद की जा रही है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि मोरिन्हो की वापसी से रियल मैड्रिड की रणनीति और खेलने के तरीके में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। उनकी आक्रामक कोचिंग शैली और जीतने की मानसिकता टीम को फिर से यूरोप के शीर्ष स्तर पर मजबूत दावेदार बना सकती है।

# फीफा वर्ल्ड कप: हार के बाद साउथ अफ्रीका के कोच ब्रूज ने उठाए रेफरी के फैसले पर सवाल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ अफ्रीका के लिए अच्छी नहीं हुई है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को मेक्सिको के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद साउथ अफ्रीका टीम के मुख्य कोच ह्यूगो ब्रूज ने मैच के दौरान रेफरी के फैसले पर सवाल खड़े किए। मेक्सिको के खिलाफ साउथ अफ्रीका का डिफेंस काफी कमजोर नजर आया। मैच के दौरान साउथ अफ्रीका को 9 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा। साउथ अफ्रीका टीम के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने को रेड कार्ड थमाया गया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्रूज ने कहा कि पहले रेड कार्ड को लेकर उन्हें कोई शिकायत नहीं है, लेकिन दूसरे रेड कार्ड का फैसला उन्हें सही नहीं लगा। उनका मानना है कि जिस घटना पर उनके खिलाड़ी को बाहर भेजा गया, उसमें वास्तव में मेक्सिकन खिलाड़ी ने फाउल किया था। उन्होंने कहा कि रेफरी ने स्थिति को अलग तरह से देखा

और फैसला उनके खिलाफ गया। ब्रूज ने इसे टीम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। हालांकि, कोच ने हार का पूरा दोष रेफरी के फैसलों पर नहीं डाला। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत थोड़े दबाव में की थी, क्योंकि सामने मेजबान टीम थी और स्टेडियम दर्शकों से भरा हुआ था। शुरुआती 20 मिनट के बाद साउथ अफ्रीका ने खेल पर अच्छा नियंत्रण बना लिया था। ब्रूज ने माना कि हार की सबसे बड़ी वजह उनकी टीम की अपनी गलतियां थीं।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने दो ऐसे मौके पर गेंद गंवाई, जहां इसकी जरूरत नहीं थी। इन गलतियों का फायदा मेक्सिको ने उठाया और खुले स्थान मिलने पर दो गोल कर मैच अपने नाम कर लिया।

इस हार के बाद साउथ अफ्रीका की टीम को ग्रुप चरण के बाकी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कोच ब्रूज का मानना है कि टीम को अपनी रक्षात्मक कमजोरियों को जल्द सुधारना होगा ताकि आगे के मैचों में वापसी की जा सके और नॉकआउट दौर की उम्मीदें बरकरार रहें।

# सलमान खान को राहत; एनसीडीआरसी ने अभिनेता के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई

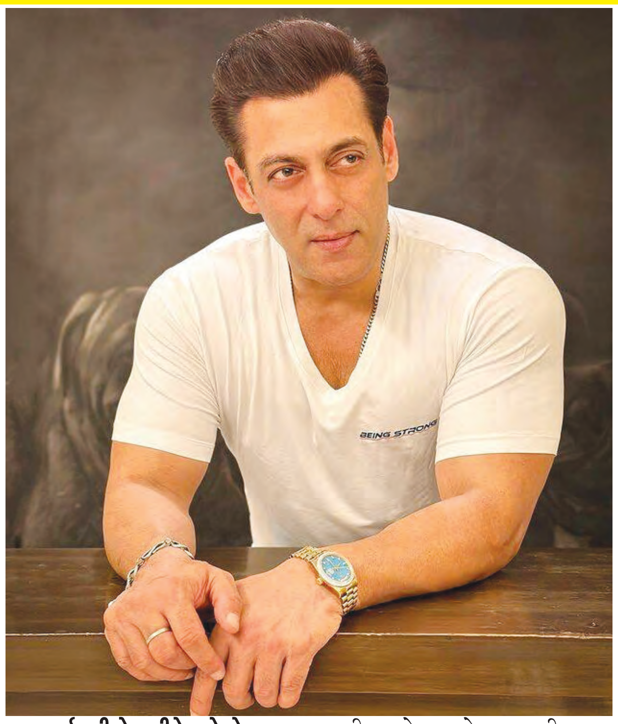

अभिनेता सलमान खान पान मसाला विज्ञापन मामले को लेकर कानूनी पचड़े में फंसे हैं। हालांकि, फिलहाल उन्हें थोड़ी राहत मिल गई है। इस मामले में बॉलीवुड एक्टर को थोड़ी राहत देते हुए नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने उनके खिलाफ डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कमीशन में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह मामला कथित तौर पर गुमराह करने वाले पान मसाला विज्ञापन से जुड़ी एक शिकायत का है।

**शिकायत करने वाले को नोटिस जारी**

कमीशन ने यह अंतरिम आदेश कोटा के नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन के निर्देशों को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई के दौरान दिया। डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने सलमान खान सहित दूसरी पार्टी के सिग्नेचर के वेरिफिकेशन के बारे में निर्देश जारी किए थे। प्रेसिडेंट जस्टिस ए पी साही और मेंबर भरत कुमार पांड्या की बेंच ने शिकायत करने वाले इंद्र मोहन सिंह उर्फ हनी को नोटिस जारी किया और डिस्ट्रिक्ट कमीशन के सामने आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी।

**कार्यवाही के तरीके को लेकर सवाल उठाए गए**

अपने 10 जून के ऑर्डर में नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने कहा, 'हमने जो कहा है और जिस पर ध्यान दिया है, साथ ही राजस्थान हाई कोर्ट के पास किए गए ऑर्डर को देखते हुए, रेस्पोंडेंट नंबर 1/शिकायत करने वाले को नोटिस जारी करके उनसे इस अपील का जवाब देने के लिए कहना सही होगा'। कमीशन ने देखा कि अपील में डिस्ट्रिक्ट फोरम के अधिकार क्षेत्र और कार्यवाही के तरीके को लोकर काफी सवाल उठाए गए थे।

**वकील ने क्या तर्क दिया?**

अपीलकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि जिला आयोग ने शिकायत की स्वीकार्यता पर निर्णय लिए बिना ही हस्ताक्षरों की प्रमाणिकता की जांच शुरू कर दी थी। नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने राजस्थान हाई कोर्ट के 27 मई को पास किए गए एक अंतरिम ऑर्डर पर भी ध्यान दिया, जिसमें सिग्नेचर वेरिफिकेशन के बारे में डिस्ट्रिक्ट कमीशन के पहले जारी किए गए निर्देश के लागू होने पर रोक लगा दी गई थी।

**कब होगी अगली सुनवाई?**

अपील करने वालों ने आगे प्रोसेस के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया और कहा कि दूसरे कंज्यूमर फोरम में भी इसी तरह की कार्रवाई शुरू की गई थी। कमीशन ने कहा, 'इस ऑर्डर की एक कॉपी डिस्ट्रिक्ट कमीशन के सामने चल रही कार्रवाई के रिकॉर्ड में रखी जाए। आगे कोई भी ऑर्डर पास होने पर, डिस्ट्रिक्ट कमीशन के सामने आगे की कार्रवाई पर रोक रहेगी। बता दें कि यह मामला एक ऐसी शिकायत से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सलमान खान और अन्य लोगों वाला पान मसाला का विज्ञापन गुमराह करने वाला था। मामले की अगली सुनवाई अब 22 जून को होगी।

# हिंदी फिल्मों ने किस धर्म को बख्शा है, नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड को लताड़ा, कहा- 100 साल पुराना ट्रेडिशन है ये

नसीरुद्दीन शाह इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज 'मेड इन इंडियाः अ टाइटन स्टोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। नसीरुद्दीन शाह उन कलाकारों में से एक हैं, जो अपने विचारों को खुलकर रखते हैं। चाहे मुद्दा समाज से जुड़ा हो, कलाकार से या फिर फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों की बात क्यों न हो, जिसपर बोलने से अक्सर बड़े कलाकार कतराते हैं, उन्होंने हमेशा अपनी बात अपने तरीके से सबके सामने रखी है। हाल ही में नसीरुद्दीन शाह ने एक कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के तौर-तरीकों पर अपना गुस्सा जाहिर करते नजर आए थे।

नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी सिनेमा में बार-बार धर्म और अलग-अलग समुदायों का मजाक बनाए जाने की बात कही। एक वीडियो में नसीरुद्दीन शाह उस सवाल का जवाब देते नजर आ रहे हैं कि बॉलीवुड ने किस धर्म का मजाक नहीं उड़ाया?

'हिंदी फिल्मों ने कौन सी कौम को छोड़ा है'

जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'हिंदी फिल्मों ने कौन सी कौम को छोड़ा है, कौन सी कौम को बख्शा है आप मुझे ये बताइए। स्टीरियोटाइपिंग के तो हम मास्टर हैं। सिखों का मजाक उड़ाया करता था, पारसियों का मजाक उड़ाया

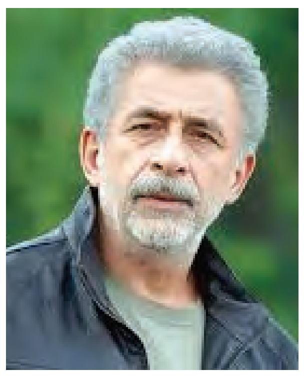

जाता था, ईसाइयों का मजाक उड़ाया जाता था।' वो आगे कहते हैं, 'मुसलमान हमेशा खुददार दोस्त होता था, जो हीरो की जान बचाते हुए अंत में मर जाता था, मरता जरूर था।'

'100 साल पुराना ट्रडिशन है ये कि इस कौम का मजाक उड़ाओ, उस कौम का मजाक उड़ाओ'

वीडियो में वो आगे कहते नजर आ रहे हैं, 'दूसरों की मुसीबतों पर हंसना, एक नैशनल सिफत है हमारी। अपने ऊपर हंसना हमको नहीं आता। और कोई हमारा मजाक उड़ाए तो हम बुरा मान जाते हैं लेकिन जब हम दूसरे का मजाक उड़ाते हैं तो दो दफा नहीं सोचते। और हमारी फिल्मों ने इन चीजों को प्रोत्साहित किया है और लगातार प्रोत्साहित किया है। कितनी मुद्दत हो गई, 100 साल हो गए हमें फिल्में बनाते हुए, बहुत ढिंढोरा पीटते हैं हमलोग, 100 साल से वही फिल्में बना रहे हैं, ये बात कोई नहीं कहता।' नसीरुद्दीन शाह कहते हैं, '100 साल पुराना ट्रडिशन है ये कि इस कौम का मजाक उड़ाओ, उस कौम का मजाक उड़ाओ।'

**कहा था- प्रधानमंत्री मोदी को इस्लामिक टोपी में देखना चाहेंगे**

एक इंटरव्यू कहा था कि वह किसी दिन प्रधानमंत्री मोदी को इस्लामिक टोपी में देखना चाहेंगे। इसे एक इशारा बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे मुसलमानों को यह मेसेज जाएगा कि मोदी को उनसे कोई दुश्मनी नहीं है। उन्होंने आगे कहा था कि अगर वह मुसलमानों को इस बात के लिए राजी कर पाते हैं तो यह उनके लिए बहुत बड़ी मदद होगी।

**'आजकल मुसलमानों से नफरत करना फैशन हो गया'**

उन्होंने कुछ फिल्मों और शोज को दुष्प्रचार और प्रोपेगेंडा के तौर पर इस्तेमाल करने पर बात की थी और कहा था, 'स्क्रीन पर जो कुछ भी दिखाया जाता है, वह सभी हमारे आस-पास समाज में हो रही चीजों और मूड का ही रिफ्लेक्शन है। इस्लामोफोबिया और ये सब, इसका चुनाव में वोट पाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

वहीं नसीरुद्दीन शाह ने मुस्लिम समुदाय के भाईचारे से जुड़े मुद्दों पर भी जोर दिया था और कहा था, 'मुसलमानों को मदरसों के बजाय शिक्षा और नए-नए विचारों की चिंता करनी चाहिए। मोदी का विरोध करना बहुत आसान है।

**उनकी पत्नी रत्ना भी धर्म को नहीं मानती हैं**

वहीं उन्होंने अपने पत्नी और अपने रिश्ते को लेकर बातें करते हुए कहा था कि भले ही उनका जन्म एक मुसलमान परिवार में हुआ लेकिन वो धार्मिक नहीं हैं। उनकी पत्नी रत्ना भी धर्म को नहीं मानती हैं इसलिए उन्होंने जब अपने बच्चों का स्कूल में एडमिशन करवाया था, तो एडमिशन फॉर्म में 'धर्म' वाला बॉक्स खाली छोड़ दिया था।

उन्होंने तय किया था कि उनके बच्चे धर्म को माने या ना मानें, अगर माने तो कौन से धर्म को, यह फैसला बच्चों का ही होगा। उन्होंने कहा था कि इस दौर में उन्हें डर लगने लगा है कि कहीं कोई उन्हें या उनके बच्चों को पकड़कर उनके धर्म के बारे में सवाल ना करने लगे।

# ऋतिक रोशन और रजनीकांत 40 साल बाद दिखेंगे एक साथ, 'जेलर 2' में होगा धमाकेदार कैमियो

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

**'जेलर 2' की स्टार कास्ट**

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है।

**'जेलर 2' की शूटिंग**

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

**कब रिलीज होगी 'जेलर 2'**

इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

# इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' ने जीता दिल

## बिछड़ने के दर्द और सच्चे प्यार की कहानी ने छोड़ी गहरी छाप

आज के दौर में जहां ज्यादातर प्रेम कहानियां बड़े-बड़े रोमांटिक पलों और दिखावे पर आधारित होती हैं, वहीं फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' एक अलग रास्ता चुनती है। यह फिल्म प्यार में बिछड़ने के दर्द, किसी अपने के लौटने के इंतजार और दोबारा मिलने की उम्मीद को बेहद भावुक तरीके से दिखाती है। बंटवारे के बैकग्राउंड पर बनी यह कहानी दर्शकों को एक ऐसे सफर पर ले जाती है, जहां सच्चा प्यार समय, दूरी और सरहदों से भी बड़ा नजर आता है।

फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली को हमेशा से रिश्तों और भावनाओं को पर्दे पर खूबसूरती से दिखाने के लिए जाना जाता है और इस फिल्म में भी उन्होंने वही संवेदनशीलता दिखाई है। उन्होंने कहानी को इस तरह पेश किया है कि दर्शक हर किरदार के दुख, खुशी, इंतजार और प्यार को महसूस कर सकें। फिल्म इंसानी रिश्तों, सब्र और भावनात्मक जुड़ाव की अहमियत को सामने लाती है। फिल्म की सबसे बड़ी ताकत कलाकारों का अभिनय है। एक्टर वेदांग रैना ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के निभाए गए किरदार कीनू के यंग वर्जन को निभाया है। उन्होंने अपने किरदार में मासूमियत, सादगी और भावनाओं को काफी अच्छी तरह दिखाया है। उनके अभिनय की वजह से दर्शक शुरुआत से ही इस किरदार से जुड़ जाते हैं। वहीं अभिनेत्री शरवरी वाघ ने जिया उर्फ अफसाना का किरदार निभाया है। फिल्म में उनकी मौजूदगी कहानी को और खूबसूरत बनाती है। उन्होंने अपने अभिनय में प्यार, उम्मीद, दर्द और भावनाओं को बहुत सहज तरीके से दिखाया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने पोते का किरदार निभाया है। उनका अभिनय काफी सधा हुआ है, लेकिन फिर भी वह दर्शकों पर गहरा असर छोड़ते है। उन्होंने अपने किरदार की भावनाओं को बखूबी पेश किया है। वहीं नसीरुद्दीन शाह एक बार फिर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेंगे।

फिल्म के बाकी कलाकारों ने भी अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय किया है। सभी कलाकार मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाते हैं, जो वास्तविक लगती है।

फिल्म का म्यूजिक भी इसकी सबसे बड़ी खूबियों में शामिल है। गाने कहानी को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। फिल्म में ऐसे कई गीत हैं, जो प्यार, इंतजार और भावनाओं को खूबसूरती से बयां करते हैं। फिल्म खत्म होने के बाद भी इसके गाने लंबे समय तक याद रहेंगे।

संगीतकार ए. आर. रहमान का म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म को एक अलग ऊंचाई पर ले जाता है। रहमान ने अपने संगीत के जरिए कहानी की आत्मा को जीवंत किया है, जिससे प्यार, बिछड़न, उम्मीद और दोबारा मिलने की भावनाएं और गहरी हो जाती हैं।

फिल्म की कहानी उन लोगों की है जो अपने किसी खास से दूर हो जाते हैं, लेकिन फिर भी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ते। फिल्म बताती है कि सच्चा प्यार केवल साथ रहने का नाम नहीं है, बल्कि इंतजार करने और रिश्ते को निभाने का नाम भी है।

# 'वेलकम टू द जंगल' अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की जोड़ी ने फिर मचाया धमाल

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर मेकर्स ने गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। 4 मिनट 10 सेकंड के इस ट्रेलर में बेहतरीन कलाकारों की बड़ी टोली नजर आती है, जो दर्शकों को हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है। ट्रेलर की शुरुआत परेश रावल से होती है, जो एक फिल्म बनाना चाहते हैं। इसके बाद फिल्म के सभी कलाकारों का परिचय कराया जाता है और फिर जंगल में शूटिंग शुरू होती है।

इसके बाद परेश रावल अपनी टीम को समझाते हैं कि उनकी फिल्म आर्मी पर आधारित है, जिसके लिए उन्हें पहले इसकी ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसी दौरान लारा दत्ता की एंट्री होती है और प्रशिक्षण के बीच कलाकारों की मजेदार नोकझोंक देखने को मिलती है। पूरा ट्रेलर काफी मनोरंजक नजर आता है। इसमें भरपूर कॉमेडी और मजेदार उथल-पुथल देखने को मिल रही है। अपने दमदार एक्शन और शानदार कॉमिक टाइमिंग के साथ अक्षय कुमार प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं। वहीं, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर और जैकी श्रॉफ भी अपने-अपने किरदारों में बेहद मजेदार दिखाई देते हैं।

फिल्म में बड़ा मोड़ तब आता है, जब परेश रावल की पूरी टीम एक गांव पहुंच जाती है। गांव के लोगों को लगता है कि सेना के जवान उन्हें बचाने आए हैं। इसी दौरान रवीना टंडन की एंट्री होती है।

ट्रेलर की खास बात यह है कि इसमें मुख्य कलाकारों की वास्तविक जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प और मजेदार संदर्भ भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को लंबे समय बाद पर्दे पर एक साथ देखना दर्शकों के लिए खास आकर्षण माना जा रहा है।

यह लोकप्रिय 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा सुनील शेट्टी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, कृष्णा अभिषेक, तुषार कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रवीना टंडन समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

# 'फूल और कांटे' में छेड़छाड़ को प्यार समझा गया था आज ऐसा करने वाला जेल पहुंच जाएगा : मधु

फिल्मों में महिलाओं को किस तरह दिखाया जाता है, यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में अभिनेता राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया, उसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इसी बहस के बीच 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री मधु ने फिल्मों में महिलाओं की प्रस्तुति और बदलते समय को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि सिनेमा हमेशा समाज का आईना होता है और समाज के बदलने के साथ फिल्मों को भी बदलना पड़ता है। आईएएनएस संग खास बातचीत में मधु ने कहा, "आज जिन चीजों को गलत माना जाता है, कभी वही चीजें फिल्मों में सामान्य और रोमांटिक समझी जाती थीं। मेरी सुपरहिट फिल्म 'फूल और कांटे' में जो दिखाया गया था, उसे उस समय लोगों ने प्यार और रोमांस माना था, लेकिन आज के दौर में वही व्यवहार छेड़छाड़ और उत्पीड़न माना जाएगा।

आज की फिल्मों में महिलाओं को महज एक वस्तु के तौर पर दिखाया जाता है, तो उन्होंने कहा, "यह सवाल केवल फिल्मों का नहीं, बल्कि समाज की सोच का भी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार उसी तरह बदलते हैं जैसे लोगों की सोच बदलती है। अगर समाज किसी चीज को स्वीकार नहीं करता, तो धीरे-धीरे वह फिल्मों से भी गायब होने लगती है।

अभिनेत्री ने कहा, 80 और 90 के दशक की फिल्मों में रेप सीन बहुत आम बात हुआ करते थे। लगभग हर दूसरी फिल्म में ऐसे सीन देखने को मिल जाते थे। उस दौर में इन सीन्स को लेकर ज्यादा सवाल नहीं उठाए जाते थे और न ही दर्शकों के बीच कोई बड़ी बहस होती थी। लेकिन आज का समय पूरी तरह बदल चुका है और अब ऐसे सीन्स को पहले की तरह स्वीकार नहीं किया जाता।

उन्होंने कहा, आज अगर किसी फिल्म में ऐसी घटना दिखाई भी जाती है, तो उसे बहुत सावधानी के साथ पेश किया जाता है। अब फिल्मकार इस बात का ध्यान रखते हैं कि किसी गंभीर विषय को दिखाते समय गलत संदेश न जाए।"मधु ने अपनी फिल्म 'फूल और कांटे' का जिक्र करते हुए कहा, फिल्म के शुरुआती गानों में हीरो और उसके दोस्त कॉलेज में लड़की का पीछा करते हैं, उसे परेशान करते हैं और सीटियां बजाते हैं। उस समय इन सीन्स को रोमांस का हिस्सा माना गया था, लेकिन अगर आज ऐसा कुछ होता, तो वह लड़का जेल में होता।

उन्होंने कहा, फिल्म में मेरा किरदार आखिरकार उसी लड़के से प्यार करने लगता है, जो उसे लगातार परेशान करता है। उस दौर में इसे प्रेम कहानी माना गया, लेकिन आज अगर कोई लड़का कॉलेज या किसी सार्वजनिक जगह पर किसी लड़की के साथ ऐसा व्यवहार करे, तो उसे गलत माना जाएगा। आज के लोग इसे छेड़छाड़ कहेंगे और उसे जेल में डाल देंगे।

मधु ने कहा, उस समय किसी ने यह नहीं कहा कि फिल्म छेड़छाड़ को बढ़ावा दे रही है। उल्टा दर्शकों ने फिल्म को खूब प्यार दिया और यह बड़ी हिट फिल्म बन गई। लेकिन आज का दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक है और वह ऐसी ीजों पर सवाल उठाता है।

मधु ने अपने बयान में कहा, सिनेमा हमेशा समाज की सोच को दिखाता है। जैसे-जैसे समाज बदलता है, वैसे-वैसे फिल्मों की कहानियां, किरदार और उन्हें दिखाने का तरीका भी बदलता है। आज लोगों के बीच महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को लेकर अधिक जागरूकता है, इसलिए फिल्मों को भी उसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

# कंगना रनौत स्टारर 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की तैयारियां तेज

फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस सुपरहिट सीरीज का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसी साल फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा। 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी पहले ही दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी है और अब इसके नए चैप्टर को लेकर आ रही है।

इरोज इनोवेशन ने अपनी नई कंटेंट रणनीति के तहत तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण 'इरोज ब्रम्ह्मांड' है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं से प्रेरित एक नया सिनेमाई ब्रह्मांड होगा। इसके तहत नौ ओरिजिनल प्रोजेक्ट्स तैयार किए जाएंगे। इनमें 'नंदी – वॉर ऑफ कैलाश', 'द्वारकाः गेटवे टू द यूनिवर्स', 'विमान वॉर्स', 'महाभारत 5000 एडी' 'यक्षिणी', 'ब्रह्मराक्षस', 'गरुड़', 'कुंभयन्न' और 'मनसा देवी' शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट्स को आपस में जोड़कर एक व्यापक और रोचक कहानी की दुनिया तैयार की जाएगा।

दूसरी पहल 'इरोज यूनिवर्स' है, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्म टाइटल्स को नए रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस सूची में 'तनु वेड्स मनु – द नेक्स्ट चैप्टर' के अलावा 'फोबिया', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'देसी बॉयज', 'रंगीला' और 'तेरे नाम' जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन कहानियों को फिल्मों, एनीमेशन, माइक्रोड्रामा और कैरेक्टर बेस्ड कंटेंट के जरिए नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।

तीसरी पहल 'इरोज रीमास्टर्ड' है, जिसकी शुरुआत रजनीकांत स्टारर फिल्म 'कोचादाइयां' से होगी। भारत की पहली मोशन-कैप्चर फीचर फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म को सौंदर्या रजनीकांत के रचनात्मक नेतृत्व में नए सिरे से रीस्टोर और रीइमैजिन किया जाएगा।

इरोज़ इनोवेशन के संस्थापक और चेयरमैन किशोर लुल्ला ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य पौराणिक कथाओं, लोकप्रिय फिल्मों और क्लासिक सिनेमा को एक मंच पर लाकर ऐसी कहानियां पेश करना है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ सकें। वहीं, को-फाउंडर और को-प्रेसिडेंट रिधिमा लुल्ला ने कहा कि यह नई कंटेंट लिस्ट कहानी कहने के नए और रचनात्मक तरीकों के प्रति कंपनी की महत्वाकांक्षा को दिखाती है।

# नागौद राजघराने की बहू पर फायरिंग, महिला गिरफ्तार

## मां बोलीं– दामाद उस लड़की को साथ रखा है, वो कहते रहे मारो–मारो

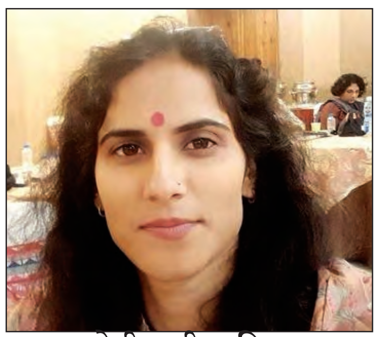
आरोपी सुनीता पिरहार

सतना, 12 जून (एजेंसियां)। सतना के नागौद राजघराने की बहू संयोगिता सिंह पर एक महिला ने फायरिंग कर दी। महिला ने नौ गोलियां मारीं। गोली संयोगिता के पेट में लगी। उन्हें गंभीर हालत में सतना फिर रीवा के विंध्या मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना गुरुवार की परसमनिया गढ़ी की है। पुलिस ने आरोपी सुनीता परिहार को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार संयोगिता सिंह, पूर्व मंत्री और नागौद से भाजपा विधायक नागेंद्र सिंह के भतीजे रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा की पत्नी हैं। बताया जा रहा है कि बाबा राजा और संयोगिता के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था।

इसी विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से संयोगिता के माता-पिता, भाई और अन्य परिजन राजस्थान के उदयपुर से नागौद पहुंचे थे। गुरुवार को दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही थी। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

संयोगिता की मां नरेंद्र कुमारी ने बताया कि गढ़ी में मौजूद सुनीता परिहार नामक महिला ने नौ फायर किए। उनका दामाद रूपेंद्र महिला से कह रहा था मारो-मारो। एक गोली संयोगिता के पेट में लगी। संयोगिता गंभीर गिर पड़ीं।

नरेंद्र कुमारी का कहना है कि उनके दामाद बाबा राजा ने सुनीता परिहार को साथ रखा है। वे पिछले करीब सात साल से साथ हैं। बेटी के ससुर के निधन के बाद से सुनीता यहीं आकर रहने लगी। हम बातचीत करने आए थे। दामाद ने बेटी को धक्के देकर निकाल दिया और दरवाजा बंद कर दिया। सुनीता ने खिड़की से फायरिंग की।

बाबा राजा

नरेंद्र कुमारी ने बताया कि संयोगिता का रात एक बजे तक ऑपरेशन किया गया। वो शुक्रवार सुबह 10 बजे होश में आई। नरेंद्र कुमारी ने आरोप लगाया कि पिछले साल सुनीता दो बार उनकी बेटी संयोगिता के गले पर बैठ गई थी।

अस्पताल के मुताबिक ऑपरेशन के बाद संयोगिता सिंह की हालत पहले से बेहतर है। डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। हालांकि, अभी भी उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। परिजन और राजपरिवार से जुड़े लोग अस्पताल में मौजूद हैं।

उधर, पुलिस ने घटना में इस्तेमाल लाइसेंसी राइफल को कब्जे में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई, गोली कैसे चली और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या थे, इसकी विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जैसे ही संयोगिता को गोली लगी, उनके परिजन आक्रोशित हो गए। गुस्साए परिजन ने बाबा राजा की जमकर पिटाई कर दी। गढ़ी में मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। काफी देर तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा, जिसके बाद लोगों ने परिजन को शांत कराया।

संयोगिता सिंह

# अखिलेश यादव बोले- चढ़ावे पर डकैती पड़ रही

## विरोध करने वालों का एनकाउंटर हो रहा, सपा शंकराचार्य के साथ है

कासगंज, 12 जून (एजेंसियां)। कासगंज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर के सवाल पर कहा कि चढ़ावे पर डकैती पड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में गैस सिलेंडर महंगा हुआ है, पेपर लीक हो रहे हैं। भाजपा वाले खुद को सनातनी बताते हैं, लेकिन ये सनातनी नहीं हैं। शंकराचार्य सरकार की कमियां बता रहे थे इसलिए उनके साथ गलत किया। सपा शंकराचार्य के साथ है। बीजेपी को अपना विरोध स्वीकार नहीं है। अगर कोई विरोध करेगा, तो उसका एनकाउंटर कर देंगे। कोई विरोध करेगा, तो उसे जेल भेज देंगे। अखिलेश यादव ने सपा के पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह यादव के उर्मिला गार्डन का उद्घाटन किया। देवेंद्र यादव लोकसभा 2024 चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन आज अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा में घर वापसी की।

अखिलेश यादव दोपहर 1 बजे कासगगंज पहुंचे। उन्होंने सपा के पूर्व सांसद कुंवर देवेंद्र सिंह यादव के उर्मिला गार्डन का उद्घाटन किया। देवेंद्र सिंह यादव ने दोबारा से सपा में वापसी की। 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले देवेंद्र सिंह यादव भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि, भाजपा में करीब सवा दो साल बिताने के बाद भी पार्टी में उचित कद व सम्मान न मिलने से आहत रहे। अखिलेश ने कहा कि जो सरकार चल रही है वो सिर्फ लूटने के लिए चल रही है। इतना लूटने का काम तो पहले किसी सरकार में नहीं हुआ। महंगाई ने हमारे किसानों की खुशियों को खत्म कर दिया है। साल 2014 में पेट्रोल की क्या कीमत थी और आज क्या कीमत है! आज जो पेट्रोल आपको मिल रहा है वो भी 20% मिलावट वाला मिल रहा है।

अगर इनसे सवाल करो तो भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते हैं कि वैश्विक कारणों और युद्ध की वजह से डीजल, पेट्रोल और सिलेंडर महंगा हो रहा है। भाजपा की जो विदेश नीति चल रही है, यह उसी का परिणाम है कि आज भारत की जनता को इस कमरतोड़ महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपाई बेईमानी नहीं करते तो आज दिल्ली में और डबल इंजन की सरकार नहीं होती। बहुत जगह इन्होंने बेईमानी की है।

अखिलेश को एक बाबा ने मंच पर मुकुट पहनाया, जिस पर अखिलेश बोले ये बाबा जिन्होने मुकुट पहनाया ये हमशक्ल किसी ओर के भी लगते हैं। मुकुट पहनाने से ज़्यादा उनका इंटरेस्ट था कि उनकी फोटो खिंच जाए और रील बन जाए। रील के लिए बाबा जी अपना आध्यात्मिक काम छोड़कर सोशल मीडिया पर असर डाल रहे हैं।

पंचायत चुनाव में यह देरी हो रही है, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का फार्मूला फेल हो गया है। गांव के लोग तैयार हैं बीजेपी को सबक सिखाने के लिए क्योंकि उन्हें खाद की बोरी नहीं मिल रही, डीजल नहीं मिल रहा, पेट्रोल महंगा हो गया। स्मार्ट मीटर बना करके तुम लूटने की तैयारी में थे, इसलिए यह गांव में नहीं घुस सकते। यह लीकेज वाले लोग हैं, इनके बहुत लीकेज हैं। जनता इन्हें बंद करेगी।

# केंद्रीय मंत्री को शगुन के 100 रुपए देकर महिला बोली:'आप मेरे भांजे लगते हो,लेने होंगे'

## वन मंत्री ने कहा– 'ले लो मामी दे रही हैं'

अलवर, 12 जून (एजेंसियां)। 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान में आपसी रिश्तों का प्यार और सम्मान देखने को मिला। शिविर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राज्य के वन मंत्री संजय शर्मा भी पहुंचे थे। माहौल उस वक्त भावुक हो गया, जब एक बुजुर्ग महिला ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को अपना भांजा बताते हुए शगुन के 100 रुपए दिए। महिला बोली- भैया, आप मेरे भांजे लगते हो। ये 100 रुपए तो आपको लेकर ही जाने होंगे।'' पास ही खड़े वन राज्य मंत्री संजय शर्मा भी बोले, 'ले लो मामी दे रही हैं।'

इसके बाद मंत्री ने शगुन के पैसे रखकर हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर आशीर्वाद लिया। महिला अपने जमीन से जुड़े विवाद को लेकर शिविर में पहुंची थी। उनका कहना था कि वे हरियाणा से बीजेपी के एमएलए अनिल यादव की बहन है।

यूआईटी में 'प्रशासन शहरों के संग' शिविर में कई लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे थे। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वन मंत्री संजय शर्मा ने भी पहुंचकर शिविर का जायजा लिया।

दोनों जैसे ही शिविर से बाहर आने लगे एक बुजुर्ग महिला अनीता यादव ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का हाथ पकड़ लिया।

महिला ने अपनी जेब से 100 रुपए का नोट निकाला और मंत्री के हाथ में थमाने लगी। मंत्री को इस तरह पैसे दिए जाते देख वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी और अधिकारी एक पल के लिए दंग रह गए।

महिला मुस्कुराई और बोली- भैया, आप मेरे भांजे लगते हो। ये 100 रुपए तो आपको लेकर ही जाने होंगे। इसके बाद मंत्री ने भी मुस्कुराते हुए सिर झुकाकर उनका आशीर्वाद लिया और शगुन के 100 रुपए अपनी जेब में रख लिए। वहां मौजूद वन मंत्री संजय शर्मा भी हंसते हुए बोले कि मैं भी तो भांजा हूं।

बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह गुरुग्राम से आई है। अलवर के खुदनपुरी में उनकी मेहनत की कमाई से खरीदी गई जमीन है। उनकी 11 बीघा जमीन पर मेव समाज के लोगों ने कब्जा कर लिया है। फर्जी तरीके से पट्टे ले रहे हैं। यूआईटी में शिकायत के बावजूद उनकी जमीन पर पट्टे देना बंद नहीं किया है। न उनको जमीन का हक दिलाया जा रहा है।

महिला ने कहा कि उनका भाई अनिल यादव हरियाणा से बीजेपी के एमएलए हैं। इसके बाद भी मैंने कोई अप्रोच नहीं लगाई है। केंद्रीय मंत्री ने यूआईटी सचिव से कहा कि इनका मामला दिखवाइए।

# सहायक प्रबंधक को सीबीआई ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

## कियोस्क अनुमति के बदले मांगे थे 10 हजार रुपए; हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही टीम

शहडोल, 12 जून (एजेंसियां)। शहडोल में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहायक प्रबंधक अभ्यंकर शर्मा को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जबलपुर की टीम ने की। प्रबंधक को बैंकिंग कियोस्क संचालन की अनुमति देने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में पकड़ा गया है।

यह कार्रवाई शहडोल निवासी दीपेंद्र सिंह की शिकायत पर की गई। फरियादी ने जिले में चार बैंकिंग कियोस्क खोलने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में आवेदन किया था। आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ सहायक प्रबंधक अभ्यंकर शर्मा ने प्रस्ताव स्वीकृत करने और आवश्यक अनुमति जारी करने के एवज में 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

रिश्वत की लगातार मांग से परेशान होकर फरियादी ने सीबीआई जबलपुर इकाई के पुलिस अधीक्षक एस.के. राठी से शिकायत की। शिकायत के प्रारंभिक सत्यापन के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की योजना बनाई।

योजना के तहत गुरुवार को शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम लेकर बैंक अधिकारी से मिलने पहुंचे। बताया गया कि प्रबंधक ने बैंक परिसर के बाहर गुरुद्वारे के पास दीपेंद्र सिंह से 10 हजार रुपए लिए। जैसे ही उसने रिश्वत की राशि अपने कब्जे में ली, पहले से निगरानी कर रही सीबीआई टीम ने उसे मौके पर ही धर दबोचा।

सीबीआई अधिकारियों ने प्रबंधक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं और रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। सूत्रों के अनुसार, प्रबंधक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

आरोपी सहायक प्रबंधक ग्वालियर का रहने वाला है, जिसके चलते सीबीआई टीम ने उसके ग्वालियर स्थित आवास पर भी छापामार कार्रवाई की है। सीबीआई की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है।

# पाउडर की बोरियों के नीचे छिपाकर गांजा तस्करी

## ट्रक से 10 करोड़ का गांजा पकड़ाया, लाइव ट्रैकिंग पर था मास्टरमाइंड

बलरामपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश की सीमा पर पुलिस ने नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार तड़के 3 बजे एक 16 चक्का ट्रक को जब्त किया है। यूपी बॉर्डर के चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर पकड़े गए इस ट्रक से 50 से अधिक बोरियों में भरा करीब 20 क्विंटल गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

बसंतपुर थाना पुलिस ने मौके से गांजा तस्करी गिरोह के मुख्य सरगना (ट्रक मालिक) सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पिछले 5 महीने से इस मास्टरमाइंड की तलाश में थी, जिसे ट्रेस करने के बाद यह कामयाबी मिली। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि गांजे की यह बड़ी खेप ओडिशा से लोड हुई थी, जो छत्तीसगढ़ के कई जिलों को पार करते हुए उत्तर प्रदेश ले जाई जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब तीन बजे यूपी सीमा पर स्थित धनवार चेकपोस्ट पर एक तेज रफ्तार 16 चक्का ट्रक गुजर रहा था। पहले से अलर्ट बसंतपुर पुलिस ने जब ट्रक को रोककर जांच शुरू की, तो उसका ड्राइवर और हेल्पर हड़बड़ा गए।

शक होने पर जब पुलिस टीम ने ट्रक में लोड सामान की तलाशी ली, तो दंग रह गई। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए ट्रक के निचले हिस्से में गांजे की बोरियां बिछाई थीं और उन्हें छिपाने के लिए ऊपर से प्लास्टिक की बोरियों में कोई पाउडर भर दिया था। इसके बाद पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर मौके पर बुलाया।

5 महीने पहले बलरामपुर पुलिस ने एक ट्रक से 6 करोड़ रुपए का 12 क्विंटल गांजा जब्त किया था। उस वक्त पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया था, जो ओडिशा के बलांगीर से छत्तीसगढ़ के रास्ते राजस्थान गांजा ले जा रहे थे। उस मामले की पूछताछ में खुलासा हुआ था कि इस पूरे अंतर्राज्यीय नेटवर्क का मुख्य सरगना और मास्टरमाइंड उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी लोकेश कुमार है, जो ट्रक का मालिक भी है। लोकेश पिछले 5 महीनों से लगातार फरार चल रहा था। साइबर सेल से इनपुट मिला कि मुख्य आरोपी लोकेश कुमार खुद ओडिशा से माल लोड कराकर सरगुजा के रास्ते बलरामपुर की ओर आ रहा है।

# यूपी में आंधी–बारिश, सड़कें डूबीं, अस्पताल में पानी भरा

## पेड़–पोल उखड़े, 15 शहरों में बरसात, 75 जिलों में अलर्ट

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। गुरुवार देर रात से आगरा, मथुरा, सहारनपुर, हापुड़, शामली और हाथरस में रुक-रुक कर जोरदार बारिश हुई। सहारनपुर में तूफान के साथ इतनी बारिश हुई कि सड़कें डूब गईं। लोगों के घुटनों तक पानी भर गया। बारिश का पानी घरों में घुस गया।

शामली में नगर पालिका परिसर, अस्पतालों में कमर तक पानी भर गया। हापुड़ में भी आंधी चली। हाथरस में पेड़ और पोल उखड़ गए। घंटों बिजली गुल रही। शुक्रवार तड़के बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, फर्रुखाबाद, एटा, बिजनौर और बागपत में झमाझम बारिश हुई। लखनऊ में बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई है।

आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 16 जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया है। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ने लगा है। ऐसे में आंधी-बारिश का सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा। लोग खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

बीते 24 घंटे की बात करें तो गोरखपुर-मेरठ समेत 52 शहरों में आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान 4.9 मिमी बारिश हुई। जबकि, वैज्ञानिकों ने महज 1.5 मिमी बारिश का अनुमान लगाया था। हालांकि, एक से 11 जून के बीच बारिश ने मायूस किया है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि 11.8 मिमी बारिश हुई। 17.3 मिमी बरसात होनी चाहिए थी।

# कांकेर में बिजली गिरने से उप-सरपंच समेत 3 की मौत

## कोरबा में दंपती पर गिरा पेड़, पति ने तोड़ा दम, बालोद में गिरा मोबाइल टावर

रायपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले 2-3 दिनों में मानसून की एंट्री हो सकती है, जिससे मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। इसी बीच शुक्रवार सुबह कांकेर के अंतागढ़ में मनरेगा कार्य के दौरान पेड़ के नीचे खड़े ग्रामीणों पर बिजली गिर गई। हादसे में उप सरपंच समेत 3 लोगों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए।

वहीं कोरबा के लेमरू थाना क्षेत्र में भी तेज आंधी-तूफान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अपनी लापता बकरी को खोजने जंगल गए पति-पत्नी पर पेड़ गिर गया। हादसे में शिवरतन माझी (54) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी सुशीला बाई (50) घायल हो गई। महिला का अस्पताल में इलाज जारी है।

बालोद में भी शुक्रवार तड़के आंधी-तूफान से भेड़िया नवागांव स्थित 131 फीट ऊंचा टावर गिर गया। यहां अंधड़ से 50 से अधिक पेड़ उखड़ गए और 11 से ज्यादा बिजली के पोल टूट गए, 15 गांव में ब्लैकआउट है। मुंगेली में गुरुवार शाम आए आंधी से शराब दुकान का शेड हवा में उड़ गया।

रायपुर में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जबकि सरगुजा और कोरबा में जमकर बादल बरसे, जिससे अधिकतम तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटे में राजनांदगांव 43 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, वहीं मौसम विभाग ने आज भी पूरे प्रदेश में अंधड़ और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है।

# समस्तीपुर में शख्स का गला काट डाला

## बकरा काटने वाले चाकू से कई बार किया वार; आरोपी के खौफ से पुलिस पीछे हटी

समस्तीपुर, 12 जून (एजेंसियां)। समस्तीपुर के मोहिउद्दीन नगर में एक शख्स ने बकरा काटने वाले धारदार चाकू से एक अधेड़ की गला काटकर हत्या कर दी।

घटना से जुड़ा एक लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में आरोपी चाकू लेकर अधेड़ पर ताबड़तोड़ हमला करता दिख रहा है।

घटना पतसिया घटाहा इलाके में गंगा नदी के किनारे की है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन गुरुवार रात उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पतसिया घटाहा गांव के 55 साल के दामोदर शर्मा, जबकि आरोपी की पहचान 45 साल के रंजीत के रूप में हुई है। मृतक दामोदर के शरीर पर धारदार हथियार से 8 जगह हमले के निशान पाए गए हैं। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक, दामोदर की सांस की नली पूरी तरह से कट गई थी, जिस कारण उसकी मौत हुई है।

घटना से जुड़े लाइव वीडियो के अलावा, दो और वीडियो भी सामने आया है। आरोपी की ओर से हमले का लाइव वीडियो 55 सेकेंड का है, जिसमें आरोपी धारदार हथियार लेकर अधेड़ के पास खड़ा दिख रहा है।

दूसरा वीडियो 30 सेकेंड का है, जिसमें आरोपी को पकड़कर पुलिस उसकी पिटाई करती दिख रही है, जबकि तीसरा वीडियो 22 सेकेंड का है, जिसमें घायल लहूलुहान हालत में जमीन पर तड़पता दिख रहा है। चाकू लिए आरोपी का खौफ इतना था कि लोकल पुलिस उसे पकड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। एसटीएफ की टीम आई तब उसे पकड़ा।

# जमीनी विवाद में फायरिंग, 10 लोग घायल

## मुरार गांव में 2 गुटों में हुआ खूनी संघर्ष, गांव में पुलिस बल तैनात

डीग, 12 जून (एजेंसियां)। डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र के मुरार गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे जमीनी विवाद को लेकर 2 गुटों में खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान हुई फायरिंग में 10 लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार यह विवाद सोहन लाल और सर्वसुख पक्षों के बीच हुआ। विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कथित तौर पर फायरिंग की, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

इस फायरिंग में कुल 10 महिला-पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

घायलों में से 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भरतपुर के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही कामां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, जो शुक्रवार को हिंसक हो गया। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

# छत्तीसगढ़ में मोहर्रम-उर्स में डीजे, बैंड और आतिशबाजी पर रोक

## 50 हजार लगेगा जुर्माना, वक्फ बोर्ड बोला– शरीयत के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जाएं

रायपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मोहर्रम-उर्स में डीजे, बैंड-बाजा और आतिशबाजी पर रोक लगा दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने पर 50 हजार तक का जुर्माना लगेगा। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने ये निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने प्रदेश की सभी ताजिया कमेटियों, दरगाह कमेटियों, उर्स कमेटियों, मुतवल्लियान और इंतेजामिया कमेटियों से कहा है कि, सभी धार्मिक कार्यक्रम केवल कुरान, हदीस और शरीयत के मुताबिक ही आयोजित किए जाए। बोर्ड ने आगे कहा कि मोहर्रम, उर्स और अन्य धार्मिक आयोजनों में डीजे, धुमाल, बैंड-बाजा, नाच-गाना, आतिशबाजी और अन्य गैर-शरीयत गतिविधियों की किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं होगी। धार्मिक आयोजनों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना सभी संबंधित समितियों की जिम्मेदारी है। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि किसी जुलूस, उर्स या धार्मिक कार्यक्रम में बैन गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित समिति और उसके जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# स्कूल में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

## चंदौली में क्लासमेट चाकू लेकर पहुंचा, सीने पर वार किए, बाकी स्टूडेंट डरकर भागे

चंदौली, 12 जून (एजेंसियां)। यूपी के चंदौली में 10वीं के छात्र की शुक्रवार सुबह स्कूल में हत्या कर दी गई। वारदात को क्लासमेट ने अंजाम दिया। आरोपी छात्र कमर में चाकू छिपाकर क्लास पहुंचा। वहां उसने सीने पर चाकू से वार किए। अचानक हुए हमले में लवकुश यादव (17) संभल नहीं पाया। खून से लथपथ होकर वह वहीं गिर गया। क्लासरूम में हुई चाकूबाजी से भगदड़ मच गई। टीचर-स्टूडेंट्स क्लास छोड़कर भाग गए। शोर-शराबा हुआ तो बाकी टीचर मौके पर पहुंचे। घायल छात्र को जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी छात्र भी नाबालिग है। उम्र 17 साल है। पुलिस ने वारदात के बाद वो क्लास में खड़ा रहा। टीचर ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उसने अपना जुर्म कबूल किया है। थाने में उसने भास्कर रिपोर्टर को वारदात की वजह भी बताई है।

मृतक छात्र के पिता बबलू यादव और उसकी मां विमला गुरुवार को अयोध्या गए थे। बेटे की हत्या की सूचना मिलने के बाद चंदौली लौट रहे हैं। वारदात जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रतापपुर गांव की है।

# पुष्कर सरोवर में मिले युवक-युवती के शव

## गुर्जर घाट के पास तैरते मिले, तीर्थ पुरोहित पूजन करने आए तो चला पता; 2 से 3 दिन पुराने हैं शव

पुष्कर, 12 जून (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पुष्कर सरोवर के गुर्जर घाट के पास पानी में 2 शव तैरते मिले। शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे, जब घाट पर मौजूद स्थानीय तीर्थ पुरोहितों ने शवों को देखा तो पुलिस को सूचना दी। शव युवक-युवती के है।

पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया - सुबह घाट पर पूजा करने आए तीर्थ पुरोहितों ने शवों को देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद सुबह करीब 6 बजे टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से 15 मिनट में शवों को बाहर निकलवा लिया गया। एएसआई गोविंद शर्मा ने बताया - शव 2-3 दिन पुराने हैं, जो अब फूलने के बाद ऊपर आए है। दोनों शवों को पुष्कर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

पुलिस ने बताया की मौके से युवती का आधार कार्ड बरामद किया गया है, जिसके आधार पर शवों की शिनाख्त की जा रही है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही हो सकेगा।

# ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत

## अमेरिकी अदालत ने 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ वसूली जारी रखने की दी अनुमति

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई के बीच ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। वॉशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने फैसला दिया है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक अमेरिकी सरकार दुनिया भर से आने वाले सामान पर लगाए गए 10 प्रतिशत टैरिफ की वसूली जारी रख सकती है।

अदालत के इस फैसले को ट्रंप प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है, क्योंकि इससे सरकार को फिलहाल अपनी व्यापार नीति लागू रखने का रास्ता मिल गया है।

**निचली अदालत ने बताया था अवैध**

पिछले महीने न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने छोटे कारोबारियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए इन टैरिफ को अवैध करार दिया था। अदालत की बहुमत पीठ ने माना था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों की सीमा से आगे बढ़कर यह कदम उठाया है। अदालत ने कहा था कि टैरिफ लगाने का यह फैसला कानून द्वारा अधिकृत नहीं था।

**अपील अदालत ने क्यों दी राहत?**

अपील अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन की दलीलें पहली नजर में मजबूत दिखाई देती हैं और सरकार का पक्ष अंतिम सुनवाई में सफल हो सकता है। इसी आधार पर अदालत ने अंतिम निर्णय आने तक टैरिफ वसूली जारी रखने की अनुमति दे दी।

**क्या है पूरा मामला?**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल फरवरी में दुनिया के अधिकांश देशों से आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ लगाया था। यह फैसला 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत लिया गया था। यह प्रावधान राष्ट्रपति को सीमित अवधि के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत तक वैश्विक आयात शुल्क लगाने की अनुमति देता है। हालांकि इसकी अवधि 150 दिनों तक ही सीमित होती है, जिसके बाद इसे जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होती है।

**व्यापार घाटे को लेकर बहस**

इस मामले का एक बड़ा पहलू यह भी है कि क्या अमेरिका का व्यापार घाटा अंतरराष्ट्रीय भुगतान संबंधी गंभीर समस्या की श्रेणी में आता है या नहीं।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि बढ़ता व्यापार घाटा अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है, जबकि विरोधी पक्ष इस व्याख्या से सहमत नहीं है।

**सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकता है मामला**

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला अंततः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा होता है तो वहां से आने वाला फैसला अमेरिका की व्यापार नीति और राष्ट्रपति के आर्थिक अधिकारों को लेकर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

# 15 जून के पहले निपटा लें ये सरकारी काम

## नहीं तो होगा भारी नुकसान, लगेगी पेनल्टी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। जून का महीना खास है. ये टैक्सपेयर्स के लिए और भी स्पेशल है. इस महीने में एडवांस टैक्स की डेट है. बता दें कि एडवांस टैक्स की पहली किस्त जमा करने की आखिरी डेट 15 जून 2026 है. वो करदाता जिनकी सलाना टैक्स देनदारी 10000 से ज्यादा है, उन्हें समय ये इसका भुगतान कर देना चाहिए. समय पर भुगतान नहीं करने से ज्यादा ब्याज देना पड़ता है.

**क्या है एडवांस टैक्स?**

एडवांस टैक्स, इनकम टैक्स का अग्रिम भुगतान है, जो साल के अंत में एकसाथ चुकाने की बजाय सालभर किस्तों में चुकाया जाता है. एडवांस टैक्स को कमाओ और कर चुकाओ योजना भी कहते हैं. अगर आपकी देनदारी 10000 से ज्यादा है तो आपको इसका भुगतान करना जरूरी है.

**कौन देते हैं एडवांस टैक्स?**

एडवांस टैक्स कारोबारी के साथ- साथ नौकरीपेशा लोग भी भरते हैं. जैसे कई बार आपको बैंक एफडी, किराए से आय, कैपिटल गेन, डिविडेंट आय या फ्रीलांसिंग से कमाई पर टैक्स देना होता है.

**एडवांस टैक्स भरने की तारीख-**

जिस तरह एडवांस टैक्स के पहले किस्त को भरने की पहली तारीख 15 जून है, जिसमें 15 प्रतिशत टैक्स भरना होता है, वैसे ही दूसरी किस्त भरने की डेट 15 सितंबर (45%) और तीसरी किस्त भरने की डेट 15 दिसंबर (75%) और चौथी किस्त भरने की डेट 15 मार्च (100%) है.

**एडवांस टैक्स समय पर नहीं भरा तो क्या होगा?**

समय पर एडवांस टैक्स नहीं भरने से या कम राशि भरने से आयकर धारा 234बी और 234सी के तरह ज्यादा ब्याज भरना पड़ता है.

**घर से एडवांस टैक्स कैसे भरे?**

खुद से एडवांस टैक्स ऑनलाइन भरने के लिए सबसे पहले ई- फाइलिंग पोर्टल पर डाएं और ई- पे टैक्स सेक्शन पर क्लिक करें. अब आपको इसमें एसेसमेंट साल, टैक्स टाइप (एडवांस टैक्स) और चालान 280 चुनें. फिर अपना पैन नंबर और बाकि की जानकारी भी भरे. इसके बाद आपको डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से भुगतान करना होगा. जैसे ही ट्रांजेक्शन पूरा हो जाएगा, एक चालान रसीद मिलेगी. इस रसीद को आपको संभालकर रखना है.

# शेयर बाजार का बदला मिजाज

## सेंसेक्स 1695 अंक चढ़ा, निफ्टी 23600 के पार

मुंबई,12 जून (एजेंसियां)। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल देखा गया और निवेशकों के लिए यह कारोबारी हफ्ता एक बड़ी खुशखबरी के साथ खत्म हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग दो फीसदी से ज्यादा की छलांग ने बाजार के सेंटीमेंट को पूरी तरह से जोखिम लेने के लिए तैयार कर दिया है।आइए आसान भाषा में समझते हैं कि आखिर बाजार में इस ऐतिहासिक तेजी की वजह क्या रही और किन सेक्टर्स ने निवेशकों को मालामाल किया।

**शेयर बाजार में आज कितनी बड़ी तेजी दर्ज की गई?**

शुक्रवार के कारोबारी सत्र के अंत में, बीएसई सेंसेक्स ने 1,695.40 अंकों (2.29%) की लंबी छलांग लगाई और यह 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 461.31 अंक (1.99%) उछलकर 23,622.90 के पार जाकर बंद हुआ।

**बाजार की इस तूफानी तेजी के पीछे मुख्य चार कारण क्या हैं?**

बाजार में इस शानदार और आक्रामक खरीदारी के पीछे मुख्य रूप से चार फैक्टर काम कर रहे हैं: अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीदः अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि इस वीकेंड तक अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं, जिससे भू-राजनीतिक तनाव कम होने की भारी उम्मीद जगी है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावटः अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम तेजी से गिरे हैं, जो भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी राहत की खबर है। ग्लोबल मार्केट्स में शानदार रैलीः दुनिया भर के शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार की धारणा पर भी पड़ा।

रुपये में मजबूतीः अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये ने शानदार वापसी की है।

**किन सेक्टर्स और शेयरों ने निवेशकों को सबसे ज्यादा मुनाफा कराया?**

मार्केट में चौतरफा खरीदारी (ब्रॉड-बेस्ड बाइंग) देखने को मिली। इंडेक्स में श्रीराम फाइनेंस के शेयर 8% तक उछले, जबकि लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) में 5% की तगड़ी तेजी दर्ज की गई। सेक्टर्स की बात करें तो रियल्टी सेक्टर ने बढ़त का नेतृत्व किया, जिसके बाद ऑटो, मीडिया और फाइनेंशियल सर्विसेज में जमकर खरीदारी हुई। बैंक शेयरों ने बाजार को मजबूत सपोर्ट दिया, जबकि एफएमसीजी, फार्मा और हेल्थकेयर जैसे डिफेंसिव सेक्टर्स में भी अच्छी बढ़त रही। हालांकि, इस तूफानी तेजी के बीच आईटी सेक्टर में केवल मामूली बढ़त ही देखने को मिली।

**रुपये और अंतरराष्ट्रीय बाजारों का हाल कैसा रहा?**

डॉलर के मुकाबले रुपया 72 पैसे मजबूत होकर 95.13 (प्रोविजनल) के स्तर पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर भी भारी हरियाली छाई रही। एशियाई बाजारों में, एशिया पैसिफिक इंडेक्स 2.6% और एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स 2.7% चढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.7%, जापान का टॉपिक्स 1.4%, और ऑस्ट्रेलिया का S&P/ASX 200 इंडेक्स 1.8% की बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोप में भी यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स 1.5% ऊपर थे। वैश्विक बाजार की तेजी के बीच एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ब्लॉकबस्टर आईपीओ की कीमत 135 डॉलर तय कर दी गई है। इसके चलते एलन मस्क की कुल नेटवर्थ 980 अरब डॉलर के पार पहुंच गई है।

# कुछ तो गड़बड़ है: आरबीआई के गवर्नर रहे रघुराम राजन ने जीडीपी ग्रोथ के आंकडों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,12 जून (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। लेकिन आरबीआई के गवर्नर रहे रघुराम राजन ने आर्थिक विकास के आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि क्या भारत के मजबूत आर्थिक वृद्धि के आंकड़े जमीनी हकीकत को पूरी तरह से दिखाते हैं। उनका तर्क है कि कम कॉर्पोरेट निवेश और घटते विदेशी निवेश सरकारी आंकड़ों के साथ मेल नहीं खाते हैं।

राजन ने एक इंटरव्यू में कहा कि हेडलाइन ग्रोथ नंबरों और बिजनेस बिहेवियर के बीच लगातार एक अंतर बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह समझ नहीं आता। अगर अर्थव्यवस्था इस रफ्तार से बढ़ रही होती, तो आप निश्चित रूप से ज्यादा निवेश की उम्मीद करते। कुछ तो गड़बड़ है।'

भारत संशोधित जीडीपी सीरीज के तहत मजबूत आर्थिक ग्रोथ की रिपोर्ट कर रहा है। इसमें 2022-23 को नया बेस ईयर माना गया है।

**अबूझ पहेली**

भारत की इकॉनमी फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में 7.7% बढ़ी, जो एक साल पहले 7.1% थी। इसी तरह जनवरी-मार्च तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.8% रही जबकि पिछली तिमाही में यह 8% थी। राजन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे बड़े अनसुलझे सवालों में से एक कॉर्पोरेट निवेश की कमी है।

उन्होंने कहा, 'कॉर्पोरेट निवेश में तेजी क्यों नहीं आई, यह 10 साल पहले भी एक पहेली थी। आज भी यह एक पहेली है। इस तरह की ग्रोथ का एकमात्र जवाब यही है कि पिछले 10 साल में सरकारी आंकड़ों में हमने जिस तरह की ग्रोथ देखी है, शायद हम उन आंकड़ों के मुकाबले कम तेजी से बढ़ रहे हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें सरकारी जीडीपी डेटा पर भरोसा है, आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि कंपनियों द्वारा लिए गए निवेश के फैसले इस बात पर संदेह पैदा करते हैं कि क्या ये आंकड़े आर्थिक हकीकत को पूरी तरह से दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों के निवेश न करने से पता चलता है कि उन्हें वैसी मांग नहीं दिख रही है जो इन ग्रोथ नंबरों के हिसाब से होनी चाहिए। इससे पता चलता है कि ग्रोथ नंबर पूरी तरह से यह नहीं बताते कि अर्थव्यवस्था असल में कैसा प्रदर्शन कर रही है।

हाल में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में भारी बिकवाली की है। इस पर राजन ने कहा कि एफडीआई में कमी और कम कैपिटल इनफ्लो इस बात का संकेत है कि घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेशक सतर्क बने हुए हैं। उन्होंने कहा, 'एफडीआई में काफी गिरावट आई है। वे भारत में फैक्ट्री बनाने के लिए पैसा नहीं ला रहे हैं। पोर्टफोलियो निवेशक बिकवाली कर रहे हैं और बाहर निकल रहे हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में भरोसे की कमी को दिखाता है।'

# एक दिन में 274 अरब की कमाई!

## अंबानी-अडानी की कुल नेटवर्थ से ज्यादा कमा गए एलन मस्क

नई दिल्ली,12 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की आज लिस्टिंग होगी। कंपनी के 75 अरब डॉलर के मेगा आईपीओ को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। केवल रिटेल पोर्शन को 70 अरब डॉलर की बिड मिल चुकी है। स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले ही मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 274 अरब डॉलर की उछाल आई जो गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की कंबाइंड नेटवर्थ से ज्यादा है। इसके साथ ही वह 971 अरब डॉलर के साथ दुनिया के पहले ट्रिलिनेयर बनने के करीब पहुंच गए हैं।

माना जा रहा है कि स्पेसएक्स की लिस्टिंग से मस्क की नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच जाएगी। स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी की कीमत करीब 866 अरब डॉलर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में गुरुवार को 274 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 351 अरब डॉलर की तेजी आई है। नेटवर्थ के मामले में दूर-दूर तक कोई भी मस्क के आसपास नहीं है। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 304 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

**कहां से होती है कमाई?**

दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में जन्मे 54 साल के मस्क पेशे से इंजीनियर हैं। 1997 में यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया से ग्रेजुएशन करने के बाद वह 2008 में टेस्ला के सीईओ बने। टेस्ला और स्पेसएक्स के अलावा उन्होंने पांच और कंपनियां स्थापित की हैं। इनमें टनलिंग स्टार्टअप बोरिंग कंपनी और ब्रेन इम्प्लांट मेकर न्यूरालिंक शामिल हैं। उनकी कमाई का मुख्य जरिया टेस्ला और स्पेसएक्स में हिस्सेदारी है।

**अंबानी-अडानी की नेटवर्थ**

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 3.90 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 112 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 27.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। मुकेश अंबानी 83.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 23वें नंबर पर हैं।

# चांदी आज 9,704 बढ़कर 2.42 लाख पर पहुंची

## इस साल कीमत 14 हजार बढ़ी, सोना 2,827 महंगा होकर 1.48 लाख/10ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज (12 जून) को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 9,704 रुपए बढ़कर 2.42 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.33 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,827 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 11 जून को इसकी कीमत 1,45 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना-चांदी में ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद बढ़ने से आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, महंगाई का डर कम हुआ और डॉलर कमजोर पड़ा, जिससे निवेशक सोने-चांदी की तरफ लौटे हैं।

# ट्रेन का कंफर्म टिकट मिलेगा! रेल मंत्री की नई घोषणा

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि सरकारी कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन की नई और पहले से बेहतर वेबसाइट अगले महीने शुरू हो जाएगी। आम जनता इसका लाभी 15 जुलाई तक ले सकेंगे। फिलहाल इसकी वेबसाइट चल तो रही है लेकिन जब लोगों की ज्यादा डिमांड होती है तो यह काम करना बंद कर देती है।

रेल मंत्री जयपुर में मालवीय नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। इस बारे में रेलवे के अधिकारियों ने एक वीडियो शेयर किया है।

एमएनआईटी के विद्यार्थियों से बातचीत के क्रम में एक छात्रा ने आईआरसीटीसी के कैपचा की दिक्कत दूर करने की मांग की। उसके बाद वह किसी वरिष्ठ अधिकारी को फोन करते दिखते हैं। वह कहते हैं कि विद्यार्थियों की डिमांड है कि आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट बने। क्या इसे एक महीने में लॉन्च कर देंगे? फिर वह उस छात्रा से कहते हैं कि 15 जुलाई तक नई वेबसाइट की लॉन्चिंग हो जाएगी।

इस समय आईआरसीटीसी की टिकटिंग वेबसाइट https://www.irctc.co.in/ में ढेरों दिक्कतें झेलनी पड़ती है। यह दिक्कत तब होती है जबकि सुबह आठ बजे दो महीने बाद की बुकिंग खुलती है। साथ ही सुबह 10 बजे और 11 बजे, जबकि तत्काल टिकटों की बुकिंग खुलती है।

जब पीक ऑवर्स होते हैं तो साइट क्रैश होना आम है ही। ऐसे पीक समय में जब कैपचा और ओटीपी के लिए ग्राहकों को परेशान किया जाता है तो ज्यादा दिक्कत होती है। जब तक आम व्यक्ति इन औपचारिकताओं को पूरी करता है, तब तक कंफर्म टिकट खत्म हो जाता है।

साल 2002 में जब ट्रेन के टिकटों की इंटरनेट से बुकिंग की सेवा शुरू की गई थी तो एक दिन में महज कुछ सौ टिकटें इस पर बिकती थीं। लेकिन अब यही रेलवे की टिकट बेचने का प्रमुख जरिया है।

# खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93% पर

## जानिए क्यों आम आदमी की जेब पर पड़ रहा बोझ

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि से देश में खुदरा महंगाई दर बढ़कर मई महीने में 3.93% पर पहुंच गई है। महंगाई में तेजी के बावजूद यह लगातार 16वें महीने में आरबीआई की सीमा 4% से नीचे बनी रही। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश में महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ाया है। मई महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 फीसदी हो गई है। यह पिछले महीने अप्रैल की 3.48 फीसदी से अधिक है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि इसका कारण बनी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खाद्य महंगाई मई में 4.78 फीसदी रही। अप्रैल में यह 4.2 फीसदी थी। यह वृद्धि सीधे तौर पर रसोई के बजट को प्रभावित कर रही है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को अधिक खर्च करना पड़ रहा है। खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर इसका अधिक असर दिख रहा है। महंगाई का यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है। सरकार ने रिजर्व बैंक को महंगाई को चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है। इसमें दो फीसदी ऊपर या नीचे का मार्जिन भी शामिल है। यह लक्ष्य अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ती महंगाई से आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। कीमती धातु के आभूषण, टमाटर और अदरक उन पांच वस्तुओं में शामिल हैं। किशमिश और मुनक्का भी अधिक महंगाई वाली वस्तुओं की सूची में हैं। इन वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। यह सीधे तौर पर उपभोक्ताओं के खर्च को बढ़ा रहा है। विशेष रूप से टमाटर और अदरक जैसी रोजमर्रा की सब्जियों की कीमतों में वृद्धि चिंताजनक है। इससे दैनिक जीवन की लागत बढ़ गई है। दूसरी ओर, कुछ वस्तुओं की कीमतों में कम वृद्धि देखी गई। आलू, मटर, मोटर कार और जीप की महंगाई कम रही। जीरा और मोटरसाइकिल तथा स्कूटर भी कम महंगाई वाली शीर्ष पांच वस्तुओं में शामिल थे। यह आंकड़ा अखिल भारतीय स्तर पर संयुक्त रूप से दर्ज किया गया है।

# दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष | में | [illegible] | 03-54 बजे |
| चंद्र | मेष | में | मिथुन | 05-54 बजे |
| मंगल | मेष | में | कर्क | 08-06 बजे |
| बुध | मिथुन | में | सिंह | 10-19 बजे |
| गुरु | कर्क | में | कन्या | 12-25 बजे |
| शुक्र | कर्क | में | तुला | 14-28 बजे |
| शनि | मीन | में | वृश्चिक | 16-41 बजे |
| राहु | कुंभ | में | धनु | 18-53 बजे |
| केतु | सिंह | में | मकर | 21-00 बजे |
| | | | कुंभ | 22-50 बजे |
| | | | मीन | 00-29 बजे |
| | | | [illegible] | 02-05 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-44
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -44
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शनिवार 13 June 2026
तिथि - त्रयोदशी 16-08 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - कृत्तिका 01-16 रात्रि तक उप रोहिणी
योग. - सुकर्मा 17-28 तक उप धृति
करण - गर 05-55 तक उप वणिज

**विशेष: मासिक शिवरात्री**

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

**राहुकाल 08-59 से 10-38 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा अतापुर Ph. 9247132654

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05-44 - 07-21 | अशुभ | लाभ | 18-44 - 20-11 | शुभ |
| शुभ | 07-21 - 08-59 | शुभ | उत्पात | 20-55 - 21-33 | अशुभ |
| रोग।। | 08-59 - 10-38 | अशुभ | शुभ | 21-33 - 22-55 | शुभ |
| उत्पात | 10-38 - 12-16 | अशुभ | अमृत | 22-55 - 00-16 | शुभ |
| चंचल | 12-15 - 13-55 | शुभ | चंचल | 00-16 - 01-38 | शुभ |
| लाभ | 13-55 - 15-33 | शुभ | रोग | 01-38 - 02-59 | अशुभ |
| अमृत | 15-33 - 17-11 | शुभ | काल | 02-59 - 04-21 | अशुभ |
| काल | 17-11 - 18-44 | अशुभ | लाभ | 04-21 - 05-44 | शुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपकी पेशेवर ज़िंदगी आपकी गर्मजोशी और रचनात्मकता से ऊर्जा प्राप्त करती है, जो सकारात्मक ध्यान आकर्षित करती है। तीव्र भावनाएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो आपके लक्ष्यों पर गहन चिंतन को प्रेरित करती हैं। उतार-चढ़ाव वाली भावनाएँ अस्थायी भ्रम पैदा कर सकती हैं, इसलिए भावनात्मक संतुलन का लक्ष्य रखें।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आप अपनी पढ़ाई और नई परियोजनाओं के बारे में उत्साहित महसूस करते हैं। स्पष्ट और दयालु संचार आपको अपने विचारों और भावनाओं को आसानी से साझा करने में मदद करता है। सहायक कनेक्शन टीमवर्क को अधिक आनंददायक और उत्पादक बनाते हैं। खुले और ईमानदार रहें, और आप अपने लक्ष्यों में लगातार प्रगति करते हुए मजबूत, स्थायी संबंध बनाएंगे।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पेशेवर परिस्थितियों में आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे आप सहजता से नेतृत्व कर पाते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय को तेज़ करता है, जिससे आप सूक्ष्म गतिशीलता को कुशलता से समझ पाते हैं। आपका आकर्षण और कलात्मक प्रतिभा, खासकर महिलाओं के साथ सहयोग करते समय, एक गहरी छाप छोड़ती है।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,) — आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

# 'तय कर लो... एक तरफ मोदी हैं, दूसरी तरफ राहुल

## क्षेत्रीय दलों को अशोक गहलोत की नसीहत

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। देश की राजनीति में इस समय एक ऐसी चर्चा छिड़ गई है, जिसने 'इंडिया' गठबंधन से लेकर क्षेत्रीय दलों तक के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक गहलोत ने एक बड़ा और बेहद बोल्ड बयान देकर सीधे राहुल गांधी को देश का एकमात्र 'महानायक' बनाने की वकालत कर दी है।

गहलोत ने शिवसेना नेता संजय राउत के एक पुराने विचार का पुरजोर समर्थन करते हुए सोशल मीडिया और बयानों के जरिए क्षेत्रीय दलों को खुली नसीहत दे डाली है।

अशोक गहलोत ने दो टूक शब्दों में कहा है कि वक्त आ गया है जब कांग्रेस से टूटकर अलग बनी तमाम क्षेत्रीय पार्टियों को अपनी 'घर वापसी' कर लेनी चाहिए। गहलोत ने राहुल गांधी को विपक्ष का मुख्य चेहरा प्रोजेक्ट करते हुए कहा कांग्रेस से अलग होकर क्षेत्रीय दल बनने वाली सभी पार्टियों को पुनः कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए और पूरे दिल से राहुल गांधी को अपना नेता स्वीकार करना चाहिए। जब पूरे मुल्क में यह साफ मैसेज जाएगा कि तमाम पार्टियों ने मिलकर राहुल गांधी को अपना नेता मान लिया है, तो देश का वोटिंग पैटर्न बदल जाएगा।

गहलोत का मानना है कि आज देश की जनता एक क्लियर-कट मुकाबला देखना चाहती है, एक तरफ नरेंद्र मोदी और दूसरी तरफ राहुल गांधी। अगर विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के पीछे खड़ा हो गया, तो 2026 और आने वाले चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

गहलोत ने अपने इस सियासी तीर से उन पार्टियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है जो कभी कांग्रेस का ही हिस्सा हुआ करती थीं (जैसे ममता बनर्जी की टीएमसी या शरद पवार की एनसीपी का धड़ा)। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि शिवसेना, सीपीएम, सीपीआई या समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां हमेशा से अलग विचारधारा पर रहीं, इसलिए उनसे कोई शिकायत या दावा नहीं है। लेकिन जो कांग्रेस के ही खून से निकली पार्टियां हैं, उन्हें अब अहंकार छोड़कर राहुल गांधी के नेतृत्व में आ जाना चाहिए।

**'खतरे में है डेमोक्रेसी', युवाओं को गहलोत का बड़ा आह्वान**

देश में लोकतंत्र की स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए गहलोत ने भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि 'कंट्री के अंदर डेमोक्रेसी बहुत खतरे में है।' इसी बहाने उन्होंने युवा पीढ़ी और छात्रों को राजनीति के मैदान में उतरने का न्योता दिया। गहलोत ने युवाओं को ललकारते हुए कहा, 'वक्त आ गया है, राजनीति में भाग लीजिए। इतिहास आपसे पूछेगा कि जब देश का लोकतंत्र खतरे में था, तब आपकी क्या भूमिका थी? इससे बचिए मत, आगे आइए।

साफ है कि अशोक गहलोत ने इस बयान के जरिए न सिर्फ राहुल गांधी की लीडरशिप पर मुहर लगाई है, बल्कि विपक्ष के सामने एक नई बहस भी छेड़ दी है। अब देखना यह है कि क्षेत्रीय छत्रप राहुल गांधी के इस 'विशाल नेतृत्व' को कितनी सहजता से स्वीकार करते हैं!

# केसरिया बालम पधारो'की फेमस

## मांड गायिका गवरी देवी का निधन

**98 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस; बहू-पोतियों को सौंप गईं गायन विरासत**

पाली, 12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायिका गवरी देवी का 98 वर्ष की उम्र में गुरुवार देर शाम निधन हो गया। करीब आठ दशक तक मांड गायन को समर्पित रहीं गवरी देवी आखिरी समय तक सक्रिय और स्वस्थ रहीं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को पाली के सर्वोदय नगर स्थित मोक्षधाम में किया गया। मांड गायिकी को देशभर में पहचान दिलाने वाली गवरी देवी अपने पीछे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत छोड़ गई हैं, जिसे उनकी बहू सुंदरदेवी और पोतियां गंगा व नीतू आगे बढ़ा रही हैं।

बाड़मेर जिले के कोरण गांव में लोक कलाकार परिवार में जन्मी गवरी देवी ने मांड गायिकी की शुरुआती शिक्षा अपने माता-पिता से प्राप्त की। विवाह के बाद उन्होंने पाली को अपनी कर्मभूमि बनाया और पति मिश्रीलाल राव के साथ देशभर के मंचों पर प्रस्तुतियां दीं। मांड गायन के क्षेत्र में उनके योगदान ने उन्हें राजस्थान के प्रमुख लोक कलाकारों की श्रेणी में स्थापित किया।

गवरी देवी अपने पीछे पांच पुत्रों, एक पुत्री और बड़े परिवार की विरासत छोड़ गई हैं। उनकी दूसरी पुत्री का पहले ही निधन हो चुका है। पिछले कई वर्षों से वे अपनी बहू सुंदरदेवी तथा पोतियों गंगा और नीतू को मांड गायन की बारीकियां सिखा रही थीं। उनकी पोती गंगा जोधपुर, मुंबई, चेन्नई सहित कई शहरों में मांड गायन की प्रस्तुतियां देकर अपनी पहचान बना चुकी हैं।

गवरी देवी के कार्यक्रम एक समय दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर नियमित प्रसारित होते थे। उन्होंने देशभर में मांड गायन की प्रस्तुतियां देकर लोक संस्कृति को नई पहचान दिलाई। उनके योगदान के लिए उन्हें जवाहर कला केंद्र सम्मान, दूरदर्शन सम्मान और वीर दुर्गादास राठौड़ लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड सहित कई सम्मान प्राप्त हुए। राजस्थान सरकार की पत्रिका 'सुजस' में वर्ष 2014 में उन पर विस्तृत लेख भी प्रकाशित किया गया था। गवरी देवी अक्सर कहा करती थीं कि वर्तमान समय में मांड गायिकी के कद्रदान लगातार कम हो रहे हैं। बदलते दौर में लोक संगीत के कार्यक्रम पहले की तुलना में काफी घट गए हैं। उनका मानना था कि लोक कलाकारों को मंच और संरक्षण दोनों की जरूरत है, तभी पारंपरिक कलाएं जीवित रह सकेंगी।

गवरी देवी का परिवार पाली के गवरी नगर स्थित एक साधारण मकान में रहता है। परिवार में करीब 30 सदस्य हैं। उन्होंने कई बार लोक कलाकारों के लिए पेंशन और सरकारी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया था। उनके पति मिश्रीलाल राव का भी मानना था कि लोक कलाकारों को बुढ़ापे में आर्थिक सहारा मिलना चाहिए, क्योंकि कार्यक्रमों की कमी से आजीविका चलाना कठिन होता जा रहा है। मांड राजस्थान की सबसे लोकप्रिय लोक गायन शैलियों में से एक मानी जाती है। इसका उद्भव जैसलमेर क्षेत्र में माना जाता है, जिसे प्राचीन काल में मांड क्षेत्र कहा जाता था। यह श्रृंगार प्रधान गायन शैली है, जिसका प्रयोग राजस्थानी लोकगीतों में किया जाता है।

# एक दिन कलेक्टर का बेटा बोलेगा किसान बनूंगा : कैलाश चौधरी

**प्राकृतिक खेती में मॉडल गांव बनाएंगे; मदन राठौड़ बोले- पूत के पांव पालने में दिख जाते**

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा है की मोर्चा हर गांव-गांव जाकर किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करेगा। इसे लेकर मोर्चा प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्र में कार्यशाला आयोजित करेगा। प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में मॉडल गांव बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा- जल्द वह दिन आएगा। जब कलेक्टर का बेटा एक दिन कहेगा कि मैं कलेक्टर नहीं बनूंगा, मैं किसान बनूंगा। कैलाश चौधरी जयपुर के सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। दरअसल, राजस्थान में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बीजेपी किसान मोर्चा की ओर से आज जयपुर के सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के साथ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद रहे। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा- कैलाश चौधरी जब पहले किसान मोर्चा के अध्यक्ष थे तो उनका सीधा प्रमोशन हुआ। वह केंद्रीय मंत्री बन गए।

फिर भागीरथ चौधरी किसान मोर्चा के अध्यक्ष बने और अब सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। सांवरलाल जाट भी ऐसे ही आगे बढ़े थे। अब एक बार फिर कैलाश चौधरी किसान मोर्चा के अध्यक्ष हैं, उनकी नजरें ऊंची हैं। वो जिस तरह से मेहनत कर रहे हैं, उनकी इच्छा के अनुरूप वह जल्द ही आगे बढ़ेंगे। पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं।

मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने बताया कि इस कार्यशाला का उदेश्य खेतों में यूरिया-डीएपी के बढ़ते इस्तेमाल को रोककर जमीन को बंजर होने से बचाना है।

# नौकरी से हटाने के बाद नर्सिंग कर्मचारी ने किया सुसाइड

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से अटैच हॉस्पिटलों में संविदा पर लगे नर्सिंग कर्मचारियों को नौकरी से हटाने के बाद शुक्रवार को एक कर्मचारी ने सुसाइड कर लिया। दरअसल, नौकरी से हटाए गए संवीदा कर्मचारी पिछले दो-तीन दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। इसी में से एक कर्मचारी ने दुखी होकर सुसाइड कर लिया।

जानकारी अनुसार, सुसाइड करने वाले नर्सिंग कर्मचारी का नाम दीपक खारवाल (25) है। दीपक महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट में ड्यूटी करता था। पिछले दिनों मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने नौकरी से हटाया था। नौकरी से हटाने के बाद सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के बाहर 11 जून और आज यानी 12 जून को प्रदर्शन भी किया।

12 जून की सुबह प्रदर्शन के बाद दीपक अपने रूम पर चला गया। दिन में करीब 12 बजे जहर खाकर सुसाइड कर लिया। जिसे साथी सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, घटना से नाराज नर्सिंग कर्मचारी इमरजेंसी में पहुंचकर हंगामा करने लगे।

सूत्रों के मुताबिक एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पिछले दिनों संविदा पर 600 से ज्यादा नर्सिंग स्टाफ भेजे गए। इन नर्सिंग स्टाफ की संविदा पर भर्ती राजमेस ने की थी। इनके आने के बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज और उससे अटैच हॉस्पिटलों में प्राइवेट फर्म के जरिए कॉन्ट्रेक्ट पर लगे करीब 460 नर्सिंग कर्मचारियों को एकसाथ हटाया गया था।

# राजस्थान-हरियाणा में ट्यूटर बनाकर ठगी

## दावा-400 करोड़ ले भागे:अब ऑफिस पर ताला

टोंक, 12 जून (एजेंसियां)। गरीब बच्चों के लिए एजुकेशन स्कीम लाकर ठगों ने राजस्थान-हरियाणा के 20 हजार लोगों से 400 करोड़ की ठगी कर ली। अब ऑफिस पर ताला पड़ा है और इंवेस्ट करने वाले न्याय के लिए भटक रहे हैं। शातिर ठगों ने एजुकेशन स्कीम के जरिए पहले जाल फैलाया। गरीब बच्चों के लिए होम ट्यूशन टीचर के लिए आवेदन मांगे। अप्लाई करने वाले को प्रति बच्चे 1000 रुपए देने का लालच दिया। ब्लॉक वाइज ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ने के लिए टीम लीडर और फील्ड मैनेजर भी बनाए। टारगेट पर कमनीशन और गिफ्ट का लालच दिया गया। फायदे की आस में लोग जुड़ते चले गए।

एजुकेशन सेक्टर में मदद के नाम पर इन्हीं लोगों से इंवेस्ट कराया गया। 1 लाख के इंवेस्ट पर 20 हजार हजार रुपए हर महीने का झांसा देकर रुपए जुटाए और स्कीम चलाने वाले फरार हो गए।

टोंक में सवाई माधोपुर पुलिया इलाके में ठगों ने ऑफिस खोल रखा था। 6 जून को इन्वेस्टर जब दफ्तर पहुंचे तो यहां ताला लगा था। फोन किया तो सभी संचालकों के नंबर बंद मिले। तब ठगी का एहसास हुआ। कोतवाली एसएचओ भंवर लाल वैष्णव ने बताया- 8 जून अभी 20 से ज्यादा लोगों ने मामला दर्ज कराया। लगातार लोगों की शिकायतें मिल रही हैं। गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

जयपुर में होने की सूचना पर दबिश भी दी गई, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक आरोपी रहमान खान, झारखंड का रहने वाला है। अन्य दो आरोपी शिवेंद्र सिंह राजपूत और शिवेष शर्मा का भी पता लगाया जा रहा है।

सोसायटी के संचालकों ने लोगों को जोड़ने के लिए खुद को गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने वाली संस्था के रूप में पेश किया। लोगों को बताया गया कि वे होम ट्यूटर बनकर घर-घर बच्चों को पढ़ा सकते हैं और इसके बदले उन्हें हर महीने निश्चित पेमेंट मिलेगा। मेंबर बनने के लिए उनसे रजिस्ट्रेशन और विभिन्न स्कीम के नाम पर रकम जमा करवाई गई। साथ ही यह भरोसा दिलाया गया कि संस्था का काम तेजी से बढ़ रहा है और इससे जुड़ने वालों को रेगुलर मुनाफा मिलेगा। इसके अलावा लोगों को निवेश पर मोटा ब्याज और नए सदस्य जोड़ने पर आकर्षक बोनस का लालच दिया गया।

# बंदर पकड़ने के 30 लाख रुपए देगा नगर निगम!

**125 किलोमीटर दूर छोड़कर आना होगा, वाहनों पर लगाना होगा जीपीएस**

अजमेर, 12 जून (एजेंसियां)। अजमेर में लाल व काले मुंह के बन्दरों को पकड़ने के लिए नगर निगम कांजी हाउस प्रशासन ने टेंडर कर दिए हैं। ये ठेका दो साल के लिए दिया जाएगा और अनुमानित खर्च करीब 30 लाख रुपए माना गया है।

ठेकेदार को अब बंदरों को 50 किलोमीटर दूर नहीं बल्कि 100 से 125 किलोमीटर दूर छोड़ना होगा। इसके लिए वाहन में जीपीएस भी लगाना होगा। बता दें कि फिलहाल नगर निगम की टीम ये काम कर रही है।

कांजी हाउस प्रभारी डॉ. पृथ्वीसिंह जोधा ने बताया- पूर्व में चल रहे टेंडर 29 मार्च 2026 को समाप्त हो गई। इसके बाद नए टेंडर निकाले, लेकिन किसी ने टेंडर में रूचि नहीं दिखाई। अब फिर से टेंडर किए है, इस बार बंदरों को दूर छोड़ने की योजना है। ताकि वे वापस शहर में नहीं आ सके। इसके लिए टेंडर में 50 किलोमीटर की जगह 10 से 125 किलोमीटर की शर्त डाली गई है। वाहनों पर जीपीएस ट्रेकर भी होगा। ठेकेदार को कम से कम तीन-तीन मन्की केचर मय वाहन चालक सहित (कुल 9 मन्की केचर) व कम से कम दो टीमों की व्यवस्था करनी होगी। आवश्यकता होने की स्थिति में टीमों की संख्या को बढ़ाना होगा।

बंदर पकड़ते समय में, बंदरों को रखने में व बंदरों को परिवहन करने के दौरान पशु क्रुरता नियमों का पालन करना आवश्यक होगा।

# महिला अकाउंटेंट की मौत के मामले में

## प्रताड़ना से तंग अधिकारी फंदे पर झूला

**सुसाइड नोट में लिखा सच**

दौसा , 12 जून (एजेंसियां)। जिले के सिकराय उपखंड मुख्यालय स्थित उपकोष कार्यालय में कार्यरत जूनियर अकाउंटेंट शीतल मीणा की संदिग्ध मौत के एक दिन बाद उपकोष अधिकारी मनोज मीणा ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह सिंदुकी निवासी मनोज मीणा का शव महवा स्थित उनके आवास पर फंदे से लटका मिला। सूचना पर महवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में मनोज मीणा ने अपने पिता के नाम लिखे पत्र में भुसावर के नायब तहसीलदार अरुण मीणा और सोनू मीणा पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। सोनू मीणा मृतक कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा का भाई है, जबकि अरुण मीणा उसका रिश्तेदार बताया जा रहा है। गौरतलब है कि सिकराय उपकोष कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ लेखाकार शीतल मीणा (25) की बुधवार देर रात जयपुर के एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले उप जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां से गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया था। शीतल मीणा के भाई मोहनलाल मीणा निवासी कैलाई ने मानपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उपकोष अधिकारी मनोज मीणा और कार्यालय के अन्य कर्मचारियों पर शीतल को प्रताड़ित करने तथा किसी पेय पदार्थ में जहर देने का आरोप लगाया था।

इधर मृतक मनोज मीणा के पिता ने बताया कि शीतल मीणा की मौत के बाद उनके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। उनका आरोप है कि गुरुवार को भुसावर के नायब तहसीलदार अरुण मीणा उनके घर आए थे और मनोज से बातचीत के दौरान उसे धमकाया था। इसके बाद वह तनाव में रहने लगा और देर रात उसने यह कदम उठा लिया।

घटना के समय मनोज मीणा घर पर अकेला था। उसकी पत्नी अपने पीहर गई हुई थी। परिजनों के अनुसार पत्नी ने कई बार फोन किया लेकिन मनोज ने कॉल रिसीव नहीं की।

# अब बर्थ सर्टिफिकेट में नहीं जुड़ेंगे नाम

**2011 से पहले जन्मे बच्चों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया रोकी, छूट की अवधि खत्म**

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अब उन लोगों की परेशानी बढ़ गई, जिनके बच्चों का जन्म 2011 से पहले हुआ था और उनके नाम अभी तक बर्थ सर्टिफिकेट में नहीं जुड़वाए हैं। सरकार ने नाम दर्ज करने की प्रक्रिया को रोक दिया है। भारत सरकार की ओर से ऐसे प्रकरणों में नाम दर्ज करने की जो छूट दी थी, वह अब खत्म हो गई।

दरअसल, भारत सरकार ने 2021 में 15 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के नाम दर्ज करवाने के लिए 5 साल की छूट दी थी। ये अवधि अप्रैल 2026 में खत्म हो गई। अब जयपुर नगर निगम समेत प्रदेश की दूसरी नगरीय निकायों में आ रहे ऐसे प्रकरणों में काम नहीं हो रहा है। जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2000 में प्रावधान है कि जन्म के बाद बनने वाले (बिना नाम के) जन्म प्रमाण पत्र में नाम जुड़वाने के लिए 15 साल का समय होता है। अगर बच्चे की उम्र 15 साल से ज्यादा हो जाती है और उसके बाद भी जन्म प्रमाण पत्र में नाम नहीं जुड़वाते हैं, तो उस बच्चे का नाम अब सर्टिफिकेट में नहीं जुड़ेगा। पहचान पोर्टल के जरिए सरकार ने उन 6 लाख परिवारों को मैसेज करवाया है जिसमे बच्चों का नाम बर्थ सर्टिफिकेट में दर्ज करवाने के लिए कहा है। ये वे अधिकांश बच्चे हैं जिनका जन्म 2011 के बाद हुआ है और उनका नाम अब तक जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नहीं हुआ है।

# सांप के शरीर में फंसी चांदी की अंगूठी

## तेल लगाकर निकालने की कोशिश हुई नाकाम तो जाना पड़ा ज्वेलर के पास

अजमेर, 12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के पुष्कर से एक बेहद अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। आपने लोगों को हाथों और पैरों में अंगूठी पहनते हुए तो देखा होगा, लेकिन किसी सांप के शरीर में चांदी की अंगूठी फंसी हो, ऐसा नजारा शायद ही कभी देखा गया होगा। दरअसल, पुष्कर सरोवर के किनारे एक सांप परेशान हालत में दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना एनिमल केयर सोसायटी को दी।

मौके पर पहुंची टीम ने जब सांप का रेस्क्यू किया तो उसके शरीर में चांदी की अंगूठी फंसी देखकर सभी हैरान रह गए। अंगूठी के कारण सांप को काफी परेशानी हो रही थी। टीम ने पहले तेल लगाकर अंगूठी निकालने का प्रयास किया, लेकिन सांप का शरीर मोटा होने के कारण सफलता नहीं मिली।

**अंगूठी काटकर सांप को राहत पहुंचाई**

घटना की सूचना मिलने के बाद एनिमल केयर सोसायटी के सदस्य रोहित प्रिंस सांप को सुरक्षित तरीके से एक डिब्बे में रखकर ज्वेलर की दुकान पर ले गए। वहां ज्वेलर ने बेहद सावधानी से अंगूठी को काटकर बाहर निकाला। जैसे ही अंगूठी की कैद से सांप आजाद हुआ उसको काफी हद तक राहत मिली।

एनिमल केयर सोसायटी के हेमंत रायता के अनुसार, संभवतः किसी श्रद्धालु द्वारा सरोवर में दान की गई चांदी की अंगूठी छोटे और पतले सांप के शरीर में फंस गई होगी। समय के साथ सांप बड़ा और मोटा हो गया, जिससे अंगूठी उसके लिए परेशानी का कारण बन गई।

# भारत-पाक बॉर्डर से संदिग्ध युवक को पकड़ा

**सुरक्षा एजेंसियों ने किया डिटेन, पाकिस्तान में कनेक्शन का शक**

जैसलमेर, 12 जून (एजेंसियां)। भारत-पाक बॉर्डर पर जैसलमेर के नाचना थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम सुरक्षा एजेंसियों ने एक युवक को उसके घर से डिटेन किया गया है। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर अब तक किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, सीमा पार कनेक्शन के इनपुट के बाद की गई। जानकारी के अनुसार, नाचना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हिंगोलो की ढाणी (खारिया सरहद) में कार्रवाई की गई। सुरक्षा एजेंसियों को युवक से जुड़े सीक्रेट इनपुट मिले थे। टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया गया। डिटेन किए गए युवक की उम्र लगभग 27 वर्ष बताई जा रही है।

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां युवक से लगातार गहन पूछताछ कर रही हैं। उसके मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल डिवाइसों की भी जांच की जा रही है ताकि उसके संपर्कों और नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है या नहीं।

# सिरोही के लाल ने किया कमाल

## विश्वजीत सिंह देवड़ा क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी लंदन के नए छात्रसंघ अध्यक्ष बने

सिरोही, 12 जून (एजेंसियां)। कहते हैं कि प्रतिभा किसी सरहद की मोहताज नहीं होती। राजस्थान के रेतीले धोरों से निकले एक नौजवान ने इस बात को सच साबित कर दिखाया है। देश की राजनीति में जहां इन दिनों छात्रसंघ चुनावों पर 'ताला' लगा हुआ है, वहीं राजस्थान के सिरोही जिले के एक छोटे से गांव के लड़के ने सात समंदर पार लंदन की धरती पर अपना परचम लहरा दिया है। सिरोही के डोडूआ गांव के रहने वाले विश्वजीत सिंह देवड़ा ने 'क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन' में छात्र संघ अध्यक्ष का चुनाव जीतकर एक नया इतिहास रच दिया है। करीब 170 देशों के 31 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं वाली इस प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष बनने वाले विश्वजीत पहले भारतीय छात्र हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 1200 से अधिक वोटों के भारी अंतर से शिकस्त दी।

क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी में बीएससी मैनेजमेंट कोर्स के अंतिम वर्ष के छात्र विश्वजीत पिछले तीन सालों से वहां ब्रांड एंबेसडर के रूप में काम कर रहे थे। विदेशी सरजमीं पर मिली यह जीत कोई तुक्का नहीं, बल्कि उनकी जमीनी समझ का नतीजा है। उन्होंने चुनाव में सीधे छात्रों की जेब और सहूलियत से जुड़े मुद्दे उठाए।

विश्वजीत की इस सफलता के पीछे उनका पारिवारिक बैकग्राउंड भी बड़ी भूमिका निभाता है। उनकी रगों में नेतृत्व के गुण विरासत से मिले हैं। उनके पिता भवानी सिंह देवड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि उनकी माता गिरिजा कुंवर वर्तमान में दूसरी बार डोडूआ ग्राम पंचायत की सरपंच हैं। माउंट आबू और बेंगलुरु से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद लंदन पहुंचे विश्वजीत ने साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो गांव की मिट्टी से निकला हुनर भी वैश्विक मंच पर लीडर बन सकता है।

# मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत और सुरक्षित : रामचंदर राव

तेलंगाना बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव बेगमपेट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया।

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पहले से अधिक मजबूत, सुरक्षित और आत्मविश्वासी बना है। शुक्रवार को सिकंदराबाद में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, रामचंदर राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने निर्णायक नीतियों और कठोर कदमों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों ने देश की सुरक्षा क्षमता को नई दिशा दी है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों में

महिलाओं की बढ़ती भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर महिला शक्ति और साहस का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले बारह वर्षों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने देश को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया है और भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रामचंदर राव ने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और उन्होंने देश को वैश्विक चुनौतियों और विकास संबंधी लक्ष्यों के बीच सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

## इंदिरा पार्क क्षेत्र में तीन दिन यातायात मार्ग परिवर्तन

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने हुसैन सागर ओवरफ्लो नाले पर पुल पुनर्निर्माण कार्यों के कारण 13 से 15 जून तक 24 घंटे यातायात मार्ग परिवर्तन की घोषणा की है। आशोक नगर क्रॉस रोड और इंदिरा पार्क क्रॉस रोड के बीच यातायात को प्रतिबंधित किया जाएगा। वाहनों को बैकअराम ब्रिज, एलआईसी कॉलोनी, बंडा मैसम्मा क्रॉस रोड और धरना चौक मार्ग के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा गांधी नगर यातायात सीमा क्षेत्र में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक अतिरिक्त मार्ग परिवर्तन लागू रहेगा। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा पहले से योजना बनाएं और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। सहायता के लिए यातायात हेल्पलाइन भी जारी की गई है।

# विशेष समग्र संशोधन सर्वेक्षण को लेकर सभी दलों से सहयोग की अपील

### मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इस माह पच्चीस तारीख से प्रारंभ होने वाले विशेष समग्र संशोधन (एसआईआर) सर्वेक्षण कार्यक्रम के लिए सभी राजनीतिक दल पूर्ण सहयोग प्रदान करें ताकि यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। यह अपील तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने की। शुक्रवार को बी.आर.के. भवन स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग का उद्देश्य पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना और अपात्र नामों को हटाकर शुद्ध मतदाता सूची तैयार करना है। इस कार्य में सभी राजनीतिक दलों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत इस माह पच्चीस तारीख से जुलाई चौबीस तारीख तक घर-घर सर्वेक्षण किया जाएगा। बूथ स्तरीय अधिकारी अपने क्षेत्र के प्रत्येक घर में जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। इन प्रपत्रों को भरने में राजनीतिक दल अपने बूथ स्तरीय एजेंटों के माध्यम से सहयोग प्रदान करें तथा उन्हें उचित प्रशिक्षण देकर प्रक्रिया को सरल बनाएं। साथ ही जनता में किसी भी प्रकार की भ्रांति न फैले, इसके लिए एस आई आर के उद्देश्य के बारे में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी भी निभाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सर्वे के दौरान किसी भी प्रकार की शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था में बाधा न उत्पन्न हो, इसके लिए सभी दल सहयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानचित्रण से संबंधित प्रक्रिया से अलग, जो भी मतदाता अपने गणना प्रपत्र जमा करेंगे, उन्हें इकतीस जुलाई दो हजार छब्बीस को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाता अपने गणना प्रपत्र आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं।

## पिट्टी ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 168वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक तीर्थ के सहयोग से 168वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 14 जून को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कोलनपाक आलेर मंडल स्थित श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक तीर्थ में आयोजित किया जायेगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में हाईटेक सिटी स्थित मेडीकर अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यक को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

अवसर पर डॉ.अखिल क्लिनिक के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनाल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की सेवा दी जाएगी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. नवनीत राज, डॉ.एस. निखिल राज ने सेवा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा विकलांगों की जांच कर उन्हें निशुल्क एडस एवं एप्लाएंस जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स प्रदान किये जाएंगे। अवसर पर निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था आवश्यक रोगी के लिए रहेगी। रोगी को अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनकी सुविधा के लिए उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच किया जा सकता है। शनिवार दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, इंदरचंद जैन, जयप्रकाश मुथा कुलपाकजी, वेंकटेश से संपर्क किया जा सकता है। सभी से इस शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

## गुरुकुल टेंडर पूरी तरह पारदर्शी, गुजरात ठेकेदार को लाभ देने का आरोप गलत : अदलुरी

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कल्याण एवं अनुसूचित जाति विकास मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने गुरुकुल विद्यालयों, कल्याण छात्रावासों, केजीबीवी तथा आवासीय शैक्षणिक संस्थानों के लिए की गई खरीद प्रक्रिया को लेकर बीआरएस नेता टी. हरीश राव द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ मौजूद मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह निराधार, राजनीतिक रूप से प्रेरित और राज्य की कल्याणकारी शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुल निविदा मूल्य 687.78 करोड़ रुपये है और यह समझ से परे है कि इसे 2,000 करोड़ रुपये का कथित घोटाला कैसे बताया जा रहा है। उन्होंने चुनौती दी कि यदि किसी के पास प्रमाण हैं तो वे उन्हें जांच एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करें।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि पूरी खरीद प्रक्रिया तेलंगाना सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई है।

यह प्रक्रिया राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी निविदा प्रणाली के तहत की गई, जिसमें देशभर से कुल 27 बोलीदाताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी जांच और वित्तीय मूल्यांकन निर्धारित नियमों के अनुसार किया गया और केवल सबसे कम उपयुक्त बोलीदाता (एल-वन) को ही कार्य आवंटित किया गया। किसी भी कार्य का आवंटन नामांकन के आधार पर नहीं किया गया।

गुजरात के किसी ठेकेदार को लाभ देने के आरोप को पूरी तरह गलत बताते हुए उन्होंने कहा कि मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद सहित देश के विभिन्न हिस्सों की कंपनियों ने इसमें भाग लिया और किसी भी गुजरात आधारित कंपनी को अनुबंध नहीं दिया गया।

मंत्री ने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के दस वर्षों में लिडकैप को मात्र 40.21 लाख रुपये के कार्य दिए गए थे, जबकि वर्तमान सरकार ने मात्र दो वर्षों में टीजीएलआईपीसी (पूर्व लिडकैप) को 51 करोड़ रुपये के कार्य दिए हैं, जो सार्वजनिक संस्थाओं को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं नियमबद्ध तरीके से पूरा किया गया : कोंडा सुरेखा

**पदोन्नति प्राप्त ईओ अधिकारियों को नियुक्ति आदेश, पुजारियों के कल्याण लाभ बढ़ाए गए**

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की वन, पर्यावरण एवं देवादाय मंत्री कोण्डा सुरेखा ने कहा है कि कांग्रेस की जनकल्याणकारी सरकार में देवादाय विभाग के कर्मचारियों, पुजारियों तथा अन्य स्टाफ के हितों एवं अधिकारों को पूरी तरह सुनिश्चित किया जाएगा। डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में ग्रेड-2 से ग्रेड-1 कार्यकारी अधिकारियों के रूप में पदोन्नति प्राप्त 26 अधिकारियों को पदोन्नति आदेश प्रदान किए गए। इस अवसर पर मंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में देवादाय आयुक्त वी. हनुमंत राव, विभिन्न कार्यकारी अधिकारी, तेलंगाना राज्य पुजारी एवं कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति के संयोजक डी.वी.आर. शर्मा सहित कई पुजारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं नियमबद्ध तरीके से पूरा किया गया है और भविष्य में भी सभी पात्र कर्मचारियों को उनके अधिकार एवं लाभ सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही सहायक आयुक्त से उप आयुक्त पदोन्नति सहित अन्य पदोन्नतियां भी की जाएंगी। उन्होंने घोषणा की कि देवालयों के सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी और इस संबंध में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देवादाय आयुक्त को दिए गए हैं।

मंत्री ने पुजारियों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए लागू 'पुजारी एवं अन्य कर्मचारी कल्याण निधि' के तहत मिलने वाले लाभों में वृद्धि की घोषणा की। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार डिजिटल प्रणाली के माध्यम से लाभ सीधे बैंक खातों में पहुंचाने के लिए नई वेबसाइट एवं मोबाइल अनुप्रयोग विकसित करेगी तथा ग्रीन चैनल प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे भुगतान प्रक्रिया और तेज एवं पारदर्शी होगी। मंत्री ने मंदिरों में हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम को व्यापक रूप से चलाने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों एवं पुजारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार के निर्णयों का स्वागत किया।

# नकली कपास बीज रैकेट का भंडाफोड़, दो हजार किलो बीज जब्त

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी एसओटी टीम-दो और तिरूमलगिरी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली कपास बीज तैयार करने एवं बाजार में बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में नकली सामग्री जब्त की है। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि मलकाजगिरी एसओटी टीम-दो और तिरूमलगिरी पुलिस की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर बोइनपल्ली वेजिटेबल मार्केट यार्ड में एक मारुति ईको वाहन को रोका। जांच के दौरान वाहन में तीन व्यक्तियों को 12,800 नकली कपास बीज पाउच ले जाते हुए पाया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने एक निजी बीज कंपनी के नाम से मिलते-जुलते नकली पैकेट तैयार कर अवैध रूप से बीजों की पैकिंग और बिक्री की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी ने आर्थिक संकट से बचने के लिए यह अवैध योजना बनाई थी। पुलिस ने बताया कि नकली पैकेटों का डिजाइन एक ग्राफिक डिजाइनर द्वारा तैयार किया गया और इन्हें एक प्रिंटिंग यूनिट में छपवाया गया था। इसके बाद लगभग 2,000 किलोग्राम संदिग्ध कपास बीज किसानों से खरीदकर इन्हें नकली पैकेटों में भरकर बाजार में बेचने की तैयारी थी। यह पूरा मामला किसानों के लिए गंभीर खतरा बताया गया है, क्योंकि नकली बीजों के उपयोग से फसल खराब होने, कम उत्पादन और आर्थिक नुकसान की संभावना रहती है। आरोपियों के खिलाफ पहले भी विभिन्न थानों में बीज अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और एक वाहन, तीन मोबाइल फोन तथा भारी मात्रा में नकली बीज पाउच जब्त किए गए हैं। कुल जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की गई।

## चिट फंड धोखाधड़ी का खुलासा, संचालक गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस ने चिट फंड निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने और अवैध चिट योजनाएं चलाने के आरोप में एक 30 वर्षीय व्यवसायी मोतीराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, एक निवेशक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया कि चिट योजना में निवेश की गई राशि लौटाई नहीं गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे 2 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि कई निवेशकों ने चिट योजना में धन जमा किया था, लेकिन योजना पूरी होने के बाद उन्हें भुगतान नहीं किया गया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया तथा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पुलिस ने अन्य पीड़ितों से भी आगे आकर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है, ताकि जांच को आगे बढ़ाया जा सके। यह कार्रवाई गोशामहल क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों के पर्यवेक्षण में की गई।

## सेवा रत्न से 132 समाज सेवियों को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंर्तराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन तेलंगाना राज्य के अध्यक्ष अब्दुल रहमान के नेतृत्व में गांधी भवन नामपल्ली में आयोजित 132 समाज सेवियों को सेवा रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजिक कार्यकर्ताओं मानवाधिकार रक्षकों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुडे व्यक्तियों ने भाग लिया। डॉ. राजेन्द्र सिंह ठकराल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम शुभारम्भ किया गया।

आईएचआरपी अध्यक्ष डॉ.एम.ए. रहमान फहीम ने वार्षिक रिर्पोट पेश की सम्मान समारोह में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आई.ए.एस. सैयद अजमत उल्लाह, जस्टिस पाशा नवाज खान, डॉ.एच.मौ. मुजाहिद राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख अब्दुल शरीफ एडवोकेट नेशनल चैयरमैन, डॉ. शेख फराश शोएब रहमान, गुरु नानक मिशन ट्रस्ट के सरदार रनवीर सिंह गांधी, एचआरपीसी दक्षिण भारत के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह ठकराल द्वारा समाज सेवियों को सम्मानित किया गया।


**दक्षिण तट रेलवे**
विशाखापट्नम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
वेबसाइटः www.scor.indianrailways.gov.in

**निविदा सूचना सं.-इलेक-टीआरएस-जीटीएल-26-27- ई-टीएन-4, दि.09-06-2026**

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.03-07-2026 के 12.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं. 1, निविदा सं. इलेक-टीआरएस-जीटीएल-26-27-ई-टीएन-4, दि.09-06-2026 कार्य विवरणः इलेक्ट्रिक लोको शेड, गुन्टकल पर तीन (03) वर्षों की अवधि हेतु डिजालव्ड गैस एनालिसिस उपकरण (डीजीए) मॉडल-जीसी2010 के लिए, वार्षिक रखरखाव ठेका (एएमसी)। अनुमानित मूल्य रु.4,51,886.00 अग्रधन रु.9,000.00 ठेका अवधिः 36 महिने

**बंद करने की तिथि व समयः03-07-2026 के 12.00 बजे**

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें। यदि इस निविदा के प्रति कोई भी शुद्धिपत्र जारी होता है तो उसे केवल ऑनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

निविदाकारों के लिए सूचनाः 1) इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने के लिए, ठेकेदार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए। 2) निविदाकार (निविदाकारों) को सलाह दी जाती है कि, उपरोक्त निविदाओं के प्रति शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल रेलवे प्रशासन द्वारा निविदा प्रस्तुति के पहले, ऑनलाइन पर जारी किया जायेगा तथा तदनुसार कार्य करें। 3) निविदाकार, अग्रधन का भुगतान केवल नेट-बैन्किंग द्वारा करें तथा ऐसा नही करने पर ऑफर (प्रस्ताव) को अनुत्तरदायी मानकर उसे अस्वीकार किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता,
इलेक्ट्रिक लोको शेड, गुन्टकल

SCoR-028

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

केबीआर पार्क में इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा, आरती और प्रसाद में पद्मा किरण सेसैया विशेष पूजा के सहयोगी रहे। पूजा में भाग लेने वाले भक्तों में राजेंद्र अग्रवाल, गोपाल बलदवा, वित्थलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार लाखोटिया, पी.वी.आर. मूर्ति, महेश कुमार डकोटिया, विजय कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), विजय कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सेसैया, विजय रेड्डी, संध्या अग्रवाल एवं अन्य शामिल हुए।

## एच2एच जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग द्वारा व्यवसायिक बैठक एवं एच2एच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सनातनी हिंदू व्यवसायियों के लिए किया गया। इस बैठक का उद्देश्य हिंदू व्यवसायियों की सहायता करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना था।

यह बैठक होटल एम-ग्रैंड, वनस्थलीपुरम में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल बलदवा उपस्थित रहे, जो उद्योगपति एवं समाजसेवी हैं। गीतेश काटे (एच2एच के संस्थापक), क्षेत्रीय प्रमुख किरण वेमुला, अध्यक्ष अर्को पल्लवी आकुंडी तथा प्रशिक्षक विनित गेरा ने डॉ. राज त्रिनाथ के सहयोग से इस बैठक का आयोजन किया।

## छात्र सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आज रूट्स जूनियर कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या पद्मा ने विद्यार्थियों को कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, मूल्यों, शिक्षण पद्धति तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन एवं सम्मानित अध्यापकगणों ने विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया तथा उन्हें जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम, अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के महत्व से अवगत कराया गया, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने के लिए विभिन्न सुविधाओं एवं गतिविधियों की भी जानकारी दी गई।

## प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

### ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष भाग)

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस रोड स्थित सोवालया इलाके के निवासी तुषार कांति दास ने ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। तुषार कांति दास ने पुलिस को बताया कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों को भाजपा के 'भ्रामक प्रचार' से सावधान रहने को कहा था, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि आखिर वह किस प्रकार के भ्रामक प्रचार की बात कर रही थीं। शिकायत में दावा किया गया है कि रैली के दौरान दिया गया उनका बयान पहली नजर में उकसाने वाला, भड़काऊ और सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाला प्रतीत होता है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस तरह के बयान अलग-अलग समुदायों के बीच भय, नफरत, गलतफहमी और तनाव पैदा कर सकते हैं। साथ ही इससे आम लोगों के मन में असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है, जो राज्य की शांति, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक माहौल के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।

### मीनाक्षी को सुप्रीम...

वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने पर कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने कहा, यह कोई व्यक्तिगत झटका नहीं है। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान के लिए झटका है... मैंने शुरू में ही कहा था कि चुनाव आयोग के सदस्य निष्पक्ष नहीं रहे। जब हमारे लोग चुनाव आयोग के पास गए, तो उन्होंने 48 घंटे तक हमें कोई जवाब नहीं दिया। कम से कम सुप्रीम कोर्ट ने हमारी याचिका सुनी और फैसला सुनाया।

### राहुल गांधी ने...

राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि सरकार को भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और इस मामले में स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। वहीं केंद्र सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर अमेरिका के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराते हुए समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बुधवार को ओमान तट के पास वाणिज्यिक जहाज सेट्टेबेलो पर हुए हमले के बाद अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक को नई दिल्ली में तलब किया गया था। इस हमले में जहाज पर सवार तीन भारतीयों की मौत हो गई और बाकी 21 नागरिकों को बचा लिया गया था। ओमान तट के पास पलाऊ गणराज्य के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर अमेरिका ने हमला किया था। इसमें भारतीय नाविक भी सवार थे जिनमें से तीन लापता थे। सूत्रों ने तीनों की मौत की पुष्टि की है। इस हमले को लेकर अमेरिकी सेना ने कहा कि तेल टैंकर एमटी सेट्टेबेलो ओमान तट के पास होर्मुज जलमार्ग के बाहर अमेरिकी नाकाबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश कर रहा था।


स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, न्यूजीलैंड के लिए बनाए सबसे ज्यादा रन

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को तत्काल प्रभाव से अलविदा कह दिया है। केन विलियमसन के नाम न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड है। संन्यास के साथ ही विलियमसन के 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। विलियमसन ने अपना आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेला जिसमें न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में विलियमसन ने कहा कि मैंने इस बारे में कुछ समय से सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह साफ हो गया है कि अब सही समय है। मैंने हमेशा इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए एक मजबूत इच्छा और भूख महसूस की है। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने न्यूजीलैंड के लिए खेले गए हर मैच में अपना सब कुछ दिया है। इससे कम कुछ भी जारी रखना सही नहीं होगा और मैं

अपनी शर्तों पर पीछे हटने के लिए खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं।

विलियमसन ने कहा कि मैं इस बात को लेकर सकारात्मक महसूस कर रहा हूं कि यह ग्रुप कहां जा रहा है। इसमें बहुत सारा टैलेंट है और इस न्यूजीलैंड टीम के साथ कुछ खास करने की सच्ची इच्छा है। यह एक ऐसी टीम है जिसे मैं प्यार करता हूं, और मैं इतने लंबे समय तक इसका हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब रहेगी।

35 साल के विलियमसन ने 2010 में टेस्ट और वनडे में और 2011 में टी20 में डेब्यू किया था। तीनों फॉर्मेट मिलाकर विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने और सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर 378 मैचों की 452 पारियों में 48 शतक और 103 अर्धशतक की मदद से विलियमसन ने 19,346 रन बनाए।

फॉर्मेट के हिसाब से देखें तो इस कीवी दिग्गज ने 110 टेस्ट की 195 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए 9,515 रन बनाए। 175 वनडे की 167 पारियों में 15 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7,256 रन बनाए। इसके अलावा, 93 टी20 की 90 पारियों में 18 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 2,575 रन बनाए।

फॉर्मेट के हिसाब ने विलिमयसन टेस्ट में पहले, टी20 में दूसरे और वनडे में न्यूजीलैंड के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं।

विलियमसन न्यूजीलैंड के सफलतम कप्तान भी रहे हैं। दाएं हाथ के इस धाकड़ बल्लेबाज ने 40 टेस्ट, 91 वनडे और 75 टी20 में न्यूजीलैंड की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने 2019 वनडे विश्व कप का फाइनल खेली थी। विलियमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। कीवी टीम उनकी कप्तानी में 2021 टी20 विश्व कप का फाइनल भी खेली थी। वहीं, विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर 2021 टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

विलिमयसन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास, न्यूजीलैंड क्रिकेट के एक सबसे सुखद अध्याय का अंत है।

# शूटर जसपाल राणा का निधन:कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड जीते थे

## अपने कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की।

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे। उन्हें 18 साल की उम्र में अर्जुन

अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

जसपाल राणा ने कई इंटरनेशनल इवेंट्स में मेडल जीते, लेकिन 1994 में मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उनके घुटने में फोड़ा हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी और अस्पताल से छुट्टी देने से इनकार कर दिया था।

डॉक्टरों की सलाह के उलट जसपाल और उनके कोच सनी थॉमस ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया, लेकिन अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया, जिससे उनका दर्द बढ़ गया। वे अपनी जींस तक नहीं उतार पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने जींस को फाड़कर हाफ पैंट बनाई और उसे पहनकर ही अगली सुबह प्रतियोगिता में उतरे।

राणा ने असहनीय दर्द के साथ कराहते हुए मैच खेला और जूनियर कैटगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना पहला इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीता। इसी साल उन्होंने हिरोशिमा एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता।

जसपाल के पिता नारायण सिंह राणा इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस में तैनात थे। उन्होंने 10 साल की उम्र में ही जसपाल को पिस्टल और राइफल शूटिंग के बारे में बताया। जसपाल ने शुरुआत में पिस्टल और राइफल दोनों से अभ्यास किया, लेकिन बाद में फेडरेशन ने एक इवेंट के लिए एक ही शूटर चुनने का नियम लागू किया, जिसके बाद उन्होंने पिस्टल शूटिंग को चुना।

जसपाल 11-12 साल की उम्र तक ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे थे। 1988 में सिर्फ 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अहमदाबाद में आयोजित 31वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

अभिनव बिंद्रा ने लिखा- जसपाल का जाना दुखद

2008 ओलिंपिक में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा ने जसपाल राणा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'जसपाल के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वे मेरे टीम मेट रहे हैं और भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली पीढ़ी के अहम सदस्य थे।

वह बेहद प्रतिभाशाली और जुनूनी खिलाड़ी थे, जो हर बार रेंज पर उतरते समय देश का गौरव अपने साथ लेकर चलते थे। उनका जाना भारतीय खेल जगत, खासकर निशानेबाजी के लिए बड़ी क्षति है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों, शिष्यों और उन सभी लोगों के साथ हैं, जिनके जीवन को उन्होंने छुआ और प्रेरित किया।

# पॉपस्टार शकीरा ने फुटबॉल वर्ल्डकप ओपनिंग में 'डाई-डाई' सॉन्ग गाया

## नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने भी परफॉर्म किया; मैक्सिको ने साउथ अफ्रीका को हराया

मैक्सिको, 12 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार रात को मैक्सिको में 39 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी हुई। इसमें पॉप स्टार शकीरा और नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय ने परफॉर्म किया। दोनों ने मिलकर फीफा का ऑफिशियल सॉन्ग 'डाई-डाई' गाया।

करीब 2 घंटे तक चली ओपनिंग सेरेमनी के बाद फीफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हाएक की मौजूदगी में वर्ल्ड कप ट्रॉफी पेश की। यहां कोलंबियाई सिंगर जे बलवीन ने भी परफॉर्म किया। इसके बाद मैक्सिको ने ओपनिंग मैच में साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया।

वर्ल्ड कप के बीच मैक्सिको में विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा। टीचर्स की सैलरी बढ़ाने और बेहतर सुविधाओं की मांग को लेकर लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार सामाजिक समस्याओं को नजरअंदाज कर वर्ल्ड कप आयोजन पर ध्यान दे रही है।

ओपनिंग मैच के 9वें मिनट में मैक्सिको के जूलियन क्विनोनेस ने गोल किया। इसके बाद 67वें मिनट में स्ट्राइकर राउल जिमेनेज बेहतरीन हेडर लगाकर बढ़त दोगुनी कर दी। मैक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम में रेफरी ने 3 रेड कार्ड दिए। साउथ अफ्रीका के स्पेफेलो सिथोले और थेम्बा ज्वाने को रेड कार्ड मिला। वहीं मैक्सिको के सेसर मोंटेस को एक्स्ट्रा टाइम में रेड कार्ड दिखाया गया।

मैक्सिको को बढ़त 9वें मिनट में मिली। साउथ अफ्रीका के कप्तान और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स की गलती टीम पर भारी पड़ गई। विलियम्स के बैकपास का फायदा उठाकर जूलियन क्विनोनेस ने टूर्नामेंट का पहला गोल दाग दिया।

44वें मिनट में क्विनोनेस का शॉट गोल पोस्ट से टकराकर बाहर आ गया। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका पहले हाफ में अटैक नहीं कर सकी और हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे रही।

# फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने का सबसे बड़ा दावेदार स्पेन

## 18 साल के यमाल ताकत; मेसी की अर्जेंटीना किस नंबर पर है

स्पोर्ट्स डेस्क, 12 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया की 48 बेस्ट टीमें खिताब के लिए भिड़ रही हैं। ऑप्टा दावेदार है, जिसके स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बापे इन-फॉर्म हैं। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में गोल की हैट्रिक बनाई थी। वर्ल्ड कप में फ्रांस की टीम का नेतृत्व एम्बापे के हाथ में

सुपरकंप्यूटर और EPSN ने एनालिसिस किया और कहा कि इस वर्ल्ड कप की सबसे बड़ा दावेदार स्पेन है। इस टीम का सबसे चर्चित चेहरा हैं 18 साल के लेमिन यमाल। उन्हें 16 गोल करने के लिए स्पेन के सबसे बड़े टूर्नामेंट ला लीगा का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। साथ ही रोड्री और पेड्री जैसे भरोसेमंद मिडफील्डर्स के ये टीम ताकतवर हैं। 2018 का वर्ल्ड कप जीत चुकी फ्रांस इस बार दूसरी बड़ी ही है। इसके बाद नंबर है इंग्लैंड का, जिनके कैप्टन हैरी केन जबरदस्त फॉर्म में हैं। वे इस टूर्नामेंट में गोल्डन बूट के दावेदार भी माने जा रहे हैं। वे 2025-26 के सीजन में 51 मैचों में 61 गोल कर चुके हैं। चौथी दावेदार है पिछली विजेता अर्जेंटीना। जिनके स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी से इस बार भी करिश्मे की उम्मीद है। मेसी पिछले वर्ल्डकप में गोल्डन बूट विजेता थे और फाइनल में भी उन्होंने 2 गोल किए थे।

# वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के लिए करना होगा इंतजार? आयरलैंड दौरे पर छाए संकट के बादल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारत को इस महीने के अंत में दो मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करना है। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भी मौका दिया गया है। माना जा रहा है कि 15 साल के वैभव आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर सकते हैं। लेकिन अब जो स्थिति बन रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि उन्हें इसके लिए इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, भारत के आयरलैंड दौरे पर संकट के बादल छा गए हैं।

फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि भारत और आयरलैंड के बीच खेली जानी वाली दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के मैच बेलफास्ट में ही खेले जाएंगे या सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे कहीं और शिफ्ट किया जाएगा। बीसीसीआई और आयरलैंड क्रिकेट इस पूरे मामले पर पैनी नजर बनाए हुए है। इसे लेकर अब आयरलैंड की तरफ से

बयान भी साझा किया गया है।

**रद्द हुआ इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल**

यहीं नहीं बेलफास्ट में भड़के दंगे के बाद लिस्बर्न में आयोजित होने वाले इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल को रद्द कर दिया गया है जिसकी पुष्टि बीते गुरुवार को आयरलैंड क्रिकेट की तरफ से की गई। उस दौरान बताया गया था कि सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा।

**आयरलैंड क्रिकेट का आया बयान**

इस पूरे मामले को लेकर आयरलैंड क्रिकेट ने भी बयान जारी किया है। क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, बोर्ड उन इलाकों पर नजर गड़ाए हुए है जहां अशांति बनी हुई है। रविवार को खेले जाने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। हम संबंधित अधिकारियों और अपने प्रांतीय संघों के साथ लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा और संरक्षा हमारी चर्चाओं में सबसे महत्वपूर्ण है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी उसे साझा किया जाएगा।

# पहले वनडे में विराट कोहली की जगह कौन?

## आकाश चोपड़ा ने इस खिलाड़ी को बताया 'भगवान का पसंदीदा बच्चा'

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मुकाबले से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर और मशहूर कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर एक बड़ा और दिलचस्प सुझाव दिया है। चोटिल स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की अनुपस्थिति में नंबर-3 स्थान को भरने के लिए आकाश चोपड़ा ने युवा यशस्वी जायसवाल के ऊपर ईशान किशन को तरजीह दी है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर ईशान किशन को भगवान का पसंदीदा बच्चा करार दिया। उनका मानना है कि ईशान की किस्मत इस समय इतनी बुलंद है कि जब भी अनजाने में टीम के दरवाजे खुलते हैं, वे वहां मौजूद

होते हैं और रन बनाकर खुद को स्थापित कर लेते हैं।

ईशान किशन के करियर का पिछला कुछ समय किसी फिल्मी कहानी जैसा रहा है। महज छह महीने पहले तक वे बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर थे, टीम इंडिया से दूर थे और उनके कमिटमेंटपर भी गंभीर सवालिया निशान लगे हुए थे। लेकिन इसके बाद उनका करियर पूरी तरह पलट गया, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ईशान ने अपनी कप्तानी में झारखंड को पहला ऐतिहासिक खिताब जिताया, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए टीम में वापस बुला लिया। वर्ल्ड कप में नंबर-3 पर खेलते हुए वे टीम के सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे। आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन के दम पर आखिरकार अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार उनकी वनडे टीम में वापसी हुई। इसमें सही समय पर ऋषभ पंत का फॉर्म से बाहर होना भी उनके लिए मददगार साबित हुआ।

**यशस्वी जायसवाल को बैठना पड़ सकता है बेंच पर**

आकाश चोपड़ा का मानना है कि इस समय ईशान किशन जबरदस्त फॉर्म में हैं और अगर उन्हें मौका मिला तो वे नंबर-3 पर जरूर रन बनाएंगे। उन्होंने कहा कि जब विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को स्क्वाड में शामिल किया गया था, तो लग रहा था कि वे खेलेंगे। लेकिन चोपड़ा के इस फैसले का मतलब है कि जायसवाल को पहले वनडे में बेंच पर बैठना होगा। ईशान किशन का वनडे क्रिकेट में रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने भारत के लिए खेले 27 मैचों में 42.40 की औसत और 102.19 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट के साथ 933 रन बनाए हैं, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ लगाया गया उनका ऐतिहासिक दोहरा शतक भी शामिल है।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे के लिए आकाश चोपड़ा की प्रेडिक्टेड प्लेइंग-11

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

# 'एटीट्यूड चेंज नहीं होना चाहिए', उड़ते प्लेन में सचिन की क्रिकेट, बहू ने की बॉलिंग, बिटिया सारा की फील्डिंग

खेल डेस्क, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अक्सर अपने मजेदार ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। इस बार क्रिकेट का भगवान कहे जाने वाले दिग्गज ने अपनी बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया के साथ प्राइवेट जेट में क्रिकेट खेलने का वीडियो शेयर किया है। सोशल मीडिया यूजर्स को तेंदुलकर परिवार का यह अंदाज बेहद पसंद आया है। तो वहीं कुछ यूजर्स ने वीमान सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

**सचिन तेंदुलकर ने बेटी और बहू के साथ खेला क्रिकेट**

आज यानि 12 जून को सचिन तेंदुलकर

ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडिया अपलोड किया है। जिसमें वह प्राइवेट जेट के कैबिन में बल्ला लेकर खड़े हैं, वीडियो की शुरुआत में सचिन कहते हैं कि 'एल्टीट्यूड चाहे कुछ भी हो लेकिन एटीट्यूड चेंज नहीं होना चाहिए।' इसके बाद बहू सानिया उन्हें गेंद डालती हैं। सचिन डिफेंस करते हैं तो सारा सोफे पर बैठकर गेंद को पकड़ लेती हैं और आउट का इशारा करती हैं। इसके बाद मास्टर-ब्लास्टर बल्ले को उल्टा पकड़ते हैं। एक बार फिर गेंद सारा के पास जाती है। लेकिन वह कैच नहीं ले पाती हैं।

सचिन तेंदुलकर और उनके परिवार के हंसी-मजाक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सिर्फ 2 घंटे के भीतर 4 लाख से ज्यादा लोगों ने एक्स पर इसे देख लिया है। यूजर्स को यह वीडियो पसंद भी आ रहा है। एक यूजर ने लिखा कि क्रिकेट से सचिन को दूर रखना नामुमकिन है, वह जहां भी जाते हैं खेल को अपने साथ ले जाते हैं।

एकतरफ सचिन तेंदुलकर के वीडियो को पसंद करने वाले लोग हैं तो वहीं कुछ यूजर्स ने विमान की सुरक्षा का लेकर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। एक यूजर ने लिखा कि प्लेन में मोबाइल को लेकर भी सख्त नियम हैं।

ऐसे में क्रिकेट खेलने की अनुमति कैसे मिल गई। इसके अलावा कुछ लोगों की शिकायत ये भी है कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ एक्शन हो सकता है। बहरहाल, इस वीडियो ने सचिन तेंदुलकर का क्रिकेट के प्रति प्रेम एक बार फिर दुनिया के सामने ला दिया है।

# फटाफट क्रिकेट में दम दिखाने की बारी

## पहली बार खिताब जीत सकेगी भारतीय महिला टीम?

एजबेस्टन, 12 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुक्रवार से शुरुआत होने जा रही है। भारतीय महिला टीम ने अब तक कभी टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है, लेकिन वह इस बार प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से करेगा। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम आईसीसी टी20 महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक दबदबे को चुनौती दे सकती हैं।

पिछले नौ में से छह टूर्नामेंट जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम सातवां खिताब जीतने को बेताब होगी लेकिन अब यह काम आसान नहीं रह गया है। गत चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम भी काफी मजबूत है और फिर भारत भी है जिसने पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप के रूप में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। घरेलू परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंग्लैंड और पिछली तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस लिहाज से इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से शुरू हो रहा विश्व कप अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा। यह 2009 में हुए पहले सत्र के बाद से ब्रिटेन में होने वाला पहला विश्व कप भी है।

**पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक होगा टूर्नामेंट**

यह भाग लेने वाली टीम की संख्या (12) के हिसाब से भी सबसे बड़ा है जिसमें 2024 की तुलना में आयरलैंड और नीदरलैंड भी शामिल हो गए हैं। यह विस्तार इस बात का संकेत है कि महिला क्रिकेट दुनिया भर में मजबूत हो रहा है, लेकिन इससे भी अधिक खुशी की बात है कि सभी टीम को बराबरी का मौका मिल रहा है और नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

इंग्लैंड के पास ऐलिस कैप्सी, टिली कोर्टीन-कोलमैन और फ्रेया कैम्प जैसी युवा खिलाड़ी हैं, जबकि श्रीलंका की टीम में विश्मी गुणरत्ने, इमेशा दुलानी, कविशा दिलहारी और काव्या काविंदी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर 25 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय सर्किट की सबसे युवा कप्तानों में से एक हैं। उनकी 2020-21 सत्र के दौरान अवसास और आत्महत्या के विचारों से उबरने की उनकी कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है।

मजबूत दावेदार भारत की टीम में एन श्री चरणी, यस्तिका भाटिया और नंदनी शर्मा जैसी युवा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी खिताब जीतने के लिए अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है लेकिन उनकी टीम में बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी लूसी हैमिल्टन के रूप में दो बेहतरीन युवा स्टार भी हैं। लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन जैसे नए खिलाड़ियों की पीढ़ी आगे बढ़ रही है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल और डैन वैन नीकर्क को संन्यास से वापस बुलाया गया है।

**नई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर**

इन नई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेगी क्योंकि उन पर उन शानदार खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है जो अपने शानदार करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं। वर्ष 2017 के बाद पहली बार आईसीसी खिताब के बिना उतर रहे ऑस्ट्रेलिया का दबदबा अब भी कायम है और उन्हें हराना सबसे बड़ी चुनौती होगी। कई अनुभवी खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हैं जिनमें बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पैरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और मेगन शूट जैसी सीमित ओवरों की दिग्गज शामिल हैं।

**ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देगा भारत**

ऑस्ट्रेलिया के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा भारत होगा जो अब सीमित ओवरों के क्रिकेट में एक मजबूत और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम बन गई है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया की तरह ही एक ही समय में 50 ओवर और टी20 विश्व कप जीतने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेगी। रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ जैसी तेज गेंदबाजों, दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी ऑलराउंडर और बहुत मजबूत बल्लेबाजी क्रम के साथ टीम के पास सात महीने से भी कम समय में एक और विश्व खिताब जीतने का अच्छा मौका है।

श्रीलंका, वेस्टइंडीज और नई टीम आयरलैंड पर उम्मीदों का बोझ नहीं है और इससे उन्हें बिना किसी डर के मजबूत टीमों का सामना करने की प्रेरणा मिल सकती है। किसी कमजोर मानी जाने वाली टीम का शानदार प्रदर्शन इस टूर्नामेंट के प्रतिस्पर्धी माहौल के लिए भी बिल्कुल सही रहेगा।

# सम्मक्का सागर एनओसी में तेजी लाने के लिए उत्तम ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी पर लंबे समय से लंबित सम्मक्का सागर परियोजना निर्णायक सफलता के करीब पहुंचती दिख रही है, क्योंकि तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार रात हैदराबाद दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई से व्यक्तिगत रूप से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का मुद्दा उठाया। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, जो केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अंतिम मूल्यांकन का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, उत्तम कुमार रेड्डी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें गोदावरी नदी के जल का उपयोग सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और क्षेत्रीय विकास के लिए करने के उद्देश्य से कई लंबे समय से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए तेलंगाना के निरंतर प्रयासों के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान, उत्तम कुमार रेड्डी ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ सरकार से सम्मक्का सागर परियोजना (जिसे पहले तुपकुलागुडेम बैराज के नाम से जाना जाता था) के लिए लंबित एनओसी जारी करके सहयोग देने का आग्रह किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और आश्वासन दिया है कि मामले की सहानुभूतिपूर्वक जांच की जाएगी। मंत्री ने केंद्रीय जल आयोग के अंतर-राज्यीय निदेशालय द्वारा डीपीआर के मूल्यांकन के लिए आवश्यक एनओसी (प्रतिज्ञा) तत्काल जारी करने का अनुरोध करते हुए एक औपचारिक पत्र भी सौंपा। 11 जून, 2026 के पत्र में उत्तम कुमार रेड्डी ने 22 सितंबर, 2025 को रायपुर में किए गए अपने पूर्व अनुरोध को याद किया और तेलंगाना के सिंचाई क्षेत्र के लिए इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को सूचित किया कि अंतर-राज्यीय निदेशालय को छोड़कर केंद्रीय जल आयोग के सभी निदेशालयों ने परियोजना को पहले ही मंजूरी दे दी है और केवल एनओसी की अनुपस्थिति ही डीपीआर के आगे के मूल्यांकन में बाधा डाल रही है। मंत्री जी ने बताया कि दोनों राज्यों के इंजीनियरों ने पहले जलमग्न क्षेत्र का संयुक्त सर्वेक्षण किया था। इसके बाद, छत्तीसगढ़ सरकार ने संभावित रूप से प्रभावित होने वाली भूमि और गांवों के विस्तार का सटीक आकलन करने के लिए पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) और बैकवाटर स्तरों के सीमांकन सहित अधिक विस्तृत सर्वेक्षण का अनुरोध किया।

सभी लंबित चिंताओं को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए, तेलंगाना सरकार ने सर्वेक्षण की पूरी लागत वहन करने पर सहमति व्यक्त की और अप्रैल 2026 में छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग को 9.883 करोड़ रुपये जारी किए। यह सर्वेक्षण वर्तमान में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में चल रहा है। तेलंगाना ने पड़ोसी राज्य को यह आश्वासन भी दिया है कि जलमग्नता या बैकवाटर के प्रभाव से प्रभावित घोषित भूमि के लिए, लागू कानूनों और प्रक्रियाओं के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। राज्य सरकार ने एनओसी जारी करने के लिए आवश्यक होने पर मुआवजे की राशि अग्रिम रूप से जमा करने की अपनी तत्परता बार-बार व्यक्त की है।

## जाली दस्तावेज के सहारे ओमान जाने की कोशिश, यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जाली आव्रजन दस्तावेज का इस्तेमाल कर ओमान जाने का प्रयास करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। हवाई अड्डा अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच के दौरान गड़बड़ी पकड़ ली, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान धीरज के रूप में हुई है। वह रोजगार के लिए ओमान जाने की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि उसने एक एजेंट के माध्यम से यात्रा संबंधी दस्तावेज तैयार कराए थे। जांच में सामने आया कि एजेंट ने उसे समीर नाम से एक जाली ई-माइग्रेट स्वीकृति प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया था, जिसे विदेश मंत्रालय से स्वीकृत दिखाया गया था।

हवाई अड्डे पर दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान सुरक्षा कर्मियों को प्रमाणपत्र में संदेहास्पद जानकारी मिली। विस्तृत जांच के बाद यह प्रमाणित हुआ कि प्रस्तुत किया गया प्रमाणपत्र जाली था। इसके बाद धीरज को हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस जालसाजी में शामिल एजेंटों और संभावित गिरोह की भूमिका की जांच कर रही है।

# भट्टी ने सिंगरेणी मेडिकल बोर्ड को तत्काल बहाल करने का आदेश दिया

## कोयला पट्टी क्षेत्र के मंत्रियों और विधायकों के साथ हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी श्रमिकों के लिए एक बड़ी राहत देते हुए, उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के प्रबंधन को निर्देश दिया कि विभिन्न कारणों से अस्थायी रूप से बंद की गई मेडिकल बोर्ड सेवाओं को तुरंत फिर से शुरू किया जाए। सिंगरेणी श्रमिकों के कल्याण और उनके परिवारों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, उपमुख्यमंत्री ने यह सख्त निर्देश दिया कि चिकित्सा बोर्ड चयन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और बिना किसी विवाद के संचालित की जानी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया कि सिंगरेणी के विकास पर हाल ही में कोयला पट्टी क्षेत्र के मंत्रियों और विधायकों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान, जन प्रतिनिधियों ने निलंबित मेडिकल बोर्ड के संबंध में श्रमिकों की चिंताओं को उनके संज्ञान में लाया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जन सरकार ने उनकी प्रतिक्रिया को सकारात्मक रूप से ध्यान में रखा है और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए तेजी से कार्रवाई कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि चिकित्सा बोर्ड की प्रक्रिया को पूरी तरह से सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभ केवल वास्तविक, पात्र कर्मचारियों तक ही पहुंचे, जिससे उनके योग्य उत्तराधिकारियों के लिए अनुकंपा नियुक्तियां (आश्रित पद) सुरक्षित हो सकें।

उन्होंने प्रबंधन को एक ऐसा अचूक तंत्र स्थापित करने का आदेश दिया जो बिचौलियों, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और धोखाधड़ी वाली प्रथाओं को पूरी तरह से समाप्त कर दे। उपमुख्यमंत्री ने कर्मचारियों से प्रशासन पर पूरा भरोसा रखने का अनुरोध करते हुए उनसे सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने घोषणा की कि 335 कानूनी वारिस, जो हाल ही में अनुकंपा और आश्रित नियुक्तियों के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं, उन्हें 13 जून को मंचरियाल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उनके आधिकारिक नियुक्ति पत्र प्राप्त होंगे। उन्होंने एससीसीएल प्रबंधन को कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया। एक अन्य लंबे समय से चली आ रही शिकायत का समाधान करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार दशकों पुराने अनसुलझे मुद्दे 'मरुपरलू' (उपनाम) की जांच में सक्रिय रूप से जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार वर्तमान में मौजूदा नियमों के दायरे में इस समस्या का स्थायी, वैध और सकारात्मक समाधान निकालने के लिए विशेषज्ञ कानूनी सलाह ले रही है।

## सीएम रेवंत ने महान निशानेबाज जसपाल राणा के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत के सबसे कुशल निशानेबाजों में से एक, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और एक प्रतिष्ठित कोच जसपाल राणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है, जिन्होंने अपना जीवन भारतीय खेलों को समर्पित कर दिया था। शुक्रवार को यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल राणा की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के साथ-साथ 1996 के अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने से देश को अपार गर्व प्राप्त हुआ। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिस्टल स्पर्धाओं के लिए भारत के उच्च-प्रदर्शन कोच के रूप में, उन्होंने युवा प्रतिभाओं के पोषण और भारत के शूटिंग पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा, उनके निधन से भारत ने न केवल एक महान खिलाड़ी को खोया है, बल्कि एक प्रेरणादायक मार्गदर्शक को भी खोया है, जिनकी उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और खेल के प्रति सेवा को आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। रेवंत रेड्डी ने शोक संतप्त परिवार, मित्रों, छात्रों और पूरे खेल जगत के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

# आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने तिरुमाला मंदिर में प्रार्थना की

तिरुमला, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति लिसा गिल ने शुक्रवार को तिरुमला मंदिर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर उनका स्वागत टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी मुद्दादा रविचंद्र, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी और सीवीएसओ श्री मुरलीकृष्ण ने किया। मंदिर के पुजारियों ने उनका पारंपरिक इस्तिकफाल स्वागत किया। दर्शन के बाद, वैदिक विद्वानों ने रंगनायककुल मंडपम में वेदशिर्वचनम् का प्रतिपादन किया। कार्यकारी अधिकारी और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ने उन्हें तीर्थ प्रसाद और श्री वेंकटेश्वर स्वामी की लैमिनेटेड फोटो फ्रेम भेंट की। इस अवसर पर मंदिर के उप ईओ लोकनाथम और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

## शराब के नशे में दो दोस्तों के बीच मारपीट

### एक की आंख गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली क्षेत्र में गुरुवार रात शराब के नशे में दो दोस्तों के बीच हुए विवाद में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक नेपाल के रहने वाले हैं और मेट्रो पिलर संख्या 795 के पास स्थित एक शराब की दुकान के निकट मौजूद थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। हाथापाई के दौरान रब्बी (30) नामक युवक की आंख पर शराब की बोतल से वार किया गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे के इलाज के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया। कुकटपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

## ऑपरेशन ऑक्टोपस ने फर्जी सिम नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

### 13 राज्यों में 74 साइबर जालसाज गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मई 2026 के दौरान साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी, जिसके तहत देश भर में विभिन्न ऑनलाइन घोटालों में शामिल 54 एफआईआर दर्ज की गईं और 74 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

इस माह की एक प्रमुख उपलब्धि ऑपरेशन ऑक्टोपस-3.0 थी, जिसका उद्देश्य देशव्यापी फर्जी सिम रैकेट को ध्वस्त करना था। इस रैकेट का इस्तेमाल डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले, यौन उत्पीड़न और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों में किया जाता था। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप 13 राज्यों से फर्जी सिम धारकों, पीओएस एजेंटों और आपूर्तिकर्ताओं सहित 66 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कर्नाटक से 6, तेलंगाना से 19, आंध्र प्रदेश से 16, मध्य प्रदेश से 2, पश्चिम बंगाल से 3, उत्तर प्रदेश से 7, तमिलनाडु से 5, गुजरात से 5, महाराष्ट्र से 4, दिल्ली से 3 और ओडिशा से 1 व्यक्ति शामिल थे।

निवेश धोखाधड़ी के मामलों में सबसे अधिक गिरफ्तारियां हुईं, इसके बाद वैवाहिक, व्यापारिक, ओटीपी और सोशल मीडिया से संबंधित साइबर अपराधों के मामले सामने आए। पुलिस ने जांच के दौरान 43 मोबाइल फोन, 32 सिम कार्ड, 19 लैपटॉप और कई बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए। अधिकारियों ने 25 साइबर धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के लिए 68.27 लाख रुपये से अधिक की राशि की वापसी भी सुनिश्चित की, जिनमें 10 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था। साइबर गश्ती प्रयासों के तहत, हैदराबाद पुलिस ने अवैध सट्टेबाजी, ऑनलाइन गेमिंग और फर्जी निवेश योजनाओं को बढ़ावा देने वाले 251 सोशल मीडिया प्रोफाइल और 304 सशुल्क विज्ञापनों की पहचान की और उन्हें हटाने में सहायता की।

साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों से फर्जी निवेश प्रस्तावों, डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों, दुर्भावनापूर्ण एपीके फाइलों, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइलों और ऑनलाइन वैवाहिक धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया है।

# स्वास्थ्य कार्ड लागू करने में देरी पर सरकार को घेरा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू करने में हो रही देरी को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इससे लाखों परिवार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हैं और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य कार्ड योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समिति का गठन किया था, लेकिन अब तक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को स्वास्थ्य कार्ड जारी नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एक जून से स्वास्थ्य कार्ड जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन यह वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि संविदा कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लाभों के भुगतान में भी देरी हो रही है। पूर्व मंत्री ने वेतन संशोधन आयोग के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता

में आने के छह महीने के भीतर इस मामले का समाधान करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने स्वास्थ्य बीमा सुविधा लागू किए बिना कर्मचारियों के वेतन से राशि काटे जाने पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने मांग की कि कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के तहत इलाज देने से इनकार करने या अनावश्यक देरी करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उनका कहना था कि कई अस्पताल विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मरीजों को उपचार देने में आनाकानी कर रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता जी. देवीप्रसाद ने कहा कि सरकार ने प्रस्तावित स्वास्थ्य कार्ड व्यवस्था को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। उन्होंने कर्मचारियों की सहमति के बिना वेतन से कटौती किए जाने का आरोप लगाते हुए योजना के संचालन के लिए तत्काल ट्रस्ट गठन और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। कार्यक्रम में कर्मचारी संगठनों से जुड़े कई प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

## औद्योगिक दुर्घटना में घायल कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत

संगारेड्डी, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के बोन्थपल्ली औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक औषधि निर्माण इकाई में हुई औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कर्मचारी की शुक्रवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान आदिलाबाद जिले के कसाला निवासी 26 वर्षीय प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। वह बोन्थपल्ली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक दवा निर्माण कारखाने में कार्यरत थे। बताया गया कि तीन दिन पहले कारखाने में हुई दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार तड़के उन्होंने दम तोड़ दिया।

# मीनाक्षी नटराजन की हार कांग्रेस की साजिश के कारण हुई : केटीआर

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन की हार का कारण कांग्रेस पार्टी के भीतर की कलह थी। शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी की आंतरिक साजिशों, नेतृत्व की विफलताओं और शासन व्यवस्था के पतन ने तेलंगाना की जनता के सामने सत्तारूढ़ पार्टी का असली चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन की हार के लिए कांग्रेस पार्टी ही पूरी तरह से जिम्मेदार है।

उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस नेता अपने राजनीतिक विरोधियों को ऐसे मुद्दे में क्यों घसीटने की कोशिश कर रहे हैं जो पूरी तरह से उनके अपने आंतरिक विश्वासघात और गुटबाजी की राजनीति का परिणाम है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस नेतृत्व से यह जांच करने की मांग की कि पार्टी के भीतर किसने मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ मामलों से संबंधित जानकारी लीक की और भाजपा नेताओं को सूचना दी। केटीआर ने टिप्पणी की कि यदि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का इतना शौक है, तो उन्हें इस मामले की भी एसआईटी जांच का आदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता खुद जानते हैं कि किसने पार्टी के साथ विश्वासघात किया और किसने मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ काम किया।

राहुल गांधी को कांग्रेस के भीतर उन 'काली भेड़ों' की पहचान करनी चाहिए जो पार्टी को अंदर से कमजोर कर रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, मीनाक्षी नटराजन के साथ जो हुआ वह गलत है। चुनाव आयोग ने उनके साथ अन्याय किया है। झारखंड में एक बात स्वीकार की जाती है और दूसरी तरफ मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी जाती है - यह सरासर गलत है। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं द्वारा उनके खिलाफ साजिश रचने की खबरें सामने आने के बाद कांग्रेस ने भी उनके साथ अन्याय किया है। केटीआर ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी का आंतरिक षड्यंत्रों और विश्वासघात का लंबा इतिहास रहा है और उन्होंने सवाल उठाया कि पार्टी अपनी असफलताओं के लिए दूसरों को क्यों दोषी ठहराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता शब्बीर अली के उन बयानों का भी जिक्र किया जिनमें उन्होंने कथित तौर पर पैसों के जरिए पद हासिल करने की बात कही थी, और कहा कि शब्बीर अली ने तो बस वही सच कहा है जो सभी जानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास महत्वपूर्ण पदों को पैसों के लिए बेचने का रहा है और दावा किया कि मौजूदा मुख्यमंत्री ने भी वित्तीय और राजनीतिक समझौतों के जरिए ही अपना पद हासिल किया है।

# वेलदुर्ति और जंकमपेट रेलवे स्टेशनों से नई माल ढुलाई शुरू

## दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल को मिली बड़ी सफलता

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) का हैदराबाद मंडल अपने माल परिवहन कारोबार का विस्तार करते हुए नई वस्तुओं को माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में लगातार सफलता प्राप्त कर रहा है। इसी क्रम में मंडल ने वेलदुर्ति और जंकमपेट रेलवे स्टेशनों से नई माल ढुलाई सेवाओं की शुरुआत की है। इस पहल से औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा तथा रेलवे की माल राजस्व क्षमता में वृद्धि होगी।

वेलदुर्ति रेलवे स्टेशन पर पहली बार एक विशेष कंटेनर टर्मिनल स्थापित किया गया है। यहां से निकटवर्ती इस्पात संयंत्र में निर्मित पिग आयरन और टीएमटी स्टील बार्स से भरी पहली कंटेनर रेक लोड की जा रही है। इन मालगाड़ियों को दिल्ली, पंजाब, मुंबई और गुजरात सहित देश के प्रमुख बाजारों तक भेजा जाएगा।

यह विशेष कंटेनर टर्मिनल उद्योगों को लौह एवं इस्पात उत्पादों के परिवहन के लिए अधिक दक्ष, विश्वसनीय और किफायती सुविधा उपलब्ध कराएगा। वहीं, जंकमपेट रेलवे स्टेशन को भी माल यातायात के लिए खोल दिया गया है। यहां से 21 ढंके हुए माल डिब्बों वाली पहली मिनी रेक में मक्का की खेप लोड की गई है। यह रेक महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के लिए रवाना की गई है। इस व्यवस्था से तेलंगाना से महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र तक मक्का का सुगम परिवहन सुनिश्चित होगा। साथ ही किसानों को अपनी उपज को कम लागत और सुरक्षित तरीके से रेलवे के माध्यम से बाजारों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। इससे मराठवाड़ा क्षेत्र की खाद्यान्न आवश्यकताओं की पूर्ति में भी सहायता मिलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने हैदराबाद मंडल की इस उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि मंडल ने नए माल यातायात स्रोत जोड़कर रेलवे की माल परिवहन क्षमता को मजबूत किया है। उन्होंने अधिकारियों को इसी उत्साह के साथ कार्य जारी रखते हुए जोन के पुनर्गठन के बाद भी दक्षिण मध्य रेलवे की माल ढुलाई को और अधिक सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया।

## रिश्वतखोरी मामले में एमपीडीओ, एमपीओ और ड्राइवर-बेटे पकड़े गए

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में, वारंगल रेंज के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को महबूबबाद जिले के नरसिम्हुलपेट मंडल में एमपीडीओ कार्यालय में कथित तौर पर 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एक एमपीडीओ, एक एमपीओ और एक निजी व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, एमपीडीओ पेनुगोंडा राधिका और एमपीओ के. यकैय्या ने कथित तौर पर लेआउट विकास अनुमतियों से संबंधित आधिकारिक सहायता प्रदान करने के लिए शिकायतकर्ता से क्रमशः 20,000 रुपये और 25,000 रुपये की मांग की और रिश्वत ली। एमपीडीओ के लिए निर्धारित रिश्वत की राशि कथित तौर पर उनके बेटे श्री सी. नागार्जुन के माध्यम से प्राप्त की गई, जो उनके निजी सहायक और चालक के रूप में कार्यरत हैं।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि आरोपी ने पहले भी इसी काम के लिए शिकायतकर्ता से 55,000 रुपये वसूले थे। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से यह अवैध धनराशि बरामद की गई। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर वारंगल स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। आगे की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गुप्त रखा गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.